नई दिल्ली
सोमवार 2 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 196
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 29.0°C
न्यून. 16.0°C

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com



11 टीम इंडिया ने 3-2 से जीती सीरीज

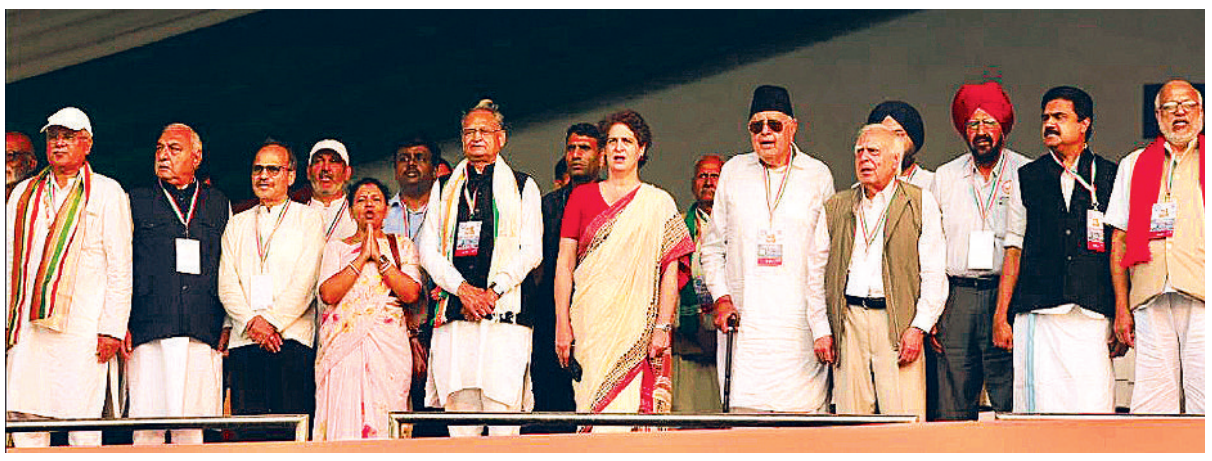

दिल्ली चलो रैली में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन

निशाने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

- रामलीला मैदान में जुटे इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेता, सोनिया गांधी, खड़गे, राहुल, अखिलेश और ममता ने साझा मंच से उठाए सवाल
- राहुल का आरोप- लोकसभा चुनाव 2024 समेत कई चुनावों में हुई वोट चोरी, मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने से प्रभावित हुआ जनादेश
- खड़गे बोले- ज्ञानेश कुमार के पद पर रहते जारी रहेगी लड़ाई, ममता ने कहा- बंगाल से दिल्ली तक लोकतंत्र बचाने का संघर्ष

शिशिर सोनी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने 'चलो दिल्ली' रैली के जरिए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन किया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के नारे के साथ आयोजित इस रैली में विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के नेता ▶▶शेष पेज 5 पर





राहुल गांधी ने 2024 के चुनाव पर भी उठाए सवाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि देश में लंबे समय से वोट चोरी हो रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनावों के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। राहुल ने आरोप लगाया कि ईवीएम और मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने तथा हटाने के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित किया गया। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद 15 प्रतिशत ▶▶शेष पेज 5 पर

खड़गे का ऐलान, ज्ञानेश के जाने तक जारी रहेगी लड़ाई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर महिलाओं, युवाओं और दलितों के वोट प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में मतदाता तय करें कि उनका प्रतिनिधि कौन होगा, न कि सत्ता में बैठे लोग अपनी पसंद के मतदाता चुनें। खड़गे ने कहा कि यह ऐतिहासिक जनसभा लोकतंत्र की रक्षा के लिए आयोजित की गई है। जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पद पर बने रहेंगे, विपक्ष की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने गठबंधन के सभी दलों से इस मुद्दे पर एकजुट रहने की अपील की।



मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए प्रधानमंत्री

असली कुर्सी कभी नहीं मिलेगी: अमित शाह

- मोहब्बत की दुकान' में नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलने का लगाया आरोप
- दिल्ली में लगातार तीन विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का खाता नहीं खुलने पर कसा तंज
- 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी पर रैली आयोजित करने को लेकर भी कांग्रेस को घेरा
- चंडीगढ़ में बोले शाह, 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने की तैयारी में

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। चंडीगढ़ में



आयोजित एक कार्यक्रम में शाह ने राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व क्षमता, प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा और कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित प्रतीकात्मक महाभियोग और मॉक पार्लियामेंट की कार्यवाही पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी यदि प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं तो पूरी जिंदगी मॉक पार्लियामेंट में प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना पूरा नहीं होगा। शाह ने कहा कि राहुल ▶▶शेष पेज 5 पर

अमित शाह का राहुल गांधी पर तीखा हमला

दिल्ली चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज

गृह मंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लगातार खराब प्रदर्शन को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले तीन विधानसभा चुनावों में दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। शाह ने दावा किया कि अगले तीन चुनावों में भी कांग्रेस दिल्ली में अपना खाता नहीं खोल पाएगी। उन्होंने पार्टी को फिर से विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहने की बात कही।

1984 के दंगों की बरसी पर रैली को लेकर सवाल

शाह ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली की तारीख पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन राजनीतिक रैली आयोजित कर पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़का है। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस विवादित बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। शाह ने कहा कि जिस दिन हजारों सिखों की हत्या हुई थी, उसी दिन राहुल गांधी ने दिल्ली में बड़ी राजनीतिक रैली आयोजित की। भाजपा ने पहले ही कांग्रेस से एक, दो और तीन नवंबर को रैली नहीं करने की अपील की थी, ▶▶शेष पेज 5 पर

पंजाब की राजनीति पर भी नजर

चंडीगढ़ में शाह का यह हमला ऐसे समय आया है जब पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक तैयारियां तेज हो रही हैं। भाजपा राज्य में अपना राजनीतिक आधार विस्तार करने और अपने दम पर सरकार बनाने का लक्ष्य सामने रख रही है। शाह ने पंजाब को दिसंबर 2029 तक नशामुक्त बनाने का भी संकल्प दोहराया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जीएसटी संग्रह 23% बढ़कर 2.31 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। देश का जीएसटी संग्रह अक्टूबर 2026 में सालाना आधार पर 23% बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। सरकार ने रविवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। घरेलू बिक्री और आयात से मिलने वाले राजस्व में बढ़ोतरी से संग्रह में यह उछाल आया है। घरेलू बिक्री से जीएसटी राजस्व 16%बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए रहा, आयात से प्राप्त राजस्व 42% बढ़कर 72,246 करोड़ पहुंच गया। कुल संग्रह में केंद्रीय जीएसटी का हिस्सा 42,935 करोड़, राज्य जीएसटी का 51,340 करोड़ और एकीकृत जीएसटी का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा।



विमान सुबह दिल्ली रवाना

करीब दो घंटे रुका था विमान

खराब मौसम के कारण दिल्ली काठमांडू फ्लाइट लखनऊ में उतरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



काठमांडू में खराब मौसम के कारण दिल्ली से जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। विमान रविवार देर रात चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। मौसम में सुधार के बाद विमान सुबह 3:31 बजे वापस दिल्ली के लिए रवाना हो गया। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-223 (एयरबस ए320) ने रविवार, 1 नवंबर की रात 1:19 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। विमान का पंजीकरण नंबर वीटी-ईडीई था। काठमांडू में मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण विमान के निर्धारित गंतव्य पर उतरने में परेशानी आ रही थी। इसे देखते हुए उड़ान को लखनऊ भेजने का निर्णय लिया गया। लखनऊ एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे रुकने के बाद मौसम की स्थिति अनुकूल होने पर विमान सुबह 3:31 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ।

महादेव सट्टा ऐप का किंगपिन सौरभ चंद्राकर ओमान से प्रत्यर्पित, सीबीआई के हत्थे चढ़ा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



देश के चर्चित महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को रविवार को बड़ी कामयाबी मिली। इस अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट के कथित मुख्य संचालक और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। सीबीआई की विशेष टीम अन्य केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से उसे भारत लेकर पहुंची। भारत पहुंचने के बाद सीबीआई ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। अब उसे रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, चंद्राकर की वापसी भारत की जांच एजेंसियों के लिए अंतरराष्ट्रीय ▶▶शेष पेज 5 पर

रिलायंस फाउंडेशन स्थापित करेगा 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय'





नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय का भूमि पूजन

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने मुंबई के निकट कर्जत में प्रस्तावित 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' के स्थल पर भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह संपन्न किया।

करीब 100 एकड़ में विकसित होने वाली इस टाउनशिप में 5,000 लोगों को स्नेहपूर्ण और आजीवन आश्रय प्रदान किया जाएगा। इनमें अनाथ बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और विकासात्मक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्ति शामिल होंगे। इस परिसर में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं, देखभाल की आधुनिक सुविधाओं और ऐसे अवसरों की व्यवस्था की जाएगी, जो प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाएंगे।

100 एकड़ में विकसित होगी टाउनशिप, अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों सहित 5,000 लोगों को मिलेगा आजीवन घर

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी ने मुंबई के निकट करजत में प्रस्तावित स्थल पर 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह को शिलापटल से संपन्न किया।100 एकड़ में फैली यह टाउनशिप अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और विकासात्मक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों सहित 5,000 लोगों को स्नेहपूर्ण एवं आजीवन आवास उपलब्ध होगा जो प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने का अवसर प्रदान करेंगे।

मुंबई, 1 नवंबर, 2026। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन श्रीमती नीता अंबानी ने आज 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' की स्थापना की घोषणा की। यह एक अनूठी पहल है, जिसकी परिकल्पना अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों को आजीवन घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। यहां उन्हें गरिमा, देखभाल, आराम और उद्देश्यपूर्ण जीवन के साथ-साथ व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं तथा व्यक्तिगत विकास के अवसर भी मिलेंगे। श्रीमती नीता अंबानी ने आज मुंबई के निकट करजत में प्रस्तावित परियोजना स्थल पर भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह संपन्न किया। लगभग 100 एकड़ में फैला 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' एक स्थायी, गैर-लाभकारी संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद इसका निर्माण विभिन्न चरणों में किया जाएगा। इस पहल के मूल में श्रीमती नीता अंबानी का यह दृढ़ विश्वास है कि प्रत्येक जीवन गरिमा का हकदार है और हर व्यक्ति को संवेदनशीलता, करुणा तथा देखभाल मिलनी चाहिए। रिलायंस फाउंडेशन के 'वी केयर' यानी 'हम परवाह करते हैं' के दर्शन पर आधारित यह सोच 'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' के रूप में साकार होगी। इसका मूल संदेश है—हर जीवन के लिए एक घर। भूमि पूजन समारोह में रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन श्रीमती नीता अंबानी ने कहा:"मेरे और मेरे परिवार के लिए नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय की शुरुआत दिल के बेहद करीब है। यह दिव्यांग व्यक्तियों, ऐसे बच्चों जिन्हें घर की जरूरत है, और ऐसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्नेहपूर्ण घर बनाने की दिशा में कदम है, जिन्हें देखभाल और सुकून की तलाश है। हम एक ऐसे समुदाय की कल्पना करते हैं, उन्होंने आगे कहा:"एक मां के रूप में मेरी सबसे बड़ी आशा यह है कि जिन माता-पिता ने अपना पूरा जीवन इस चिंता में बिताया है कि उनके बाद उनके बच्चों की देखभाल कौन करेगा, उन्हें यह जानकर सुकून मिल सके कि उनके बच्चे के पास हमेशा अपना घर और अपना परिवार होगा। यहां विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों, अनाथ बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित 5,000 से अधिक लोगों को आजीवन आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। जहां हर व्यक्ति को एक संतुष्टिपूर्ण और सार्थक जीवन जीने का अवसर मिले।निवासियों के लिए छोटे-छोटे घर बनाए जाएंगे, जहां परिवार जैसी व्यवस्था होगी। इन घरों में उनके साथ समर्पित गृह-अभिभावक और देखभालकर्ता रहेंगे। प्रत्येक घर को आराम, परिचित परिवेश और व्यक्तिगत अपनत्व को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। निवासियों को अपने कमरों को अपनी पसंद के रंगों, तस्वीरों और प्रिय वस्तुओं से सजाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।प्रत्येक निवासी जरूरतों में होने वाले बदलावों के अनुरूप योजना की कम से कम हर छह महीने में समीक्षा की जाएगी, ताकि बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक आवश्यक सहायता मिलती रहे। प्रस्तावित टाउनशिप में आठ आवासीय गांव होंगे। प्रत्येक गांव का नाम भारत की किसी पवित्र नदी के नाम पर रखा जाएगा। हर गांव की अपनी विशिष्ट रंग पहचान, प्रतीक और संवेदी उद्यान होगा। इससे निवासियों को अपने आसपास के स्थानों को पहचानने और अधिक आसानी तथा स्वतंत्रता के साथ आने-जाने में मदद मिलेगी।'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' आसपास के समुदाय का भी अभिन्न हिस्सा बनने का प्रयास करेगा। यहां का मंदिर, अस्पताल, खेल सुविधाएं और कैफे आसपास के गांवों के लोगों के लिए भी उपलब्ध कराने की परिकल्पना है। क्षेत्र के लगभग 1,000 लोगों को चिकित्सा एवं पुनर्वास संबंधी थेरेपी, शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, हजारों अन्य लोगों को अस्थायी राहत देखभाल, जनसंपर्क कार्यक्रमों और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं से लाभ मिलेगा।सभी के लिए व्यापक देखभाल, स्वास्थ्य सेवाएं और अवसर'नीता मुकेश अंबानी अनंत आश्रय' में विशेष स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पुनर्वास, मनोरंजन और सार्थक रोजगार के अवसरों को एक ही संवेदनशील एवं समावेशी वातावरण में उपलब्ध कराने की योजना है। प्रस्तावित प्रमुख सुविधाएं एवं सेवाएं इस प्रकार हैं:परिवार जैसी आवासीय व्यवस्था: ऐसे घर जहां गृह-अभिभावक और समर्पित देखभालकर्ता निवासियों के साथ रहेंगे तथा उन्हें स्थिरता, आराम और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप सहायता देंगे।

विशेषीकृत अस्पताल: विकासात्मक चिकित्सा, मिर्गी के उपचार, विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए दंत चिकित्सा, प्रशामक देखभाल और व्यापक चिकित्सा सहायता की सुविधाएं। आधुनिक पुनर्वास केंद्र: फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, स्पीच थेरेपी और हाइड्रोथेरेपी जैसी सुविधाएं। पशु संग-साथ फार्म: वंतारा की विशेषज्ञता से विकसित किया जाने वाला यह फार्म निवासियों और पशुओं के बीच सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देगा।व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार: बेकरी, कैफे और हस्तशिल्प स्टूडियो जैसी सुविधाएं, जहां निवासी कौशल विकसित कर सकेंगे, वेतन अर्जित कर सकेंगे और काम के माध्यम से आत्मसम्मान एवं गरिमा का अनुभव कर सकेंगे।

परिवारों के लिए राहत आवास और मोबाइल चिकित्सा क्लीनिक: आसपास के जिलों के परिवारों और समुदायों तक देखभाल तथा स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की व्यवस्था होगी।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी: विशेष प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से भारत में दिव्यांगजनों की देखभाल करने वाले कार्यबल को मजबूत बनाने के लिए समर्पित अकादमी स्थापित होगा।

विशेष हॉस्पिस विंग और स्मृति उद्यान: जीवन के अंतिम चरण में रहने वाले लोगों को शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण वातावरण में संवेदनशील देखभाल प्रदान करने की सुविधा भी मिलेगी।

नए वायुसेना प्रमुख का अंदाज जीत रहा दिल, 4 सूत्रों पर काम करने का संकल्प

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने संभाली भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख की कमान

मां और सास के पैर छूकर लिया आशीर्वाद, फिर किया 'सैल्यूट'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शनिवार को 29वें वायुसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उनका एक भावुक और सम्मान से भरा अंदाज चर्चा का विषय बन गया।

देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने अपनी मां निर्मला दीक्षित और सास कमला पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद दोनों के सामने पूरे सम्मान के साथ सैल्यूट किया। उनके इस अंदाज का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है और लोग इसकी सराहना कर रहे हैं। सैन्य परंपराओं के बीच परिवार के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संस्कार की यह झलक लोगों का ध्यान खींच रही है। वायुसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के ▶▶शेष पेज 5 पर

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी अहम भूमिका

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने निवर्तमान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एपी सिंह के नेतृत्व में भारतीय वायुसेना ने सटीक और निर्णायक हवाई शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि एपी सिंह ने उन्हें पूरी तरह तैयार वायुसेना की कमान सौंपी है। उल्लेखनीय है कि एयर चीफ मार्शल एपी सिंह 43 वर्ष के शानदार सैन्य करियर के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।

गिरोह के मास्टरमाइंड समेत चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

20 के नकली सिक्के बनाने व सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-1 टीम ने 20 के नकली सिक्के बनाने और उनकी सप्लाई करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। लगभग 1 लाख मूल्य के नकली सिक्के बरामद किए गए हैं। गिरोह का सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे पहले पारस जैन को मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास इन सिक्कों को आगे बाजार में खपाने के लिए ले जाते समय पुलिस ने दबोचा। पूछताछ के दौरान सिक्कों की सप्लाई चेन का पता चला, जो जीरकपुर के उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह और सिक्कों के निर्माण में शामिल उनके साथियों तक गई। बाद में तीन मुख्य आरोपियों उपकार लूथरा, अनुराग पाल उर्फ लंकेश और जनार्दन कुमार चौरसिया उर्फ संतोष को भी गिरफ्तार किया गया। गहन जांच से नकली सिक्कों के निर्माण, सप्लाई और उन्हें बाजार में खपाने से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले एसआई गुमान सिंह को एक गुप्त सूचना मिली थी कि पारस जैन नाम का व्यक्ति दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया मेट्रो स्टेशन के पास नकली 20 के सिक्के सप्लाई करने वाला है। आरोपी को मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया मेट्रो स्टेशन के पास रोका गया और उसकी इटियोस कार से लगभग एक लाख की फेस वैल्यू वाले नकली 20 के सिक्के बरामद किए गए। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान जैन ने बताया कि उसने ये नकली 20 के सिक्के पंचकूला/मोहाली क्षेत्र के रहने वाले उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह से लिए थे। उपकार लूथरा इन नकली सिक्कों को आगे बेचने और बाजार में चलाने के लिए उपलब्ध कराता था। वह एक लाख की फेस वैल्यू वाले सिक्के लगभग 70 हजार में देता था। लूथरा के बारे में जानकारी जांची गई, जिससे पता चला कि वह पहले भी इसी तरह के मामलों में शामिल रहा है। आगे यह भी पता चला कि पारस जैन की गिरफ्तारी के बाद, उपकार लूथरा अपने साथियों के साथ मिलकर नकली सिक्के बनाने की यूनिट को सोनीपत से सहारनपुर ले जा रहा था। इसी दौरान सहारनपुर की एसओजी टीम ने उपकार लूथरा और उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रोडक्शन वारंट हासिल किए गए और पांच आरोपियों उपकार लूथरा, अनुराग पाल उर्फ लंकेश, जनार्दन कुमार चौरसिया उर्फ संतोष, कुलदीप और हिमांशु उर्फ गुल्लू को सहारनपुर जेल से लाकर तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट की अनुमति मिलने के बाद इन पांचों से पूछताछ की गई। शुरुआती जांच में उपकार लूथरा, अनुराग पाल और जनार्दन कुमार चौरसिया की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद कानूनी औपचारिकताएं पूरी करके इन तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

ईरानी गिरोह के सरगना के खिलाफ मकोका के तहत चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कई राज्यों में लूट, धोखाधड़ी और अन्य अपराधों में शामिल होने के आरोप में ईरानी गिरोह के सरगना नासिर हाफिज खान उर्फ समीर और उसके दो साथियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने बताया कि खान, अली चुन्ना उर्फ राजा और अकबर अली उर्फ कबीर के खिलाफ मकोका की धाराओं तीन और चार के तहत मेन चार्जशीट राउज एवेन्यू स्थित विशेष मकोका अदालत में दाखिल की गई है। यह गिरोह दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सक्रिय था। खान के खिलाफ लगभग 46 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि उसके दो साथियों के खिलाफ 10 और 22 आपराधिक मामले दर्ज थे। अक्टूबर 2025 में हुई लगभग 18.84 लाख रुपये की लूट की घटना की जांच के बाद जून में डीबीजी रोड थाने में मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करने पर पता चला कि वे एक संगठित नेटवर्क चला रहे थे, जो आर्थिक लाभ के लिए लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने धन के कथित लेन-देन का पता लगाने के लिए बैंक खातों, संपत्ति के रिकॉर्ड, वाहनों के वित्तपोषण से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की जांच की।

हत्या मामले में 26 साल से फरार वांछित अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली पुलिस ने हत्या के एक मामले में 26 साल से अधिक समय से फरार रहे 62 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शिव विहार इलाके से विश्वनाथ सिंह उर्फ मुन्ना को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार यह मामला 20 अक्टूबर 1998 का है। 24 वर्षीय जय प्रकाश गोकलपुरी इलाके में गंभीर रूप से घायल और बेहोश हालत में मिला था। बाद में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। शुरुआत में इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। हालांकि, बाद की जांच से पता चला कि यह एक सुनियोजित हत्या थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रकाश का पड़ोसी था। उसने कथित तौर पर उसके सिर पर हथौड़े से वार किया था और घटना को इस तरह पेश किया जैसे कि यह कोई 'हिट-एंड-रन' का मामला लगे। आरोपी को संदेह था कि प्रकाश का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है और इसी वजह से उसने हत्या की थी। इन खुलासों के बाद मूल प्राथमिकी रद्द कर वर्ष 2000 में खजूरी खास थाने में हत्या का नया मामला दर्ज किया गया। सिंह को पांच दिसंबर 2001 को भगोड़ा घोषित किया गया था और तब से वह गिरफ्तारी से बच रहा था। क्राइम ब्रांच की एक टीम ने उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में उसके पैतृक गांव का पता लगाया और इसके बाद दिल्ली में रहने वाले उसके परिवार के सदस्यों के बारे में सुराग जुटाए। पुलिस ने बताया कि निगरानी के दौरान टीम ने एक व्यक्ति को आरोपी के भाइयों से गुप्त रूप से मिलते देखा। गोपनीय तरीके से सत्यापन करने के बाद उसकी पहचान स्थापित की गई। फरार रहने के दौरान सिंह ने बार-बार अपने ठिकाने बदले और अपनी पहचान छिपाकर फरीदाबाद, लोनी, इटावा और दिल्ली में मावा के थोक कारोबार का काम किया।

खबर संक्षेप

मोटरसाइकिल फिसलने से युवक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मंडोली चौक के पास रविवार सुबह एक मोटरसाइकिल के फिसल कर गिरने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे में मृतका का दोस्त घायल हुआ है। मृतक की पहचान आर्यन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब आर्यन रविवार सुबह करीब 9:55 बजे मुख्य वजीराबाद रोड पर नंद नगरी डिपो के पास भोपुरा बॉर्डर फ्लाईओवर की ओर मोटरसाइकिल से जा रहा था। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे उसके दोस्त देव (18) को भी चोटें आई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद एक टीम मौके पर पहुंची, जहां सड़क पर मोटरसाइकिल पड़ी मिली। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक घायल हैं और उन्हें राजीव गांधी अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायल आर्यन ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि देव को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

47 लाख की धोखाधड़ी के मामले में प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

नई दिल्ली। जाफराबाद पुलिस ने 47 लाख की धोखाधड़ी के मामले में शामिल एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गत वर्ष के एक मामले में भी गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उसने अपने ग्राहकों से लिए गए पैसों को हड़पने के लिए खुद पर और अपने कार्यालय पर फायरिंग का नाटक रचा था। पुलिस के अनुसार मौजपुर के गुरुद्वारा मोहल्ला निवासी अहमद अली खान (53) की शिकायत पर एक फ्लैट के नाम पर 47 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में जाफराबाद थाने में 15 अक्टूबर को केस दर्ज किया गया था। जांच टीम ने 28 अक्टूबर को अनीस निवासी गली नंबर 10, जाफराबाद को करदमपुरी इलाके से गिरफ्तार किया। आगे की जांच में पता चला कि आरोपी प्रॉपर्टी डीलर है। उसने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। इस संबंध में एक और मामला जिले की डीआईयू में दर्ज है। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी ने करोड़ों रुपये की ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके फरार साथियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

दो मंजिला मकान की छत पर लगी आग

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव इलाके में रविवार को दो मंजिला एक मकान की छत पर आग लग गई। दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ ही देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार मकान की छत पर बने टिन के शेड में आग लगी थी, जहां स्प्रे पेंटिंग में इस्तेमाल होने वाला धातु का एक एयर टैंक रखा था। कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया।

अगवा किशोर पुलिस ने तीन घंटे में किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- किडनैपर ने कैफे मालिक को कमीशन का लालच देकर उसी के क्यूआरकोड पर मंगवाई फिरौती की रकम
- पुलिस ने तुरंत कैफे पहुंच आरोपी को दबोचा

ज्योति नगर पुलिस ने फिरौती के लिए 13 वर्षीय किशोर के अपहरण मामले को तीन घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने ना सिर्फ आरोपी को गिरफ्तार किया बल्कि नाबालिग बच्चा भी सुरक्षित बरामद कर लिया। आरोपी के पास से फिरौती के पांच हजार, अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन और अपहरण में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी को एक साइबर कैफे के जरिए फिरौती की रकम लेने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार 30 अक्टूबर को शाम लगभग सवा सात बजे ज्योति नगर पुलिस को 13 वर्षीय लड़के के अपहरण की सूचना मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका बेटा कुछ सामान खरीदने बाहर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इसके बाद उसे एक अनजान व्यक्ति का फोन आया, जिसने उसके बेटे को सुरक्षित छोड़ने के बदले 40 हजार की फिरौती मांगी। तुरंत ही एएसआई गजराज सिंह और हेड कांस्टेबल अमित तोमर पूर्वी गोकुलपुर इलाके में स्थित अमर कॉलोनी पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। टीम ने तुरंत गहन जांच शुरू की, तकनीकी सबूत जुटाए और अगवा किए गए बच्चे का पता लगाने तथा आरोपियों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच के दौरान अपहरणकर्ता ने फिर से शिकायतकर्ता से संपर्क किया और फिरौती की मांग की। आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस टीम ने उसे फिरौती के लेनदेन में उलझाए रखा। नकद के बजाय आरोपी ने यूपीआई के जरिए पैसे लेने पर जोर दिया और एक बारकोड साझा किया। इसके बाद एक पुलिस अधिकारी के खाते से उस यूपीआई बारकोड पर पांच हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस टीम करावल नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक साइबर कैफे तक पहुंची। यह कैफे प्रेम नगर, करावल नगर के रहने वाले टेकराम सैनी के बेटे सुनील सैनी द्वारा चलाया जा रहा था। पूछताछ के दौरान कैफे मालिक ने बताया कि लगभग 21-22 साल का एक युवक, एक नाबालिग बच्चे के साथ उसके कैफे में आया था। उसने 50 रुपये के कमीशन के बदले पांच हजार रुपये प्राप्त करने के लिए कैफे मालिक के यूपीआई बारकोड का इस्तेमाल किया था। कैफे के सीसीटीवी फुटेज की तुरंत जांच की गई, जिसमें शिकायतकर्ता ने अपने अगवा किए गए बेटे को पहचान लिया। आरोपी की पहचान पक्की करने और उसे पकड़ने के लिए, उसी यूपीआई बारकोड के जरिए फिर से पांच हजार रुपये का लेनदेन किया गया। कुछ ही समय बाद आरोपी फिरौती की रकम नकद लेने के लिए अगवा किए गए बच्चे के साथ वापस साइबर कैफे पहुंचा और दबोच लिया गया। आरोपी की पहचान लोनी के रहने वाले दयानंद के बेटे आकाश (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अगवा किए गए नाबालिग बच्चे को सुरक्षित बचा लिया। आरोपी सदर बाजार इलाके में डिलीवरी हेल्पर के तौर पर काम करता था और अपने चचेरे भाई के जरिए पीड़ित को जानता था।

अंतरराज्यीय कोकीन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

- घाना के नागरिक समेत चार लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



क्राइम ब्रांच ने एनसीआर में सक्रिय कोकीन तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में घाना के एक नागरिक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी दक्षिण दिल्ली और गुरुग्राम के पब एवं बार में आने वाले युवाओं को मादक पदार्थ की आपूर्ति करते थे। इनके नाम हुकमुद्दीन (45), जाबिद हुसैन (41), मुश्ताक (40) और घाना नागरिक चार्ल्स ओवुसु उर्फ जॉनसन (36) बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार केस की जांच 26 मई को तब शुरू हुई, जब क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि छतरपुर निवासी हुकमुद्दीन कथित तौर पर दिल्ली-एनसीआर में कोकीन की आपूर्ति करता है और द्वारका में इसकी एक खेप पहुंचाने वाला है। एक टीम ने द्वारका के सेक्टर नौ में जाल बिछाया और थोड़ी देर के प्रयास के बाद उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से 106 ग्राम कोकीन बरामद की। पूछताछ के दौरान हुकमुद्दीन ने खुलासा किया कि उसने यह मादक पदार्थ जाबिद हुसैन से खरीदा था। जाबिद को 17 अगस्त को हरियाणा के नूंह-मेवात से गिरफ्तार किया गया। जाबिद ने बाद में खुलासा किया कि उसने कोकीन मुश्ताक से प्राप्त की थी, जिसे 18 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। जांच में चार्ल्स ओवुसु का नाम सामने आया। उसे 20 अक्टूबर को खानपुर के देवली एक्सटेंशन स्थित उसके किराये के मकान से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 30 ग्राम कोकीन बरामद की गई। ओवुसु 2023 में पर्यटक वीजा पर भारत आया था। कथित आपूर्तिकर्ता का पता लगाने और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तानी नारे लिखने वाले तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने मेट्रो के जहांगीरपुरी और शास्त्री नगर स्टेशनों पर खालिस्तान-समर्थक नारे लिखने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है।

डीसीपी नारा चैतन्य के अनुसार स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज टीम के इंस्पेक्टर अनुकूल पंवार और परवीन कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने इन तीनों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये लोगों के नाम सुमीत उर्फ रफ्तार निवासी समालखा, पानीपत, सुमित कुमार उर्फ काका निवासी डेरा बाबा नानक, सहापुर दा चंदेरा के पास, गुरदासपुर, पंजाब और गुरप्रीत निवासी जिला होशियारपुर, पंजाब बताये गये हैं। गौरतलब है कि 29 अक्टूबर को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास फर्श पर कुछ नारे लिखे हुए मिले थे। अगले दिन 30 अक्टूबर को शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 पर भी सीढ़ियों की अंदरूनी दीवार पर इसी तरह के नारे लिखे हुए पाए गए। दोनों ही जगहों पर लिखे संदेश में दिलजीत सिंह कौम दे गद्दार, खून दा बदला, एसएफजे, खालिस्तान जैसे शब्द थे, जो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' और खालिस्तानी विचारधारा के समर्थन को दर्शाते हैं। इन हरकतों से मेट्रो स्टेशनों पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा और यह सार्वजनिक व्यवस्था तथा राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करने वाला कृत्य था। केस दर्ज किया गया और स्पेशल सेल को जांच में शामिल किया गया था।

कंझावला: सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



- कंझावला इलाके में किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली
- बॉलीवुड अभिनेता प्रवीन डबास ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, निगम पार्षद संदीप डबास भी रहे साथ
- 15 नवंबर को कंझावला एसडीएम कोर्ट के सामने महापंचायत का ऐलान
- दिल्ली देहात के किसानों ने उचित मुआवजे और जमीन के सम्मान की लड़ाई तेज करने की चेतावनी दी

दिल्ली देहात में कृषि भूमि के सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। किसान संघर्ष समिति कंझावला के धरने के 77वें दिन किसानों ने ट्रैक्टर-बाइक रैली निकालकर अपनी एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन किया। गांव-देहात से निकली इस रैली में किसानों, ग्रामीणों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के माध्यम से किसानों ने दिल्ली सरकार को चेताते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि कृषि भूमि के उचित मूल्य और अपने अधिकारों की मांग को लेकर उनका संघर्ष जारी रहेगा।

रैली की शुरुआत में बॉलीवुड अभिनेता और दिल्ली देहात से जुड़े प्रवीन डबास ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। उन्होंने किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। वहीं, निगम पार्षद संदीप डबास भी रैली में पूरे समय साथ रहे और किसानों के इस अभियान में सहयोग दिया।

ट्रैक्टरों और बाइकों के साथ निकली रैली के दौरान विभिन्न गांवों में किसानों और ग्रामीणों ने समर्थन जताया। आयोजकों के अनुसार, जगह-जगह मिले स्वागत और सहयोग से आंदोलन से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ा। रैली में शामिल किसानों ने कहा कि कृषि भूमि केवल कमाई का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आजीविका, भविष्य और पहचान से जुड़ी है। ऐसे में जमीन के सर्किल रेट में उचित बढ़ोतरी जरूरी है, ताकि किसानों को जमीन के वास्तविक मूल्य के अनुरूप मुआवजा मिल सके। किसान संघर्ष समिति का कहना है कि दिल्ली के तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य में किसानों की जमीन का महत्व लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सर्किल रेट और जमीन के बाजार मूल्य के बीच अंतर का मुद्दा किसानों की चिंता बना हुआ है। इसी मांग को लेकर धरना और जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए किसान संघर्ष समिति कंझावला ने 15 नवंबर 2026 को कंझावला एसडीएम कोर्ट के सामने महापंचायत बुलाने की घोषणा की है। समिति ने दिल्ली देहात के सभी गांवों के किसानों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। समिति का उद्देश्य महापंचायत के माध्यम से सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को व्यापक स्तर पर उठाना और संबंधित अधिकारियों व सरकार तक किसानों की आवाज पहुंचाना है।

बसों में बज रहे गाने, बस स्टॉप की घोषणा बंद

दिल्ली सरकार के दावों की धज्जियां उड़ा रहे बस चालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- यात्रियों को अगले बस स्टॉप की जानकारी नहीं मिलने से बढ़ रही परेशानी
- बस चालकों की मनमानी पर निगरानी और कार्रवाई की जरूरत



दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने और यात्रियों को सुविधाजनक सफर उपलब्ध कराने के दावे कर रही है, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रहीं बसों में यात्रियों को हो रही परेशानियां इन दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। कहीं बस चालक निर्धारित बस स्टॉप पर बस नहीं रोकते, तो कहीं बसों में गाने बजते रहते हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए अगले बस स्टॉप की जानकारी देने वाली घोषणाएं बंद पड़ी हैं। ऐसे में यात्रियों को यह पता लगाने में परेशानी होती है कि उनका उतरने वाला स्टॉप कब आने वाला है। जागरूक बस यात्रियों का कहना है कि 'सार्वजनिक बस सेवा कोई निजी सुविधा नहीं, बल्कि आम जनता की रोजमर्रा की जरूरत है।' सरकार के दावों की असली परीक्षा विज्ञापनों और घोषणाओं से नहीं, बल्कि बस में सफर कर रहे यात्री को मिलने वाली सुविधा, सम्मान और सुरक्षा से होती है।

सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अगले बस स्टॉप की स्पष्ट घोषणा बेहद जरूरी है। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों, बच्चों और दिल्ली में पहली बार सफर करने वाले लोगों को इससे काफी मदद मिलती है। लेकिन जब बस में स्टॉप की घोषणा नहीं होती और उसकी जगह गाने बजते रहते हैं, तो यात्रियों को अपने गंतव्य पर उतरने के लिए पूरी तरह सतर्क रहना पड़ता है। कई बार यात्री रास्ते से अनजान होने के कारण अपने स्टॉप को पहचान नहीं पाते। इससे गलत जगह उतरने या निर्धारित स्टॉप निकल जाने का खतरा बना रहता है।

स्टॉप पर बस नहीं रोकने की शिकायतें भी आ रही सामने

दिल्ली में बस यात्रियों की परेशानी केवल घोषणाएं बंद होने तक सीमित नहीं है। बस स्टॉप पर खड़े यात्रियों को बस नहीं रोकने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। यात्री की शिकायत के अनुसार, रविवार, 1 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2:48 बजे सिंघु गांव बस स्टॉप पर रूट नंबर 144 की बस (डीएल51 ईवी 3715), जो सिंघु बॉर्डर से आजादपुर की ओर जा रही थी, को रुकने का इशारा किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बस खाली होने के बावजूद चालक ने बस नहीं रोकी और आगे बढ़ गया।

निगरानी कौन करेगा, जवाबदेही किसकी?

यात्रियों का सरकार से सवाल यह है कि बसों में यात्रियों को जरूरी जानकारी देने वाली घोषणाएं नियमित रूप से क्यों नहीं हो रही हैं? क्या संबंधित अधिकारी बसों में लगे सार्वजनिक सूचना तंत्र की जांच करते हैं? क्या बस चालकों के व्यवहार और बस स्टॉप पर बस रोकने की व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाती है?

जनहित में सरकार को उठाने चाहिए ये जरूरी कदम

दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग को बसों में अगले स्टॉप की स्पष्ट घोषणा सुनिश्चित करने, अनावश्यक रूप से गाने बजाने के बजाय यात्री सूचना को प्राथमिकता देने और बस स्टॉप पर बस नहीं रोकने की शिकायतों पर जवाबदेही तय करने की जरूरत है। साथ ही, यात्रियों के लिए शिकायत दर्ज कराने और उसकी कार्रवाई की स्थिति जानने की व्यवस्था प्रभावी बनाई जानी चाहिए।

फिर मौसम ले सकता है करवट, बारिश की संभावना नहीं, पारा चढ़ने की ओर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दो दिन हुई झमाझम बारिश के बाद मौसम एक बार फिर करवट लेने लगा है। मौसम के बदलते मिजाज बता रहा है कि हल्की ठंड के बाद एक बार फिर पारा चढ़ने की और अग्रसर है यानी सूरज अपने तेवर कड़े कर सकता है। पिछले 24 घंटे के भीतर तापमान में 5 से 7 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो सूरज के कड़े तेवरों की तरफ इशारा करती है। इस बारे में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि अभी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मौसम सुहावना बना हुआ है। सोमवार यानी से 2 नवंबर को अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ व चमकदार बना रह सकता है, कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम के बदलाव के चलते अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं सुबह और शाम में न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के भीतर तापमान में 5 से 7 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि अब इस हफ्ते तापमान में बदलाव की संभावना नहीं के बराबर है। आईएमडी ने कहा कि बावजूद इसके सोमवार की सुबह उत्तर-पश्चिमी दिशा से 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। दोपहर के समय हवा की गति हल्की तेज होने की संभावना दिख रही है। हालांकि शाम को फिर से हवाएं वापस धीमी होकर 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पर चलेंगी। आईएमडी ने बताया कि रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो अब भी सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस नीचे है। वहीं न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस नीचे है। बता दें कि दिल्ली में 28-29 अक्टूबर 2026 को हुई झमाझम बारिश के बाद मौसम पूरी तरह से बदल गया और तापमान सामान्य से 6 डिग्री तक नीचे गिरने से सर्दी का अहसास होने लगा था। लेकिन अब एक बार फिर मौसम करवट ले रहा है।

'दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक विकसित होगा आधुनिक कॉरिडोर'

दिल्ली की ऐतिहासिक आत्मा और सांस्कृतिक पहचान से कोई समझौता न हो : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हमारी परिकल्पना है कि विकास के नाम पर दिल्ली की ऐतिहासिक आत्मा और सांस्कृतिक पहचान से कोई समझौता न हो, बल्कि आधुनिक सुविधाएं उसकी विरासत को और अधिक गौरव एवं गरिमा प्रदान करें। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक सुविधाओं का संगम को देखते हुए नेताजी सुभाष मार्ग बनेगा और पैदल-पथ और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सरकार का प्रयास है कि यह मार्ग आवागमन के साधन के साथ-साथ दिल्ली के इतिहास, विरासत, स्थापत्य, संस्कृति और आधुनिक शहरी जीवन के बीच एक जीवंत सेतु के रूप में विकसित हो।

सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी के प्रमुख ऐतिहासिक और व्यस्त मार्गों में शामिल नेताजी सुभाष मार्ग को नए स्वरूप में विकसित करने की योजना तैयार कर रही है। इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की इस पुनर्विकास परियोजना में दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक (करीब 3.3 किलोमीटर) सड़क को अधिक व्यवस्थित, सुंदर, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। योजना में सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है।



'तीन श्रेणियों में बांटा गया प्रस्तावित कॉरिडोर'

प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली गेट से शुरू होकर कश्मीरी गेट तक जाएगा। सौंदर्यीकरण को सड़क की उपलब्ध चौड़ाई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहले हिस्से में कश्मीरी गेट से जीपीओ चौक तक रखा गया है। यह इस कॉरिडोर की सबसे व्यस्त सड़क है और इसकी चौड़ाई 12 से 24 मीटर है। दूसरे हिस्से में जीपीओ से ब्रिज मोहन चौक (जामा मस्जिद की ओर जाने वाला चौराहा) की सड़क को रखा गया है। इसकी औसत चौड़ाई 45 मीटर है। तीसरे हिस्से में ब्रिज मोहन चौक से दिल्ली गेट चौराहे की सड़क रखी गई है। इसकी औसत चौड़ाई 16.8 से 26 मीटर है।

'पैदल और गैर-मोटर चालित परिवहन को भी पर्याप्त स्थान'

मुख्यमंत्री के अनुसार, इस कॉरिडोर के इन तीनों हिस्सों में सड़क की चौड़ाई व अन्य उपलब्धताओं को ध्यान में रखते हुए यातायात के साथ पैदल और गैर-मोटर चालित परिवहन को भी पर्याप्त स्थान देने की व्यवस्था की गई है। इनमें फुटपाथ, बस लेन और मोटर वाहन लेन के अलावा पार्किंग व्यवस्था, पैदल प्लाजा, साइकिल ट्रैक आदि शामिल है। इसके अलावा इस सड़क के दोनों ओर आधुनिक शौचालयों का निर्माण होगा और बस स्टॉप्स को अपग्रेड किया जाएगा।

'ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र'

ऐतिहासिक पहचान और होंगी आधुनिक सुविधाएं: मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री व इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की चेयरमैन रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि सदियों के इतिहास, गौरवशाली विरासत, विविध संस्कृति और जीवंत परंपराओं की पहचान भी है। पुरानी दिल्ली का क्षेत्र इस ऐतिहासिक पहचान का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां लाल किला, जामा मस्जिद, चांदनी चौक, सुभाष पार्क और कश्मीरी गेट जैसे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थल हमारी समृद्ध विरासत की कहानी कहते हैं। नेताजी सुभाष मार्ग का पुनर्विकास इसी ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए राजधानी को आधुनिक शहरी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

दिल्ली गेट पर बनेगा विरासत परिचय पार्क

योजना में दिल्ली गेट के आसपास के क्षेत्र को विशेष रूप से विकसित करने का प्रस्ताव है। यहां विरासत परिचय उद्यान (हेरिटेज इंटरप्रिटेशन पार्क) विकसित करने की परिकल्पना की गई है। यहां प्रतिमा, आकर्षक मंडप (पैवेलियन), हरित क्षेत्र, पैदल आवागमन और पार्किंग की व्यवस्था रखी गई है। पार्क के डिजाइन में हरियाली, सजावटी पौधों, वृक्षों और विरासत से जुड़े स्थापत्य तत्वों को प्रमुखता दी गई है। सुभाष मार्ग के सौंदर्यीकरण के प्रस्तावित सौंदर्यीकरण में सड़क के दोनों ओर पेड़-पौधे, फूलों की क्यारियां, हरित डिवाइडर और आकर्षक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके अलावा सजावटी दीवारें, बैठने के लिए व्यवस्थित स्थान तथा विरासत की पहचान दर्शाने वाले डिजाइन शामिल किए गए हैं।

खबर संक्षेप

डीयू में वित्तीय साक्षरता एवं निवेशक जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित

नई दिल्ली। वित्तीय जागरूकता का विस्तार अधिक से अधिक लोगों को सोच-समझकर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बना सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं निवेशक जागरूकता पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान वित्तीय साक्षरता समिति के संयोजक प्रो. अमित कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों का स्वागत करते हुए वित्तीय साक्षरता संबंधी पहलों को विश्वविद्यालय परिसरों से आगे बढ़ाकर महाविद्यालयों और विभिन्न समुदायों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय के डीन प्रो. वी. के. श्रोत्रिया के संरक्षण में आयोजित किया गया। प्रो. आर. के. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएमएफआई) के वरिष्ठ सलाहकार सूर्यकांत शर्मा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम में बताया गया कि विद्यार्थियों को धन प्रबंधन, निवेश संबंधी निर्णयों और वित्तीय नियोजन के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना आज के समय में बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी: कुलपति

नई दिल्ली। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत सात दिवसीय युवा कार्यक्रम के भव्य समापन पर 'युवा संगम फेज 7' के लिए अपना संदेश प्रेषित कर यह बात कही। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संदेश में कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है। भारत विभिन्न भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैलियों का देश है, किंतु इन सभी विविधताओं के बावजूद हमारी राष्ट्रीय पहचान एक है। एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी पहल युवाओं को देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को समझने, एक-दूसरे के प्रति सम्मान विकसित करने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। गाँधी भवन के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर हंसराज सुमन ने रविवार को यह जानकारी दी।

विपक्षी कार्यकर्ता सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ करते रहे नारेबाजी

इंडिया ब्लॉक रैली : भारी संख्या में रामलीला मैदान पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता



यातायात व्यवस्था के चलते राजघाट रोड से दिल्ली गेट रोड के लिए वाहनों का जाना कर दिया गया था प्रतिबंधित, कई राज्यों से आए कार्यकर्ता अपने-अपने समूह के साथ पहुंचे रामलीला मैदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में आयोजित रैली में दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल होते हुए दिखे। दिल्ली के ब्लॉक स्तर से कांग्रेस कार्यकर्ता समूह में रामलीला मैदान पहुंचे। वहीं मंच से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रामलीला मैदान में सुबह से बिना पानी पीए डटे कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। गौरतलब है कि रामलीला मैदान में दोपहर 12 बजे से रामलीला मैदान की ओर लोगों का भारी संख्या में पहुंचना शुरू हुआ।

यातायात व्यवस्था के चलते सुबह से ही राजघाट रोड से ही दिल्ली गेट रोड के लिए वाहनों का जाना प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस कारण इंडिया ब्लॉक दलों के कार्यकर्ता राजघाट रोड से ही पैदल रामलीला मैदान की ओर रवाना हुए। कई राज्यों से आए कार्यकर्ता अपने अपने समूह के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। हालांकि सुबह 1 बजे से पहले ही 2 नंबर गेट की ओर जगह भर गई थी इसलिए लोगों को अन्य गेटों से रामलीला मैदान में घुसने का निर्देश दिया जा रहा था। करीब एक बजे के करीब पंत और एलएनजेपी अस्पताल के सामने की रोड लोगों से भरी हुई रामलीला मैदान की ओर उत्साह से भरी हुई जा रही थी।

पूर्वांचल के लोग ढोल बजाते हुए रामलीला मैदान की ओर जा रहे थे। वहीं कई लोग पगड़ी पहने भी नजर आए। इंडिया ब्लॉक के दलों के कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार का मास्क लगाकर भी रैली में पहुंचे। एक प्रदर्शनकारी चेस्ट का एक्सरे लेकर पहुंची, जिस पर सीईसी ज्ञानेश कुमार और ईवीएम की तस्वीर के साथ वोट चोर लिखा था। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता मार्च में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कटआउट वाली तख्तियां लेकर पहुंचे।

वहीं रामलीला मैदान में कार्यकर्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर का कटआउट लेकर पहुंचा। इस पर लिखा था- उंगली तो उठेगी। वहीं एक कार्यकर्ता रावण के दस सिर वाला पुतला पहन कर आया। इसमें इसमें अलग-अलग नेताओं और बिजनेसमैन की फोटो लगी थी। वहीं हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता गुब्बारे लेकर रामलीला मैदान पहुंची।

खुली बस में सवार होकर रामलीला मैदान पहुंचे राहुल और इंडिया ब्लॉक के नेता

राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के दूसरे नेता खुली बस में सवार होकर मिंटो ब्रिज से मार्च करते हुए रामलीला मैदान पहुंचे। मिंटो ब्रिज पर पहले इन नेताओं ने फोटो खिंचवाया। इसके बाद एक मार्च के रूप में आगे बढ़े। रास्ते में राहुल और प्रियंका गांधी पूरे रास्ते आपस में बाते करते हुए दिखे।

उत्तराखंड से आए लोगों ने की अंकिता भंडारी मामले में न्याय की मांग

रामलीला मैदान में उत्तराखंड के लोगों ने अंकिता भंडारी मामले में न्याय की मांग की। वह अपने हाथों में एक तख्ती पकड़े हुए न्याय की मांग कर रहे थे। इस तख्ती में लिखा था कि वीआपी का खुलासा करो, सरकार क्यों मौन है, बोलो वीआईपी कौन है।



'पैसे लेकर नौकरी देना बंद करो'

रामलीला मैदान में बिहार से आए लोगों ने पैसे लेकर नौकरी देना बंद करने की मांग उठाई। बिहार से आए लोगों ने कहा कि सरकार को शर्म करनी चाहिए। पैसे लेकर नौकरी देना सरकार को बंद करना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि सरकार 70वीं बीपीएससी की निष्पक्ष जांच कराए।

भाजपा ने दिवाली के समय व्यापारियों का करोड़ों का किया नुकसान : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राहुल रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ देश बचाओ महारैली को सफल बताते हुए कहा कि दिल्ली कांग्रेस के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश, उत्साह और दमखम के साथ भाग लिया। कार्यकर्ताओं की भारी भागीदारी ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस लोकतंत्र और जनता के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से लड़ रही है जिसके लिए उन्होंने दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं का धन्यवाद किया। यादव ने कहा कि आज की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को लेकर दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और जोश है। कार्यकर्ताओं का यह उत्साह साबित करता है कि लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस का हर सिपाही पूरी मजबूती से मैदान में खड़ा है। जनता की आवाज और लोकतंत्र की ताकत के आगे भाजपा की तानाशाही नहीं चलेगी। यादव ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने रैली में आने वाले लाखों लोगों से अपील की थी कि वे दिल्ली के बाजारों में अपनी हर जरुरत के लिए खरीदारी करें लेकिन इंडिया गठबंधन की महारैली के खिलाफ भाजपा का षडयंत्र कि उन्होंने कनॉट प्लेस जैसे विश्वसनीय बाजार तक को बंद करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि महारैली के दिन दिल्ली के बाजारों को बंद करने का आदेश देकर भाजपा ने दिवाली के समय व्यापारियों का करोड़ों का नुकसान किया है। भाजपा कभी भी व्यापारियों के हित में काम नहीं करती।

लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है, जब नागरिक जागरूक रहें : विजेंद्र

नई दिल्ली। लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है, जब नागरिक जागरूक रहें, लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान हो और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की जाए। लोकतंत्र की सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसके लिए प्रत्येक नागरिक की जागरूकता, सहभागिता और प्रतिबद्धता आवश्यक है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली के रोहिणी स्थित सेक्टर-8 के अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' जन-जागरूकता गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस गोष्ठी का आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संवैधानिक संस्थाओं को सशक्त बनाने तथा जिम्मेदार नागरिकता के सिद्धांतों को बनाए रखने के महत्व के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया। गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों के विश्वास और उनकी सक्रिय भागीदारी में निहित है। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा, संवैधानिक मूल्यों के सम्मान तथा जवाबदेही, पारदर्शिता और कानून के शासन के सिद्धांतों के अनुरूप लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को संचालित करने के महत्व पर बल दिया।

सिख दंगों को लेकर जरनैल सिंह ने भाजपा व आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली। वर्ष 1984 के सिख के सिख दंगों को लेकर जहां एक तरफ भाजपा व दंगा पीड़ितों के परिवारों ने तिलक नगर में पैदल मार्च निकालकर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। वहीं आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने भाजपा व आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। आप विधायक ने नवंबर 1984 के सिख दंगे में जान गंवाने वाले सिखों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन दंगों को 42 साल बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवारों की आंखों में आंसू हैं और न्याय का इंतजार कर रहे है। उन्होंने कहा कि सिखों के कत्लेआम पर आरएसएस और भाजपा ने हमेशा उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही नहीं सिख दंगों में भाजपा और आरएसएस के दामन पर भी दाग है। क्योंकि इनसे जुड़े 14 नेता सिख दंगों में सीधे तौर पर शामिल थे। कांग्रेस से भाजपा में आए कई नेताओं ने भी सिख कत्लेआम में शामिल आरएसएस के लोग भी सजा देने की मांग कर चुके हैं। जरनैल सिंह ने कहा कि 1 से 3 नवम्बर 1984, दिल्ली की सड़कों पर सिख दंगों में जो हुआ वह इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक काला अध्याय है। भारतीय न्याय प्रणाली के पास अब भी अवसर है कि कातिलों को उनकी कुदरती मौत से पहले सजा देकर इस कलंक को धो दे।

आप ने भाजपा को लिया आड़े हाथ: यमुना नदी को लेकर लोगों को न करें भ्रमित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यमुना नदी की सफाई को लेकर एक बार फिर भाजपा व आप पार्टी में मौखिक जंग छिड़ चुकी है। जहां भाजपा की दिल्ली सरकार यमुना को साफ करने का दावा कर रही है। वहीं आप पार्टी इसे पूरी तरह नकारते हुए केवल राजनीति करार देते हुए जमकर निशाना साध रही है। आप के बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने सीएम रेखा गुप्ता व भाजपा सांसद मनोज तिवारी के दावों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि लोगों को भ्रमित न करें।

संजीव झा ने खुद यमुना पर जाकर वीडियो बनाते हुए चुनौती दी कि सांसद तिवारी जी आप जनता को भ्रमित न करें। उन्होंने तिवारी को याद दिलाते हुए कहा कि मैं उसी जगह खड़ा हुं जहां आपने 9 नवंबर 2021 आपने ही यहां खड़े होकर कभी कहा था कि नजफगढ़ ड्रेन का गंदा पानी यमुना में वजीराबाद में आकर गिरता है। आपने ही कहा था कि इसी वजह से वजीराबाद के उस तरफ यानी वजीराबाद से पल्ला तक यमुना साफ रहती है।

विधायक संजीव ने तिवारी को खुली चुनौती दी कि अगर आप कहते है कि यमुना साफ है तो आईए और वजीराबाद से आगे यानी आईएसबीटी की तरफ नहाकर दिखाइए। उन्होंने कहा कि आज भी यमुना पूरी तरह गंदी है, भाजपा के दावे केवल झूठे साबित हुए है। आप 12 साल से सांसद हैं और आपके लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली यमुना भी पूरी तरह मैली है।

सरकार ने मांगे नहीं मानी तो ऑटो चालको ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली के ऑटो-टैक्सी चालकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए दिल्ली सरकार व परिवहन विभाग को एक समय सीमा दी है। अगर समय सीमा पूरी होने से पहले उनकी मांग नहीं मानी गई तो सीएम आवास के बाहर 20 नवंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की की चेतावनी दी है। इस बारे में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ व ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन के अध्यक्ष कियान वर्मा ने बताया कि हजारों ऑटो टैक्सी चालक दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग की मनमानी से बुरी तरह परेशान है। लेकिन न सरकार सुनती है और न ही परिवहन विभाग आयुक्त से लेकर अन्य अधिकारी। वर्मा ने बताया कि संगठन ने फैसला किया है कि अगर सरकार आने वाली 15 नवंबर 2026 तक ठोस सुनवाई नहीं करती तो 20 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री आवास पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। वर्मा ने बताया कि संगठन की मांग है कि ऑटो-टैक्सी किराये में तत्काल वृद्धि, रिप्लेसमेंट के लंबित मामलों में एलओआई जारी करने और ऑटो-टैक्सी यूनिट में स्थायी डीटीओ व एमवीआई की नियुक्ति की जानी चाहिए।

1984 में जो हुआ, क्या वह लोकतंत्र की हत्या नहीं थी: रेखा

हरि नगर में निकाली गई पदयात्रा में शामिल हुईं मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आज संविधान की प्रति लेकर चलने और लोकतंत्र की दुहाई देने वालों (कांग्रेस) से सिख समाज यह सवाल पूछ रहा है कि नवंबर 1984 में जो हुआ, क्या वह लोकतंत्र की हत्या नहीं थी? दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को 1984 के सिख नरसंहार के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और उस भयावह त्रासदी की यादों को जीवित रखने को लेकर हरि नगर में आयोजित पदयात्रा में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि हजारों सिख परिवारों ने उस भयावह दौर में अपने परिजनों को खोया। आज भी अनेक माताएं, बहनें और परिवार उस दर्दनाक त्रासदी की यादों के साथ जी रहे हैं और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस पदयात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और हजारों की संख्या में सिख समाज के नागरिकों ने भाग लेकर 1984 के पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। पदयात्रा के माध्यम से कांग्रेस से उस त्रासदी की जवाबदेही तय करने और दशकों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों को न्याय दिलाने की मांग उठाई गई। 984 के सिख विरोधी दंगों में मारे गए निर्दोष सिखों की स्मृति और पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दिल्ली में पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद सहित सांसद, विधायकगण के साथ संगठन सदस्यों और बड़ी संख्या में सिख समाज और दिल्ली की आम जनता ने हिस्सा लिया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि हरि नगर की यह पदयात्रा उन हजारों परिवारों की पीड़ा और न्याय की मांग को आवाज देने का प्रयास है, जिन्होंने 1984 में अपनों को खोया। इसमें शामिल सिख भाई-बहन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से जवाब मांग रहे हैं कि उनके साथ हुए अन्याय का हिसाब कब होगा और उन्हें पूर्ण न्याय कब मिलेगा। उन्होंने पदयात्रा में शामिल सिख समाज के नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एकजुटता पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की जनता उन सभी लोगों से जवाब मांगेगी, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करते हुए समाज में अराजकता और विभाजन की स्थिति पैदा करने का प्रयास करते हैं।

'जिम्मेदारी से कांग्रेस और गांधी परिवार बच नहीं सकते'

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि 1984 में सिख समाज के साथ जो हुआ, उसकी जिम्मेदारी से कांग्रेस और गांधी परिवार बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का इतिहास देश ने अलग-अलग दौर में देखा है। वर्ष 1975 में आपातकाल और 1984 की सिख विरोधी हिंसा को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी लोकतंत्र की बात करने वालों को पहले अपने अतीत और उस समय हुई घटनाओं पर जवाब देना चाहिए।

'वर्षों बाद भी पीड़ित परिवारों को न्याय क्यों नहीं मिला'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1984 की हिंसा में अपने परिजनों को खोने वाले सिख परिवारों का दर्द आज भी कम नहीं हुआ है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, जिन महिलाओं ने अपने घर-परिवार उजड़ते देखे, उनके लिए न्याय की प्रतीक्षा आज भी एक अधूरा सवाल बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने वर्षों बाद भी पीड़ित परिवारों को वह न्याय और संवेदनशीलता क्यों नहीं मिली, जिसके वे हकदार हैं? कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने आज तक उनके दर्द को स्वीकार करने और उन्हें न्याय का भरोसा देने के लिए पर्याप्त संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई?

सांसद की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय कमेटी की बैठक

जनसमस्याओं और कानून-व्यवस्था पर हुआ मंथन



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान और कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दिल्ली के सांसद योगेंद्र चांदोलिया की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आउटर नॉर्थ की जिलाधिकारी विशाखा यादव, क्षेत्रीय डीसीपी शोभित दीक्षित, नरेला विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकरण खत्री और बादली विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक चौधरी सहित संबंधित थानों के एसएचओ और कमेटी के सम्मानित सदस्य शामिल हुए। बैठक में क्षेत्र से जुड़े जनहित के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रशासन, पुलिस, जनप्रतिनिधियों और कमेटी के सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनता की समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल करना रहा। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की एक मंच पर मौजूदगी से स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को संबंधित विभागों के समक्ष रखने और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करने का अवसर मिला।

खबर संक्षेप

पुलिस ने 35 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय हिमाद्री कौशिक के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीमों ने 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच एक सप्ताह के दौरान प्रभावी कार्रवाई करते हुए 35 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपियों से 12,88,000 की राशि बरामद की गई है, जबकि साइबर ठगी से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई की गई।



ठगी के मामले में 4 आरोपी धराएं

फरीदाबाद। साइबर अपराधी लोगों को शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला फरीदाबाद में सामने आया है, ठगों ने एक मेडिकल स्टोर संचालक से 15 लाख 71 हजार रुपए की ठगी कर ली। टीम ने चार आरोपियों प्रकाश निवासी गांव हाल जीरकपुर पंजाब तथा सन्नी सिंह निवासी लुधियाना पंजाब को गिरफ्तार किया है।



परिचय सम्मेलनः 46 जोड़ों ने विवाह के लिए सहमति जताई

फरीदाबाद। महाराजा अग्रसेन विवाह समिति फरीदाबाद रजि का 26वां दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन का दूसरे दिन सेक्टर-19 अग्रसेन भवन, फरीदाबाद में बड़ी धूमधाम मनाया गया। प्रधान ब्रह्म प्रकाश गोयल ने बताया कि आज दूसरे दिन लगभग 150 युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर, व्यापारी व नौकरी करने वाले युवक-युवतियों का परिचय कराया गया। परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन 46 जोड़ों ने आपस में विवाह करने की सहमति जताई। प्रधान ब्रह्मप्रकाश गोयल ने आए हुए सभी अतिथियों परम सानिध्य बीएम जिंदल, अनिल गुप्ता, राजीव गोयल, मुख्य अतिथि जेपी गुप्ता, समारोह अध्यक्ष युगल मित्तल, विशिष्ठ अतिथि संत गोपाल गुप्ता, सुरेन्द्र शर्मा बबली, अनिल रत्न लाल गर्ग, उज्जवल गर्ग, धनेश मंगला, डॉ. प्रताप वशिष्ठ, सुनील अग्रवाल, प्रवेश बंसल आदि।



महिलाओं को मिला हुनर प्रदर्शित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर

भारत उत्थान फाउंडेशन का दीपावली महिला स्वावलंबन मेला भव्य रूप से संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारत उत्थान फाउंडेशन द्वारा कम्युनिटी सेंटर, हैबिटेट रेजिडेंसी फेज-2, सेक्टर-78 फरीदाबाद में आयोजित दीपावली महिला स्वावलंबन मेला 2026 उत्साह, उमंग और जनसहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मनोज वशिष्ठ एवं समाजसेवी जितेंद्र चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दोनों अतिथियों ने महिलाओं के स्वावलंबन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए फाउंडेशन की पहल की सराहना की। भारत उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिभा तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को आत्मविश्वास, सम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से दीपावली महिला स्वावलंबन मेले का आयोजन किया गया, ताकि महिलाएं अपने हुनर, कला और उत्पादों को प्रदर्शित कर सकें तथा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठा सकें।



सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया

उन्होंने कहा कि इस मेले की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि अनेक महिलाओं ने पहली बार अपने कार्य और उत्पादों को सार्वजनिक मंच पर प्रदर्शित किया। किसी भी महिला के लिए अपने हुनर को पहचान दिलाने की शुरुआत बहुत महत्वपूर्ण होती है। हमारा प्रयास है कि महिलाओं को ऐसा मंच मिलेए जहाँ वे अपने उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचा सकें, नए अवसर प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें। जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती हैए तो उसका परिवार और समाज भी सशक्त होता है। मेले में परिधान, आभूषण, सजावटी सामग्री, उपहार, घरेलू उत्पाद, खाद्य पदार्थों तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं के विभिन्न स्टॉल लगाए गए। स्टॉल धारकों ने उत्साहपूर्वक अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और आगंतुकों ने खरीदारी करके उनका प्रोत्साहन किया। कार्यक्रम की सफलता पर श्रीमती प्रतिभा तिवारी ने सभी सम्मानित अतिथियों, स्टॉल धारकों, खरीदारी करने आए लोगोंए सहयोगियों और आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

अपनी हार स्वीकार करने के बजाय चुनाव आयोग और सैवधानिक संस्थाओं पर निशाना साध रही कांग्रेस

भारत को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे, जनादेश पर हावी नहीं होने देंगे भीड़तंत्रः धर्मेन्द्र प्रधान

देश राहुल गांधी की इच्छा से नहीं, देशवासियों के जनादेश से चलेगाफरीदाबाद में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ, पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब, कांग्रेस पर जमकर बरसे पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान



फरीदाबाद ⏭ बिजेन्द्र शर्मा

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद धर्मेन्द्र प्रधान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जनता का विश्वास हासिल करने में असफल हो रहे लोग अब संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। लोकतंत्र में सरकार जनता के आशीर्वाद और जनादेश से बनती है। दबाव, दादागिरी और अराजकता के सहारे सत्ता हासिल करने की सोच स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश नहीं बनने दिया जाएगा और देश के जनादेश पर भीड़तंत्र को हावी नहीं होने देंगे।

रविवार को फरीदाबाद में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ, अभियान के तहत आयोजित पदयात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि देश की मालिक जनता है। जनता की इच्छा और उसके निर्णय से ही देश चलेगा। चुनाव में हार मिलने पर जनता के बीच जाकर अपनी कमियों को समझने के बजाय चुनाव आयोग, न्यायपालिका और संसद जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बचने का प्रयास है। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ विशाल पदयात्रा का भव्य आयोजन केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के संयोजन में बड़खल विधानसभा के बी.के चौक से शुरू होकर हार्डवेयर चौक एनआईटी में किया गया। पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं सांसद धर्मेन्द्र प्रधान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और गुरुग्राम के सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री राव इन्द्रजीत सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

पूरी यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ की गूंज सुनाई दी। कार्यकर्ताओं और जनता ने हाथों में तिरंगा और पार्टी के झंडे लेकर देश विरोधी एवं अराजकतावादी ताकतों के खिलाफ एकजुट रहने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अंगूर खट्टे हैं, की कहावत का उल्लेख किया।

दबाव, दादागिरी और अराजकता के सहारे सत्ता हासिल करने की सोच स्वीकार नहीं की जा सकती



लोकतंत्र में जीत का उत्सव मनाने के साथ हार स्वीकार करने का साहस होना चाहिए

धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि देश की जनता ने वर्ष 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा तथा एनडीए पर विश्वास जताया। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि बार-बार मिल रहा यह समर्थन जनता के विश्वास का परिणाम है। देश किसी परिवार की जागीर नहीं है कि उसकी इच्छा के अनुसार ही हर निर्णय और चुनाव परिणाम आए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा ने चुनावी पराजयों को भी स्वीकार किया है। उन्होंने केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और हरियाणा के लोकसभा चुनाव परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां जनता ने भाजपा के पक्ष में निर्णय नहीं दिया, वहां पार्टी ने जनादेश स्वीकार किया। कांग्रेस की परेशानी तब शुरू होती है, जब वही जनता नरेंद्र मोदी और भाजपा पर भरोसा जताती है। लोकतंत्र में जीत का उत्सव मनाने के साथ हार स्वीकार करने का साहस भी होना चाहिए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि सूची में सुधार की प्रक्रिया कोई नई व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में भी ऐसी प्रक्रियाएं होती रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जो प्रक्रिया पहले स्वीकार्य थी, वहीं आज चुनाव आयोग करे तो उसे भाजपा से मिलीभगत बताना कहां तक उचित है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से पूछा कि क्या विदेशी नागरिकों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के नाम भारत की मतदाता सूची में होने चाहिए, क्या किसी व्यक्ति के निधन के बाद भी क्या एक ही व्यक्ति का नाम तीन अलग-अलग स्थानों की मतदाता सूचियों में दर्ज होना चाहिए।

'भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा का अवसर मिला है'

भाजपा की राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने भी पराजय स्वीकार की थी। दो लोकसभा सीटों से आगे बढ़ी भाजपा को आज लगातार तीसरी बार देश की सेवा का अवसर मिला है। यह अवसर किसी की कृपा से नहींए देश की माताओं, किसानों नौजवानों और नागरिकों के आशीर्वाद से मिला है। उन्होंने भाजपा को अंगद का पैर बताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और निरंतर जनसेवा से आती है। कार्यक्रम में ष्लोकतंत्र रक्षकष् के रूप में उपस्थित कार्यकर्ताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यही कार्यकर्ता भाजपा की असली ताकत हैं। जनता के बीच रहकर काम करने और उसके सुख.दुख में सहभागी बनने से ही उसका विश्वास जीता जाता है। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है और सभी राजनीतिक दलों को उसका सम्मान करना चाहिए।

प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया

डीपीजी कॉलेज के 'सृजन-26' में युवाओं ने दिखाया तकनीकी दम, 24 घंटे के हैकाथॉन में पेश किए नवाचार



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डीपीजी डिग्री कॉलेज, में दो दिवसीय तकनीकी महोत्सव 'सृजन-26' का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'प्रौद्योगिकी, रचनात्मकता एवं सतत नवाचार के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाना' रही। इसमें विद्यार्थियों ने तकनीकी कौशल और रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में कॉलेज के वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत, प्राचार्य डॉ. एस.एस. बोकन, रजिस्ट्रार अशोक गोगिया, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. प्रह्लाद सिंह और डीन एकेडमिक्स डॉ. हरीश कुमार सहित विभिन्न विभागों के डीन एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद, हरियाणा दक्षिण प्रांत के अध्यक्ष डॉ. ऋषि अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि फिल्म निर्माता कृष्ण मुरारी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत फोटोग्राफी प्रदर्शनी गैलरी के उद्घाटन से हुई। इसके बाद डॉ. आकांक्षा कुलश्रेष्ठ और डॉ. शिप्रा अरोड़ा ने महोत्सव की जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने तकनीकी कौशल और रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया

विद्यार्थियों को नवाचार, तकनीकी ज्ञान हासिल करने का बेहतर मंच प्रदान किया

दो दिवसीय आयोजन में डीपीजी स्पार्कथॉन1.0 के तहत 24 घंटे का हैकाथॉन, आइडियाथॉन 2026, टेक्नोवा 2026, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट फोटोग्राफी एवं डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिता तथा डेवफ्यूजन वेब एवं मोबाइल ऐप डेवलपमेंट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हैकाथॉन में विद्यार्थियों ने उद्योग जगत की वास्तविक समस्याओं पर आधारित तकनीकी समाधान तैयार किए।

दूसरे दिन परियोजनाओं का मूल्यांकन श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की डॉ. उषा बत्रा और एमिटी विश्वविद्यालय के डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने किया। विजेता टीम को 20 हजार, द्वितीय स्थान को 15 हजार और तृतीय स्थान को 10 हजार रुपए की नकद राशि दी गई। साथ ही प्रमाण-पत्र और वॉइड ओनिक्स की ओर से 5 हजार रुपये के सर्विस वाउचर भी प्रदान किए गए। महोत्सव का समापन उत्साह के साथ हुआ।

सेवाकाल में हजारों बच्चों के भविष्य को संवारने में योगदान दिया

शिक्षक हरिओम की सेवानिवृत्ति पर भावुक विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

कलानौर खंड के गांव जेठपुर स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय (जीएमएस) में शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को जेबीटी शिक्षक हरि ओम वर्मा सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने 28 साल, 10 महीने और 27 दिन के सेवाकाल में हजारों बच्चों के भविष्य को संवारने में योगदान दिया। विद्यालय में 10 साल तक सेवाएं देने के बाद उनकी विदाई पर शिक्षकों, ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने सम्मान समारोह आयोजित किया।

हरि ओम वर्मा ने 5 दिसंबर 1997 को जीपीएस बरोदा, जिला सोनीपत से अपने शिक्षण कार्य की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जीजीपीएस रुखी, जीपीएस उपलाना (करनाल), जीपीएस मोई हुड्डा और जीपीएस माहरा सहित विभिन्न विद्यालयों में सेवाएं दीं। 21 सितंबर 2016 को उनका तबादला जेठपुर विद्यालय में हुआ था। समारोह में प्रिंसिपल सुमनलता, पीजीटी कृष्ण कुमार, टीजीटी दीपक कुमार, पीआरटी राजेश कुमार, सेवानिवृत्त टीजीटी दुष्यंत और सरपंच ममता ने उन्हें सम्मानित किया। पूर्व सरपंच विनोद कुमार मेहरा और उनके परिवार ने हरि ओम वर्मा तथा उनकी पत्नी नीलम रानी को शॉल, सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए।



प्रत्येक व्यक्ति की अनूठी क्षमताओं का सम्मान

लाल किले में दिखाई गई फिल्म व्हाट इज़ डिस्लेक्सिया से दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डिस्लेक्सिया जागरूकता माह के समापन पर ब्रिलियंटली डिस्लेक्सिक ने ऑर्किड्स फाउंडेशन के साथ मिलकर लाल किले में शॉर्ट फिल्म 'व्हाट इज़ डिस्लेक्सिया' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की। फिल्म का निर्माण वैश्विक संस्था मेड बाय डिस्लेक्सिया ने किया है। लाल किले के साउंड एंड लाइट शो के दौरान आयोजित इस स्क्रीनिंग का उद्देश्य डिस्लेक्सिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इससे प्रभावित लोगों की विशेष क्षमताओं को पहचानने का संदेश देना था। इस शो को लाल किले के मॉन्यूमेंट मित्र डालमिया भारत ने सभ्यता फाउंडेशन के साथ साझेदारी में विकसित किया है।

कार्यक्रम में ब्रिलियंटली डिस्लेक्सिक के संस्थापक डॉ. राघवपत सिंघानिया, श्रीमती सोनम सिंघानिया और ऑर्किड्स फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. गीत ओबेरॉय सहित शिक्षाविदों और अभिभावकों ने भाग लिया। डॉ. राघवपत सिंघानिया ने कहा कि डिस्लेक्सिया को केवल सीखने की कठिनाई के रूप में नहीं देखना चाहिए, समाज को प्रत्येक व्यक्ति की अनूठी क्षमताओं और प्रतिभाओं का सम्मान करना चाहिए।

अब कहने को बचा ही क्या हैः आजम

अब डासना जेल में रहेंगे आज़म खान अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को रविवार को ईडी ने जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गाजियाबाद की पीएमएलए अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया गया। पेशी के दौरान आजम खान पूरी तरह से शांत दिखे। मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल पर उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि अब कुछ कहने को बचा क्या है। आपको बता दे की आजम खान को ईडी की टीम ने रामपुर जेल से बाहर आते ही जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में गिरफ्तार कर लिया था।



इसके बाद ईडी टीम उन्हें दिल्ली स्थित मुख्यालय ले गई और रात भर वहीं पर रखा। ईडी सूत्रों के मुताबिक इस दौरान आजम खान से ईडी ने पूछताछ की। उनसे करीब 50 से 52 सवाल उनसे पूछे गए । रविवार की सुबह करीब 10:30 बजे ईडी ने आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएल अदालत में पेश किया। इस ईडी के अधिवक्ताओं ने पूरे मामले की जानकारी अदालत को दी। अदालत ने आजम खान को 14 दिन के न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेज दिया।

आजम खान व उनके बेटे अब्दुल्ला को 11 महीने बाद डबल पैन कार्ड मामले में हाई कोर्ट से 10 साल को सजा सस्पेंड होने के मिलने के बाद वह रामपुर से जेल से कल शाम भी छूटे थे ।

सेक्टर-48 स्थित कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

महादेव कबड्डी क्लब एसजीएम नगर की ओर से सेक्टर-48 स्थित मैदान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष राजन मुथरेजा ने शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने खिलाडिय़ों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि कबड्डी केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा की पहचान है।

भाजपा जिला कोषाध्यक्ष ने कबड्डी प्रतियोगिता में पहुंच खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

कबड्डी युवाओं में अनुशासन, साहस और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यमः राजन मुथरेजा

यह खेल युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, साहस, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करता है। राजन मुथरेजा ने कहा कि आज के दौर में युवाओं को खेलों से जोडऩा बेहद जरूरी है। खेल युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के साथ उन्हें नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कबड्डी ऐसा खेल है, जिसमें खिलाड़ी की शारीरिक क्षमता के साथ उसकी मानसिक मजबूती, एकाग्रता, फुर्ती और निर्णय लेने की क्षमता की भी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि भारत में कबड्डी का गौरवशाली इतिहास रहा है और आज यह खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुका है। ऐसे में हमें अपने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताएं नई खेल प्रतिभाओं को सामने लाने का बेहतरीन मंच हैं।



चंदावली स्थित कार्यालय से सैकड़ों गाड़ियों में सवार होकर दिल्ली पहुंचे कार्यकर्ता

दिल्ली रामलीला मैदान में उमड़ा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम, ऋषिपाल के नेतृत्व में फरीदाबाद से रवाना हुआ सैकड़ो लोगों का काफिला

बेरोजगारी, वोट चोरी, पेपर लीक और संविधान व लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

किसान कांग्रेस पार्टी फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ऋषिपाल मास्टर के नेतृत्व में आज चंदावली स्थित उनके कार्यालय से हजारों लोगों का विशाल काफिला सैकड़ों गाडिय़ों में सवार होकर दिल्ली के रामलीला मैदान के लिए रवाना हुआ। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

काफिले की सबसे खास बात युवाओं की बड़ी भागीदारी रही। बड़ी संख्या में युवा केंद्र सरकार की नीतियों और विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से दिल्ली पहुंचे। युवाओं में बेरोजगारी, कथित वोट चोरी, संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति, पेपर लीक तथा शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर नाराजगी देखने को मिली। डॉ. ऋषिपाल मास्टर ने कहा कि आज देश का युवा रोजगार, बेहतर शिक्षा और अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। बेरोजगारी, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सवाल युवाओं के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हैं। युवाओं का मानना है कि लोकतंत्र और संविधान की मजबूती के लिए इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा राहुल गांधी के विचारों और उनके द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों से जुड़ाव महसूस करते हैं।

पेज एक का शेष

दिल्ली चलो रैली...

फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत कई विपक्षी नेता इसमें शामिल हुए। रैली का राजनीतिक संदेश केवल चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध तक सीमित नहीं रहा। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा का साझा आंदोलन बताते हुए देशव्यापी संघर्ष का आह्वान किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है।

अखिलेश ने यूपी की राजनीति को जोड़ा, 2027 में भाजपा की विदाई का दावा: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रैली को उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति से जोड़ते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र का हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने केंद्र में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाया है और वही जनता उसे सत्ता से बाहर भी करेगी। अखिलेश ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि अब भाजपा को भी अपने समर्थकों के नाम कटने की चिंता होने लगी है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की वापसी नहीं होगी। उन्होंने वोट चोरी, चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए भाजपा पर राजनीतिक हमला किया।

ममता का आरोप, बंगाल एसआईआर का शिकार: तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल की स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है और चुनावी प्रक्रिया में लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हुआ है। ममता ने कहा कि विपक्ष इस प्रक्रिया का विरोध जारी रखेगा और दिल्ली से लोकतंत्र की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने सोनिया गांधी को अपना नेता और राहुल गांधी को युवा नेता बताते हुए विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया। ममता ने न्यायपालिका और मीडिया से भी लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

तेजस्वी बोले- रामलीला मैदान में आज महाभारत: आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में रामलीला मैदान की पारंपरिक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि आम तौर पर यहां रामायण का मंचन होता है, लेकिन आज वोट चोरी करने वालों के खिलाफ महाभारत हो रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर सत्ता के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

फारूक और महबूबा ने भी उठाए सवाल: नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने देश में सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों ने देश के लिए योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने लोगों से लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने देश की संपत्तियों के निजीकरण और चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए

साइड स्टोरी-1

खड़गे के आवास से खुले वाहन में निकले विपक्षी नेता, मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च

रैली से पहले इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर एकत्र हुए। वहां से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी नेता खुले वाहन में सवार होकर मिंटो रोड पहुंचे। इसके बाद मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला गया। इस मार्च को लोकतंत्र बचाओ अभियान के रूप में पेश किया गया। विभिन्न राज्यों से आए विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं, युवा संगठनों और समर्थकों ने इसमें हिस्सा लिया। रामलीला मैदान में मुख्य मंच के अलावा गठबंधन के राज्य स्तरीय प्रतिनिधियों के लिए अलग मंच बनाया गया था।

साइड स्टोरी-2

10 लाख की उम्मीद, पुलिस का अनुमान करीब 50 हजार

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने रैली में 10 लाख तक लोगों के जुटने का लक्ष्य रखा था। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस का अनुमान करीब 50 हजार लोगों की उपस्थिति का था। रैली के लिए रामलीला मैदान में उपलब्ध स्थान और बैठने की व्यवस्था के कारण वास्तविक क्षमता इससे कम रहने का भी आकलन किया गया था।

साइड स्टोरी- 3

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी और 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे

रामलीला मैदान और मार्च के रास्ते पर दिल्ली पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। चार हजार से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियां तैनात की गईं। मैदान को 14 सुरक्षा जोन में बांटा गया था और 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की व्यवस्था की गई थी। ड्रोन और अन्य निगरानी साधनों का भी इस्तेमाल किया गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने मध्य दिल्ली के कई मार्गों पर सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू किए। रैली में आने वाले वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग व्यवस्था बनाई गई थी।

राहुल गांधी ने ...

मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगा और संविधान को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाने पर लेते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। राहुल ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई किसी व्यक्ति या धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि हर भारतीय नागरिक के मताधिकार और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी राजनीतिक हमला बोला।

मॉक पार्लियामेंट में ...

गांधी ने प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मॉक पार्लियामेंट का नया तरीका खोज लिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को मॉक पार्लियामेंट में ही प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए, क्योंकि देश का प्रधानमंत्री बनने की उनकी बारी कभी नहीं आएगी। शाह ने राहुल गांधी के चर्चित नारे 'मोहब्बत की दुकान' पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में मोहब्बत नहीं, बल्कि नफरत के अलावा कुछ नहीं मिलता। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसका नेतृत्व राजनीतिक रूप से नकारात्मकता फैला रहा है।

1984 के दंगों ...

लेकिन कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दिल्ली के व्यापारियों की अपील भी नहीं मानी, जिन्होंने दीपावली से पहले महत्वपूर्ण कारोबारी दिनों में रैली के कारण व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई थी।

महादेव सट्टा ऐप ...

स्तर पर की गई कार्रवाई की महत्वपूर्ण सफलता है। उसके खिलाफ महादेव ऐप के जरिए अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित करने और उससे अर्जित कथित अपराध की कमाई को विभिन्न माध्यमों से विदेश भेजने के आरोप हैं। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन, हवाला कारोबार, बैंक खातों और देश-विदेश में फैले सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं।

ओमान में गिरफ्तारी के बाद प्रत्यर्पण की प्रक्रिया: चंद्राकर को ओमान में जून 2026 के शुरुआती दिनों में स्थानीय पुलिस ने इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हिरासत में लिया था। भारतीय एजेंसियों को उसके ओमान में होने की जानकारी मिलने के बाद प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके लिए सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आवश्यक दस्तावेज और न्यायिक रिकॉर्ड तैयार किए थे। प्रत्यर्पण की औपचारिक प्रक्रिया में विदेश मंत्रालय और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों ने भी समन्वय किया। जुलाई में उसकी गिरफ्तारी की खबर सामने आने के बाद यह आशंका जताई गई थी कि ओमान में कथित फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के इस्तेमाल से संबंधित अलग मामला प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में देरी कर सकता है। अब भारतीय एजेंसियों ने उसे सफलतापूर्वक भारत लाने में कामयाबी हासिल की है।

2018 में खड़ा किया था सट्टेबाजी का नेटवर्क: जांच एजेंसियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी सौरभ चंद्राकर ने रवि उप्पल के साथ मिलकर वर्ष 2018 में महादेव ऑनलाइन बुक नाम से ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार शुरू किया था। शुरुआती दौर में छोटे स्तर पर संचालित इस नेटवर्क ने बाद में देशभर में अपना विस्तार किया। आरोप है कि इसके जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन और अन्य खेलों के अलावा ताश तथा दूसरे ऑनलाइन खेलों पर भी अवैध सट्टा लगाया जाता था। इस नेटवर्क में कथित तौर पर हजारों सट्टेबाजी पैनल काम कर रहे थे। प्रत्येक पैनल के जरिए ग्राहकों को ऑनलाइन खाते उपलब्ध कराए जाते थे। एजेंटों और स्थानीय संचालकों की मदद से सट्टा लगाने वाले लोगों को जोड़ा जाता था। इसके बाद रकम का लेनदेन विभिन्न बैंक खातों, म्यूल अकाउंट और हवाला नेटवर्क के माध्यम से किए जाने का आरोप है। सीबीआई ने अपनी जांच में इसे देश के बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट में से एक बताया है। एजेंसी का आरोप है कि इस नेटवर्क का संचालन भारत से बाहर बैठकर किया जा रहा था और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लाखों उपयोगकर्ताओं तक इसकी पहुंच बनाई गई थी।

दुबई में 200 करोड़ की शादी से चर्चा में आया था चंद्राकर: सौरभ चंद्राकर का नाम वर्ष 2023 में उस समय राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था, जब दुबई में उसकी भव्य शादी का मामला सामने आया। ईडी ने आरोप लगाया था कि इस शादी पर लगभग 200 करोड़ रुपये नकद खर्च किए गए। शादी में मेहमानों को निजी विमानों से दुबई ले जाने और बॉलीवुड के कुछ कलाकारों को कार्यक्रम में बुलाने पर भी बड़ी रकम खर्च की गई थी। ईडी के अनुसार, शादी के आयोजन में करीब 37 करोड़ रुपये केवल विमान और मेहमानों के परिवहन पर खर्च किए गए थे। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि यह रकम अवैध सट्टेबाजी से अर्जित अपराध की कमाई का हिस्सा थी। इस आयोजन के बाद महादेव ऐप के वित्तीय नेटवर्क और विदेशों में मौजूद संपत्तियों को लेकर जांच तेज हुई थी।

6000 करोड़ के कथित सिंडिकेट की जांच: ईडी और अन्य एजेंसियों की जांच में महादेव ऐप से जुड़े करीब 6,000 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय सिंडिकेट का उल्लेख सामने आया है। जांच में आरोप लगाया गया है कि सट्टेबाजी से अर्जित रकम को विभिन्न कंपनियों, बैंक खातों और हवाला कारोबारियों के माध्यम से इधर-उधर किया गया। विदेशों में संपत्तियां खरीदने और नेटवर्क के संचालकों तक रकम पहुंचाने के आरोप भी जांच के दायरे में हैं। ईडी ने मार्च 2026 में इस मामले से संबंधित करीब 1,700 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच करने की कार्रवाई की थी। इनमें दुबई की संपत्तियां और भारत में स्थित कुछ अचल संपत्तियां शामिल बताई गई थीं। एजेंसी का आरोप है कि ये संपत्तियां सट्टेबाजी से अर्जित कथित अपराध की कमाई से खरीदी गई थीं।

सीबीआई की जांच में 100 से अधिक आरोपी: छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से महादेव ऐप से संबंधित 13 एफआईआर सीबीआई को सौंपे जाने के बाद केंद्रीय एजेंसी ने जांच का दायरा बढ़ाया। जुलाई 2026 में सीबीआई ने छह अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसके अतिरिक्त एजेंसी ने सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और अन्य प्रमुख आरोपियों के खिलाफ पहले दाखिल आरोपपत्रों में अतिरिक्त साक्ष्य भी प्रस्तुत किए थे। सीबीआई के अनुसार, महादेव ऐप से संबंधित अलग-अलग मामलों में पांच आरोपपत्रों के जरिए 66 आरोपियों को नामजद किया गया था। बाद में सितंबर 2026 तक एजेंसी की ओर से आठ आरोपपत्रों में कुल 100 आरोपियों का उल्लेख सामने आया। इनमें कथित पैनल संचालक, हवाला कारोबारी, बैंक खातों के माध्यम से रकम स्थानांतरित करने वाले लोग और कुछ सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं।

राजनीतिक और प्रशासनिक कनेक्शन की भी जांच: महादेव ऐप प्रकरण छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी बड़ा विवाद बना था। ईडी ने अपनी जांच में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई राजनीतिक और प्रशासनिक लोगों के नाम का उल्लेख किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि सट्टेबाजी नेटवर्क को संरक्षण देने के बदले कुछ लोगों तक कथित रूप से बड़ी रकम पहुंचाई गई। ईडी ने पहले एक आरोपपत्र में भूपेश बघेल से जुड़े कथित 508 करोड़ रुपये के भुगतान का आरोप लगाया था। हालांकि बघेल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश बताया था। इन आरोपों को अदालत में सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता। संबंधित व्यक्तियों की भूमिका जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है।

रवि उप्पल और अन्य आरोपियों तक पहुंचने की चुनौती: सौरभ चंद्राकर के भारत लौटने के बाद अब जांच एजेंसियों के सामने उसके सहयोगियों और विदेश में मौजूद अन्य आरोपियों तक पहुंचने की चुनौती है। रवि उप्पल को इस नेटवर्क का सह-संस्थापक और प्रमुख संचालक बताया गया है। भारतीय एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही हैं। चंद्राकर से पूछताछ के दौरान सट्टेबाजी पैनलों के संचालन, विदेशी बैंक खातों, हवाला कारोबार, कथित राजनीतिक संरक्षण और संपत्तियों के वास्तविक मालिकाना हक से जुड़े कई सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है। चंद्राकर का प्रत्यर्पण महादेव ऐप मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब जांच का अगला चरण यह निर्धारित करेगा कि कथित सट्टेबाजी नेटवर्क का वित्तीय और प्रशासनिक ढांचा किस तरह काम करता था और इस पूरे कारोबार में किन-किन लोगों की भूमिका थी।

मां और सास ...

तुरंत बाद एयर चीफ मार्शल दीक्षित नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। यहां उन्होंने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की स्मृति में पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने अपनी मां और सास का आशीर्वाद लिया। इस तरह शहीदों को नमन और परिवार के बड़ों का सम्मान करते हुए उन्होंने अपनी नई जिम्मेदारी कीशुरुआत की। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने वायुसेना की भावी कार्ययोजना और अपनी प्राथमिकताओं को 'वायु' नाम के चार सूत्रों में बांटा है। इनमें सतर्कता एवं तत्परता, आत्मनिर्भरता, नवाचार और एकजुट प्रयास शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को निर्धारित स्तर तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके लिए वायुसेना की तैयारियों को मजबूत करने के साथ आधुनिक तकनीक, स्वदेशी रक्षा उपकरणों और नए विचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य में वायुसेना को हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। कार्यभार संभालने के बाद नए वायुसेना प्रमुख ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख की जिम्मेदारी मिलने पर गर्व और सम्मान व्यक्त किया। साथ ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का उन पर भरोसा जताने के लिए आभार माना।

20 से अधिक प्रकार के उड़ा चुके विमान: एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित को लड़ाकू विमान उड़ाने का लंबा अनुभव है। वह 20 से अधिक प्रकार के विमानों पर 3,500 घंटे से ज्यादा उड़ान भर चुके हैं। 9 दिसंबर 1966 को जन्मे दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू विमान शाखा में कमीशन मिला था। करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने कमान, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। रणनीतिक योजना और सैन्य अभियानों की समझ के लिए पहचाने जाने वाले दीक्षित इससे पहले वायुसेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत थे। ऑपरेशन सिंदूर में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने ऐसे समय में वायुसेना की कमान संभाली है, जब क्षेत्रीय सुरक्षा की चुनौतियां जटिल हो रही हैं और भारत अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत करने में जुटा है।



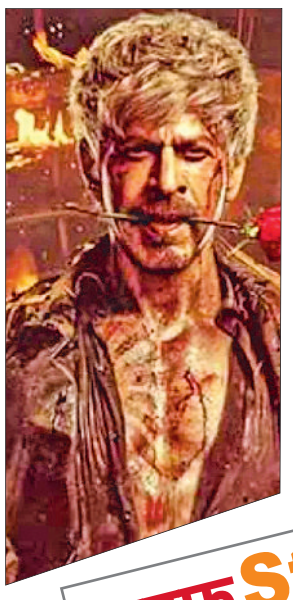

शाहरुख के 61वें बर्थडे पर रिलीज होगा 'किंग' का टीजर

नई दिल्ली। 2 नवंबर को शाहरुख खान 61 साल के हो जाएंगे और उनके जन्मदिन से पहले उनकी अपकमिंग फिल्म 'किंग' से जुड़ी किसी घोषणा या खुलासे को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रहस्यमयी पोस्ट डालने और ऐसी खबरें आने के बाद कि फिल्म का पहला गाना इस मौके पर आ सकता है, फैंस अब किसी और सरप्राइज की उम्मीद में 'मन्नत' की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। फिलहाल शाहरुख खान के बांद्रा स्थित घर 'मन्नत' में बड़े पैमाने पर काम चल रहा है, जिसके चलते वे और उनका परिवार अभी पाली हिल के एक आलीशान डुप्लेक्स अपार्टमेंट में रह रहे हैं।

लाइफ Style

दीपिका

दूसरी बेटी के जन्म के बाद बनीं मल्टीटास्कर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दीपिका पादुकोण हाल ही में दूसरी बार मां बनी हैं और अब अपना पूरा समय अपनी दोनों बेटियों दुआ और देवी को दे रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है और बताया है कि वह इन दिनों खाना, पीना, एक्सरसाइज और सोना कैसे कर रही हैं।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह पिछले महीने ही दूसरी बार माता-पिता बने हैं। एक्ट्रेस ने 19 सितंबर को अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम कपल ने 'देवी' रखा है। दीपिका और रणवीर ने दशहरे के मौके पर अपनी दूसरी बेटी के नाम का ऐलान किया था। दोनों ने अपनी फैमिली फोटो शेयर की, जिसमें दुआ अपनी छोटी बहन पर प्यार लुटाती नजर आईं। अब दीपिका ने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट शेयर करते हुए अपना हाल बयां किया है और बताया कि दो बेटियों के जन्म के बाद वह अपने समय को कैसे मैनेज करती हैं। उन्होंने पहले तो ब्रेस्ट मिल्क पंप का एक वीडियो शेयर किया है और दूसरे में अपना रूटीन साझा किया है। दीपिका पादुकोण ने कुछ घंटे पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ब्रेस्ट मिल्क पंप का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें ब्रेस्ट पंप की आवाज आ रही है। इस आवाज की तुलना उन्होंने हॉन्टेड हाउस से की है। एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'एक डरावना घर, लेकिन असल में यह आधी रात को आपके ब्रेस्ट पंप की आवाज है।' वीडियो में नजर आ रही महिला ने सफेद कपड़े पहन रखे हैं और अपना चेहरा भी ढक रखा है और आंखों पर काला चश्मा लगा रखा है।

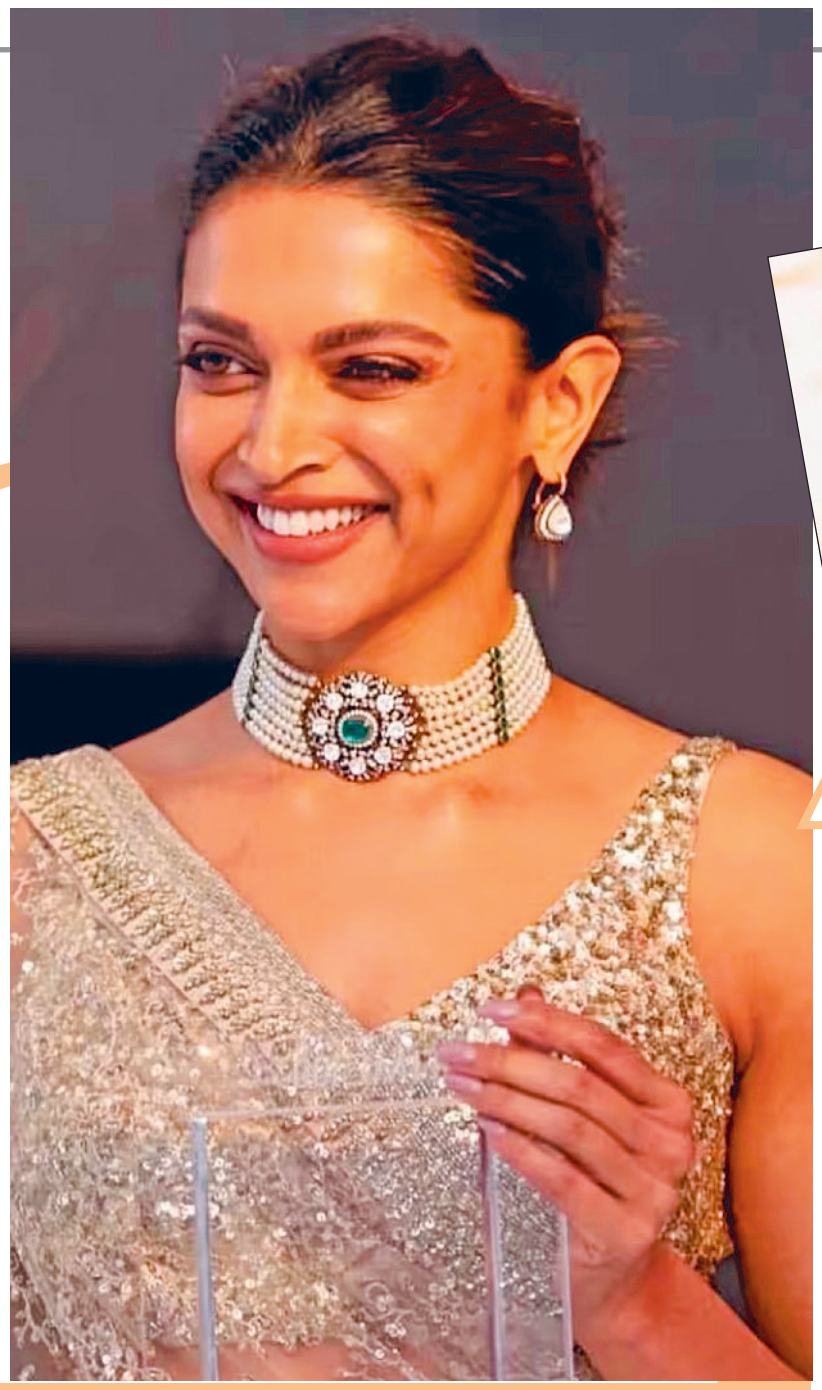

हॉलीवुड मसाला



पहली एआई फीचर फिल्म फ्लॉप

लॉस एंजिल्स। चीनी बॉक्स ऑफिस पर एक एआई फिल्म किस्मत आजमाने उतरी थी। हालांकि, फिल्म को दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। इससे साफ है कि इस तरह की फिल्मों का भारत में ही नहीं विदेश में भी कोई भविष्य नहीं है। एलन मस्क की 'द ओडिसि' के एआई वर्जन पहले ही अमेरिका के दर्शकों को नागवार गुजरी थी। इस बीच चीन में सानक्सिंगडुई: फ्यूचर पास्ट नाम की एक फुली एआई फिल्म रिलीज की गई। ये फिल्म पिछले हफ्ते थियेटर्स में रिलीज हुई थी। ये फिल्म दस हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई।



कटा हुआ हाथ बनकर पार्टी में पहुंचीं हेइडी

लॉस एंजिल्स। सुपरमॉडल हेइडी अपनी हैलोवीन पार्टी में कटे हुए हाथ के रूप में पहुंचीं। उनका यह लुक इतना अजीब और डरावना था कि हर कोई उन्हें देखता रह गया। अब उनकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। हेइडी क्लम ने शनिवार रात न्यूयॉर्क में अपनी मशहूर हैलोवीन पार्टी का आयोजन किया। इस साल उनकी पार्टी की 25वीं सालगिरह भी थी। इस खास मौके पर उन्होंने अपने कॉस्ट्यूम के लिए एक कटे हुए हाथ का लुक चुना। खास बात यह थी कि इस कॉस्ट्यूम में उन्होंने अपने ही हाथ को दोबारा बनाया था। इसमें खून से सनी कलाई, अंगूठियां और खूबसूरत नेल आर्ट भी नजर आई। वहीं, हाथ के बीच में उनका सिर दिखाई दे रहा था।



2 साल तक छोड़ा परफ्यूम का इस्तेमाल...

मुंबई। सामंथा रूथ प्रभु एक तरफ जहां इस वक्त अपनी हालिया फिल्म 'मां इंति बंगाराम' की ब्लॉकबस्टर सफलता को इंजॉय कर रही हैं। वहीं, अपने परफ्यूम ब्रैंड 'सीक्रेट एल्केमिस्ट' में भारी भरकम रेवेन्यू पाने को लेकर भी खबरों में हैं। बताया जा रहा है कि उनकी इस कंपनी ने पिछले आठ महीनों में आठ गुना मुनाफा कमाया और करीब 120 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मार्क पार कर लिया है। एक वक्त ऐसा भी था जब सामंथा अपनी हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रही थीं और डॉक्टर ने हार्ड केमिकल्स का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी थी। उन्होंने करीब दो साल तक परफ्यूम इस्तेमाल करना छोड़ दिया था और अब अपने परफ्यूम ब्रैंड से जमकर कमाई कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा ने अंकिता थदानी और आकाश वालिया के साथ मिलकर 'सीक्रेट अल्केमिस्ट' की शुरुआत की थी।



11 साल बाद हो 'आरसी 17' में आएंगे नजर

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों के म्यूजिशियन अनिरुद्ध रविचंदर मौजूदा समय में अपनी शादी को लेकर बिजी हैं। वे सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इस वजह से हाल ही में ऐसी खबर आई कि उन्होंने शाहरुख खान की किंग फिल्म भी छोड़ दी है। वहीं, आने वाले समय के लिए उन्होंने नया प्रोजेक्ट भी ले लिया है। अनिरुद्ध अब 11 साल बाद साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म आरसी 17 में अनिरुद्ध रविचंदर म्यूजिक कंपोजर के तौर पर नजर आएंगे। 1 नवंबर को ही राम चरण की इस फिल्म की पूजा सेरेमनी रखी गई थी। कार्यक्रम 10:50 मिनट पर शुरू हुआ था। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर से 11 साल के बाद पुष्पा फेम डायरेक्टर सुकुमार संग राम चरण ने हाथ मिलाया है।

टीवी मसाला

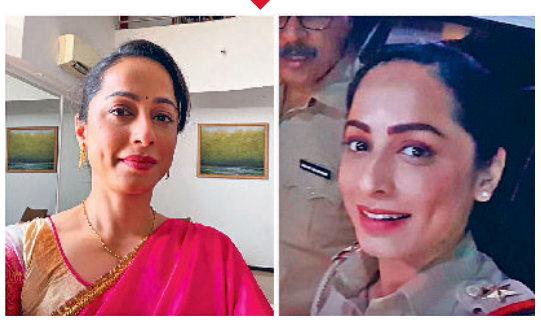

मुझे अपनी जिंदगी में कोई मर्द नहीं चाहिए : अंशा

नई दिल्ली। शो सीआईडी की अभिनेत्री अंशा सैयद टीवी का एक जाना पहचाना चेहरा हैं। इंडस्ट्री में तो उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी ही है, वह दर्शकों की भी चहेती हैं। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई बातें बताई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जो महिलाएं बहुत आत्मनिर्भर होती हैं, उन्हें इससे गुजरना पड़ता है। बहुत सारे लोग पूछते हैं कि तुम्हारा कोई पार्टनर क्यों नहीं है। मुझे नहीं पता कि पार्टनर क्यों नहीं है। कई बार आत्मनिर्भर होने की वजह से, तो कई बार फेल रिलेशनशिप की वजह से ऐसा होता है।' अभिनेत्री ने अपने रिश्ते के बारे में कहा, 'मेरे फेल रिलेशनशिप को भी 15 साल हो गए हैं। इसके बाद मैं कई लोगों से मिली, लेकिन बात नहीं बनी। मजबूत महिलाओं के साथ ऐसा होता है। 13 साल से मैं सिंगल हूं और मैं किसी रिलेशनशिप नहीं रही। ना ही किसी तरह की सिचुएशनशिप में रही।' शादी करने के बारे में अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में कोई मर्द नहीं चाहिए। तीन से चार साल पहले मुझे एहसास हुआ कि मुझे जिंदगी में मर्द की जरूरत नहीं है। ना ही मैं शादी करूंगी। अगर कोई ऐसा आ गया जो मुझे शादी मैटेरियल लगा, तो मैं सोच सकती हूं।' अंशा सैयद के मुताबिक उनके माता-पिता अलग-अलग धर्मों से आते हैं। वह किस धर्म को फॉलो करती हैं, इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री ने कहा 'जब मेरे मम्मी-पापा की शादी हुई, तो दोनों अपने-अपने रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंधे। मम्मी-पापा ने निकाह भी किया और शादी भी। मैं नमाज भी पढ़ती हूं, पूजा भी करती हूं। हम ईद में खीर बनाते हैं और दिवाली पर पूजा भी करते हैं।'

13 साल का रिश्ता और 15 मिनट में रचा ली शादी

नई दिल्ली। आपने एक कहावत सुनी होगी 'चट मंगनी पट ब्याह'। अक्सर अरेंज मैरिज में कोई अच्छा रिश्ता मिल जाए तो शादी भी तुरंत करने का फैसला ले लिया जाता है। मगर, जहां एक दशक से ज्यादा की दोस्ती और मोहब्बत हो, वहां शादी के अरमान भी कुछ खास होते होंगे। कम से कम दो-तीन दिन के फंक्शन की प्लानिंग तो आम बात है। मगर, हिना खान के मामले में कहानी थोड़ी फिल्मी है। इन्होंने और रॉकी ने 15 मिनट से भी कम वक्त में शादी रचा ली। ऐसा खुलासा खुद हिना खान ने किया है। हिना खान ने रॉकी से शादी उस वक्त की थी, जब वे ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही थीं। उन्हें स्टेज तीन का कैंसर पता चला था। बीमारी के दौरान रॉकी उनके साथ डटे रहे। हिना ने बताया कि कैंसर के उपचार के दौरान ही उन्होंने शादी करने का फैसला किया था और यह अचानक लिया गया निर्णय था।



धर्मेंद्र-हेमा की बेटी होने की वजह से भी मुश्किल रहा एशा का फिल्मी सफर

मुंबई। फिल्मी परिवार से आने वाले कलाकारों को अक्सर अपनी मेहनत और प्रतिभा साबित करने के लिए दोहरी कसौटी पर परखा जाता है। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र और अभिनेत्री हेमा मालिनी की बेटी एशा देओल भी इस तुलना से अछूती नहीं रही हैं। हालांकि, 25 साल के कॅरियर में उन्होंने आलोचनाओं को नजरअंदाज कर अपने काम पर ध्यान देना सीखा है। एशा का मानना है कि दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अच्छी कहानी सबसे जरूरी है और बॉक्स आफिस पर सफलता की असली नायक भी कहानी ही होती है। 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म प्रताप में एशा एक ऐसी पत्नी के रोल में हैं, जिसे उसके पति की योग्यता के कारण सम्मान मिलता है, लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि सब कुछ बदल जाता है।



हेमा ने ऐशा को दी थी ये सलाह

यह करियर की शुरुआत में ही मेरी मम्मी ने बताया था की आप इस लाइन में हैं, तो तैयार रहिए की तुलना होगी। खासकर मैं लड़की हूं, तो मेरी तुलना मम्मी से होती। लगातार जरुरत से ज्यादा देख-परख तो आज भी होती है, लेकिन आपको इस लाइन में थोड़ा बहुत ठीठ होना पड़ता है। रोने-धोने से या डरने से कुछ नहीं होता है। अपना फोकस रखो, चमड़ी मोटी करो।

इंडस्ट्री में एशा के 25 साल पूरे

सोचिए मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं, तो मैंने अपनी चमड़ी कितनी मोटी कर ली होगी। प्रताप फिल्म में कर्मों की बात भी होगी। मैं कर्म में बहुत यकीन करती हूं, ऐसे में कहीं न कहीं मेरे कर्म अच्छे थे, तो मैं अपने माता-पिता के यहां पैदा हुई हूं।

माता-पिता की उपलब्धियों के आधार पर होती है तुलना

फिल्म इंडस्ट्री में ऐशा को उनके माता-पिता की उपलब्धियों के आधार पर आंका जाना स्वाभाविक था, लेकिन वह इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ इंडस्ट्री में आई थीं। एशा कहती हैं कि लोग तो आज भी आंकते हैं, जज करते हैं। मेरे ख्याल से आज भी यह सबसे ज्वलंत विषय है। यह ऐसी लहर है, जो चलेगी, फिर रुकेगी और फिर चलेगी। आप इन चीजों से परेशान नहीं हो सकते हैं। अगर आप पर इन चीजों को असर हो रहा है, तो समझ जाइए की आप गलत पेशे में हैं।

रावण और जटायू के फाइट सीन में लगे 6 साल : नितेश

टीम ने 'पुष्पक विमान' पर लगभग दो साल किया काम

नई दिल्ली। 'रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड' को बड़े पर्दे पर लाने के लिए सालों की योजना और मेहनत लगी है। निर्देशक नितेश तिवारी ने अब फिल्म के कुछ अहम दृश्यों को बनाने के प्रोसेस के बारे में बात की है। लेकिन, क्या आप सोच सकते हैं कि फिल्ममेकर को इस मूवी के सिर्फ एक सीन को शूट करने के लिए छह साल से भी अधिक समय लगा? जी हां, रावण और जटायु के युद्ध सीन को लेकर ऐसी ही बात कही जा रही है। एक बातचीत में नितेश तिवारी ने बताया कि सिर्फ रावण और जटायु के बीच की लड़ाई को पूरा करने में साढ़े छह साल लग गए। इसके अलावा, टीम ने 'पुष्पक विमान' पर लगभग दो साल काम किया। फाइनल लुक तय करने से पहले उन्होंने इसके दर्जनों डिजाइन पर विचार किया। उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में हजारों लोग शामिल थे और सिर्फ एक एक्शन सीक्वेंस को सही ढंग से तैयार करने के लिए कितनी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। रावण और जटायु की लड़ाई को साकार करने में कई सालों की योजना और मेहनत लगी। फिल्म निर्माता ने

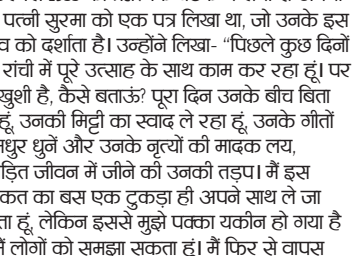

बताया कि कलाकारों के साथ पहली चर्चा से लेकर इसके पूरी तरह तैयार होने तक, इस एक सीक्वेंस को बनाने में उनकी टीम को साढ़े छह साल लग गए। उन्होंने कहा,'क्या आप जानते हैं कि रावण और जटायु की लड़ाई को पूरा करने में हमें कितना समय लगा? जब मैंने पहली बार कलाकारों को इसके बारे में बताया था, तब से लेकर काम पूरा होने तक, पूरे साढ़े छह साल लग गए। सिर्फ एक एक्शन सीक्वेंस! हर चीज को बिल्कुल शुरुआत से बनाने में कितनी मेहनत लगी है, यह बताने के लिए मैं एक घंटे तक लगातार बात कर सकता हूं।

आदिवासियों की संस्कृति और मेलों से दुनिया को कराया परिचय

पर्दे पर उतारा आदिवासियों का जीवन, ऋत्विक के सिनेमाई सफर की रोचक कहानी

रांची। आदिवासी जीवन को करीब से देखने वाले उस फिल्मकार ने कॅरियर की शुरुआत की थी उन पर आधारित वृत्तचित्रों से और जीवन भर फिल्मों में दिखाई अभाव, विस्थापन और उत्पीड़न के चक्रव्यूह में फंसे जीवन की कुछ वैसी ही छवियां। भारतीय फिल्मकारों में ऋत्विक कुमार घटक एक अलग और विशिष्ट स्थान रखते हैं। बांग्ला सिनेमा की प्रसिद्ध त्रयी में वे सत्यजित रे और मृणाल सेन के साथ गिने जाते हैं। 1955 में जब सत्यजित रे की पहली फिल्म 'पाथेर पांचाली' पर्दे पर आई, तब ऋत्विक घटक तत्कालीन बिहार के सुदूरवर्ती इलाके (वर्तमान झारखंड) में आदिवासियों के बीच काम कर रहे थे। कोलकाता से उनका यहाँ आना अचानक नहीं हुआ था। बिहार सरकार का जनसंपर्क विभाग अपने दक्षिणी इलाके 'छोटानागपुर' में रहने वाले आदिवासियों के जीवन, संस्कृति और मेलों से दुनिया को परिचित कराना चाहता था। इस समृद्ध विरासत को सहेजने के लिए सरकार ने वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) निर्माण का निर्णय लिया था।

वृत्तचित्र निर्माण और शुरुआती जुड़ाव

उस समय राधाकृष्ण बिहार सरकार की पत्रिका 'आदिवासी' के संपादक थे। उन्हें सिनेमा की अच्छी समझ थी और मुंबई व कोलकाता में फिल्म लेखन से जुड़े रहने के कारण सरकार ने इस काम के लिए उनका चयन किया। राधाकृष्ण के संपर्क में आए ऋत्विक घटक उस समय युवा, होनहार और काम के प्रति बेहद समर्पित थे। बिहार सरकार ने वृत्तचित्र निर्माण के लिए कोलकाता के अरोरा स्टूडियो से करार किया था। राधाकृष्ण के लेखन के आधार पर ऋत्विक घटक ने तीन प्रमुख वृत्तचित्र बनाए: 'आदिवासियों का जीवन स्रोत', 'उरांव' और 'बिहार के पर्यटन स्थल'। इनमें से 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' ही आज उपलब्ध है।

विस्थापन का दर्द और फिल्मों में वापसी

ऋत्विक घटक ने भले ही आजीविका के लिए वृत्तचित्र बनाए हों, लेकिन छोटानागपुर के प्रति उनका जुड़ाव उनकी बाद की फिल्मों में भी साफ दिखा। 1957 में उन्होंने 'उरांव' का निर्देशन किया, जिसे उनकी प्रसिद्ध फिल्म 'अजांत्रिक' की शुरुआती कृति माना जाता है। इसकी शूटिंग 1955 में छोटानागपुर में हुई थी और इसके कुछ फुटेज 'अजांत्रिक' में भी इस्तेमाल किए गए। रांची में शूटिंग के दौरान उनका उरांव और मुंडा समुदाय से गहरा रिश्ता बन गया था। इस समुदाय के बार-बार विस्थापित होने के इतिहास ने ऋत्विक को अंदर तक प्रभावित किया। वे विस्थापन के साथ विभाजन के दर्द को महसूस कर रहे थे, जो उनकी फिल्मों में बार-बार लौटकर आया।

आदिवासी संस्कृति का गहरा अनुभव : जब ऋत्विक घटक का आदिवासी जन-जीवन से परिचय हुआ, तब उनकी उम्र 30 वर्ष थी। उन्होंने आदिवासियों के इतिहास, संस्कृति, सौंदर्य बोध, सरल जीवनशैली और अभावों के बीच भी आनंद से जीने की प्रवृत्ति को बहुत गहराई से अनुभव किया। उनके इस दृष्टिकोण को उनके लेख 'अबाउट उरांव' में भी समझा जा सकता है। 15 मिनट की डॉक्यूमेंट्री 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' में आदिवासियों का पूरा जीवन, मेले, विवाह, नृत्य, शिकार का उत्सव, करमा पूजा, पड़हा व्यवस्था, घर-मकान और झरने सब कुछ समेटा गया है। पार्श्व में बजता नगाड़ा, बांसुरी की कोमल धुन और मांदर-ढोल का संगीत इस वृत्तचित्र को जीवंत बनाता है। ऋत्विक घटक का मानना था कि वृत्तचित्र बनाने के लिए लोगों के प्रति गहरा प्रेम होना जरूरी है, क्योंकि वृत्तचित्र मानव जीवन के सच्चे दस्तावेज होते हैं।

रांची से लिखा ऐतिहासिक पत्र

22 फरवरी 1955 को ऋत्विक घटक ने रांची से अपनी भावी पत्नी सुरमा को एक पत्र लिखा था, जो उनके इस जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने लिखा- "पिछले कुछ दिनों से मैं रांची में पूरे उत्साह के साथ काम कर रहा हूं। पर क्या खुशी है, कैसे बताऊं? पूरा दिन उनके बीच बिता रहा हूं, उनकी मिट्टी का स्वाद ले रहा हूं, उनके गीतों की मधुर धुनें और उनके नृत्यों की मादक लय, उत्पीड़ित जीवन में जीने की उनकी तड़प। मैं इस हकीकत का बस एक टुकड़ा ही अपने साथ ले जा सकता हूं, लेकिन इससे मुझे पक्का यकीन हो गया है कि मैं लोगों को समझा सकता हूं। मैं फिर से वापस आना चाहता हूं, और भी बड़ी, ज्यादा यथार्थवादी और व्यापक फिल्में बनाने के लिए।"

अजांत्रिक और मुख्यधारा का सिनेमा

बाद में जब ऋत्विक घटक ने अपनी पहली व्यावसायिक बांग्ला फिल्म 'अजांत्रिक' (1958) बनाई, तो वे फिर से शूटिंग के लिए रांची और उसके आसपास के इलाकों में लौटे। इस फिल्म की सबसे खास बात यह थी कि पहली बार भारतीय बड़े पर्दे पर आदिवासी समाज को इतने यथार्थवादी ढंग से दिखाया गया, जिससे मुख्यधारा के दर्शक उस दौर के आदिवासी जीवन और उनकी सामूहिक संरचना को समझ सके।

द्रौपदी मुर्मू ने कुरुक्षेत्र में आयोजित हीरक जयंती समारोह में शिरकत की

स्वतंत्रता संग्राम से राष्ट्र निर्माण तक हरियाणा का योगदान अतुलनीय : राष्ट्रपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को हरियाणा गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर, उन्होंने हीरक जयंती के लोगो को भी लॉन्च किया। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में हरियाणा के इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। गीता का अमर संदेश इसी धरती से समस्त विश्व में फैला था।



राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया महामहिम का स्वागत

भारतीयता को गौरव प्रदान करने वाली इस पुण्य भूमि को राष्ट्रपति ने प्रणाम किया। उन्होंने भारत की प्रगति-यात्रा के अनेक आयामों में सार्थक योगदान देने वाले हरियाणा वासियों को भी बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण के निष्काम कर्मयोग का अमर संदेश सारे विश्व में फैलाने वाली इस धरती ने आधुनिक युग में भी मानवीय पराक्रम के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसकी संतानों ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक परिवर्तन, लोकतंत्र, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्रों में सार्थक योगदान किया है। राव तुलाराम का अदम्य साहस, दीनबंधु सर छोटूराम की किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता, पंडित नेकीराम शर्मा की राष्ट्रसेवा और दादा लखमीचंद की लोक-सांस्कृतिक साधना हरियाणा की अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी में हरियाणा के प्रथम शहीदों में गिने जाने वाले अंबाला के कांशीराम ने अमेरिका में लाला हरदयाल के साथ मिलकर गदर पार्टी स्थापित करने वालों में से एक थे। भारत लौटने के लगभग एक वर्ष बाद ब्रिटिश सरकार ने 1915 के इसी नवंबर माह में उनको फांसी दे दी थी।

विकास के 60 साल पूरे, अब हरियाणा को देश में अव्वल बनाने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने हरियाणा को देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है, इसी ध्येय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का गीता की पावन धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि ओडिशा के मयूरभंज जिले के छोटे से गांव उपरबेड़ा से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का उनका सफर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और संविधान की गरिमा का प्रतीक है। उनकी यह प्रेरणादायी यात्रा देश की प्रत्येक बेटी, गरीब परिवार और आदिवासी समाज के लिए उम्मीद, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा है।

सीएम ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को अंतरित की 30 करोड़ रुपये की बोनस राशि



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार 'सच्चा वादा-पक्का काम' के सूत्रवाक्य के साथ प्रदेश में विकास और जनहितैषी कार्यों को लगातार आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में गरीब, किसान, युवा और नारियों के कल्याण के लिए अनेकों कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते शुक्रवार को ही किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की राशि की सौगात मिली है। प्रदेश के किसानों को पर्याप्त बिजली और सिंचाई की सुविधाएं मिल रही हैं।

सीएम शनिवार को बैतूल में हुए तेंदूपत्ता संग्राहकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज बैतूल में चार जिलों के 3.69 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 30 करोड़ रुपए से अधिक की बोनस राशि मिली है। यह दक्षिण बैतूल, पश्चिम बैतूल, उत्तर बैतूल, पांढुर्णा (दक्षिण छिंदवाड़ा), पूर्व छिंदवाड़ा, पश्चिम छिंदवाड़ा एवं नर्मदापुरम वन मंडल के तेंदूपत्ता संग्राहकों के अथक परिश्रम के सम्मान और उनके वाजिब हक की राशि है। नल जल योजना के कार्यों के लिए 50 करोड़ राशि दी जाएगी। बैतूल में 15 करोड़ रुपए की लागत से गीता भवन और हाट बाजार बनेगा। सड़क चौड़ीकरण के लिए 47 करोड़ रुपए, 70 करोड़ रुपए की लागत से चार जलाशयों का निर्माण, 154 करोड़ की लागत से रामघाटी मध्यम सिंचाई परियोजना, घोड़ा डोंगरी में बैराज और जलाशय, बैतूल के शासकीय हाईस्कूलों में 50 करोड़ की लागत से सुविधाएं, 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत से फुटबॉल टर्फ, इनडोर और आउटडोर स्टेडियम, बैतूल में जनजातीय संग्रहालय बनाया जाएगा।

प्रदेश के पहले ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट में 7 करोड़ की लागत से सफारी गेट का निर्माण, ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट के पास 3 करोड़ की लागत से बटर फ्लाई पार्क विकसित किया जाएगा।

कांग्रेस ने हमेशा ही वोट चोरी कर सरकार बनाई : नितिन नवीन

■ राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में रोहतक में निकली 'संविधान बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा

■ मोदी सरकार का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता, 2029 में भी भाजपा की सरकार बनेगी : नवीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक



जिस शहर की सियासत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का प्रभाव लंबे समय से माना जाता रहा है, रविवार को उसी रोहतक की सड़कों पर भाजपा ने अपनी ताकत दिखाने के लिए पूरा जोर लगा दिया। मौका था भाजपा के 'संविधान बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत निकाली गई पदयात्रा का। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अगुवाई में निकली इस पदयात्रा ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। खास बात यह रही कि यात्रा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास के सामने से भी गुजरी। भाजपा के इस शक्ति प्रदर्शन में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। नितिन नबीन ने साफ शब्दों में कहा कि मोदी सरकार का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता और 2029 में भी देश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा ही वोट चोरी कर सरकार बनाई। अब

कैप्टन अभिमन्यु ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा

हरियाणा दिवस के अवसर पर 'लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा' और शक्ति प्रदर्शन में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम में कैप्टन अभिमन्यु ने मंच से कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने दोनों हाथ उठाकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में गलत बयान दिया था। लेकिन जनता कहती है कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा छोटूराम तकनीकी संस्थान के मैदान पर बड़े-बड़े इतिहास लिखे गए गए हैं। कांग्रेस के लोग वोट चोरी करने में माहिर हैं। वह अपनी चोरी छिपाने के लिए दिल्ली में ड्रामा कर रहे हैं। जनता को उनकी नीयत का अच्छी तरह पता है।

चुनाव हारने पर वोट चोरी का रोना रोते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने डी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पदयात्रा में शामिल होने पहुंचे राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हरियाणा भौगोलिक रूप से छोटा राज्य जरूर है, लेकिन यहां के लोगों ने हमेशा बड़े काम किए हैं। पदयात्रा के दौरान हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी ने जय श्री राम के नारे लगाए और राष्ट्रीय अध्यक्ष का रोहतक पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं में पदयात्रा को लेकर पूरा उत्साह दिखाई दे रहा है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का रोहतक पहुंचने पर स्वागत किया।

कोदो-कुटकी उत्पादन करने वाले किसानों के प्रोत्साहन से सिंचाई का रकबा 90 हजार पहुंचा

मंडला की धरती पर कृषि, सहायक गतिविधियों की संभावनाएं: सीएम

■ सीएम ने बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया वर्चुअली संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



सीएम ने बलराम कृषि महोत्सव पर मंडला जिले के किसानों से वर्चुअली संवाद कर उनकी सफलता की कहानियां सुनीं और खेती-किसानी के साथ कृषि आधारित अन्य कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत एवं समर्पण से ही प्रदेश कृषि के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

सीएम ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंडला भगवान परशुराम एवं अन्य ऋषि-मुनियों की तपोभूमि होने के साथ ही राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथ शाह और वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य एवं पराक्रम की धरती है। माँ नर्मदा का आशीर्वाद जिले को प्राप्त है। यहां की प्राकृतिक संपदा और उपजाऊ भूमि जिले को समृद्ध बनाती है। मंडला में धान, अरहर, उड़द, सोयाबीन, मक्का और कोदो-कुटकी जैसी फसलों का अच्छा उत्पादन होता है।

सीएम से मिले थिंक गैस के एमडी एवं सीईओ



भोपाल। प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने थिंक गैस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिलेश गुप्ता ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की और राज्य में प्राकृतिक गैस पर वैट में कमी से होने वाले संभावित लाभों पर चर्चा की। बैठक के दौरान थिंक गैस के नेतृत्व ने भारत के ऊर्जा भविष्य को लेकर माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में प्राकृतिक गैस की भूमिका को रेखांकित किया। थिंक गैस ने यह भी कहा कि प्राकृतिक गैस पर वैट में कमी से घरेलू पीएनजी की किफायती दरों में उल्लेखनीय सुधार होगा, राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी और राज्य के सतत ऊर्जा भविष्य की ओर संक्रमण में तेजी आएगी।

छग राज्योत्सव-26 के अलंकरण समारोह से होगी शुरुआत

संत रविदास और प्रख्यात तीजन बाई के नाम पर दो नए राज्य अलंकार शुरू करने जा रही राज्य सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव-2026 के राज्य अलंकरण समारोह में इस बार दो नए सम्मान दिए जाएंगे। राज्य सरकार पहली बार प्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई और संत रविदास के नाम पर नए राज्य अलंकरण शुरू कर रही है। गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाले इस भव्य समारोह में सरकार विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करेगी। इस बार आयोजक कुल 41 अलग-अलग श्रेणियों में राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। इनमें संस्कृति विभाग 14 और अन्य विभाग 27 पुरस्कार देंगे।

सरकार यह राज्य अलंकरण कला, संस्कृति, साहित्य, पत्रकारिता, खेल, कृषि, समाजसेवा, महिला सशक्तीकरण, सहकारिता, श्रमिक कल्याण और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में बेहतर योगदान देने वालों को प्रदान करती है। विभिन्न विभाग अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े योग्य व्यक्तियों तथा संस्थाओं के नाम भेजते हैं, जिसके बाद चयन समिति पुरस्कार विजेताओं का चुनाव करती है।




अलंकरणों की सूची में दो नई श्रेणियां जोड़ीं

तीजन बाई और संत रविदास के नाम पर दो नए सम्मान शुरू होने से सरकार ने अलंकरणों की सूची में दो नई श्रेणियां जोड़ी हैं। पिछले वर्ष राज्योत्सव 2025 में प्रशासन ने 34 श्रेणियों में राज्य अलंकरण दिए थे। उस दौरान कुछ श्रेणियों में एक से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मान मिला था, जिससे विजेताओं की कुल संख्या 34 से अधिक रही थी। दानवीर भामाशाह सम्मान और छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान जैसे पुरस्कारों के माध्यम से सरकार ने समाजसेवा और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले लोगों को सम्मानित किया था।

विभिन्न अलंकरण प्रदान करते हैं सरकारी विभाग

विभिन्न सरकारी विभाग अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े विशिष्ट अलंकरण प्रदान करते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग यति यतनलाल, पंडित रविशंकर शुक्ल और महाराजा अग्रसेन सम्मान देता है। आदिम जाति-अनुसूचित जाति विकास शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति, गुरु घासीदास, डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सेवा सम्मान प्रदान करता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग गुण्डाधुर, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान देता है। महिला एवं बाल विकास विभाग मिनीमाता, वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति और माता बहादुर कलारिन सम्मान प्रदान करता है। संस्कृति एवं पर्यटन विभाग हबीब तनवीर, पंडित सुंदरलाल शर्मा, चक्रधर, दाऊ मंदराजी, देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य, किशोर साहू, किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण, लक्ष्मण मस्तुरिया पुरस्कार देता है। जनसंपर्क विभाग चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता और पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान प्रदान करता है।

11 से 18 तक आयोजित किए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम

भाजपा करेगी बिरसा मुंडा जयंती पर 'जनजातीय गौरव सप्ताह' का आयोजन

15 नवंबर को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम, भाजपा कार्यालय में तैयारी बैठक

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल



भाजपा द्वारा महान क्रांतिकारी व राष्ट्रवादी जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवंबर से 18 नवंबर तक 'जनतातीय गौरव सप्ताह' के तहत प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे(15 नवंबर को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में पार्टी के प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक लोकेन्द्र पाराशर, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम, प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी शिवराज डाबी, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री व कार्यक्रम सह संयोजक सोहन सिंह आदि उपस्थित रहे।

डॉ यादव एवं खंडेलवाल वर्चुअल करेंगे संबोधित

'जनजातीय गौरव सप्ताह' के अंतर्गत 3 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। 4 नवंबर को भाजपा प्रदेश कार्यालय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी एवं सोशल मीडिया प्रभारियों की कार्यशाला का आयोजन होगा। 5 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के सांसद, विधायक, पंच से लेकर सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 10 से 12 नवंबर तक प्रदेश एवं जिला स्तर पर पत्रकार-वार्ता आयोजित की जाएंगी।

14 से होगा इन कार्यक्रमों का आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की पूर्व संध्या पर 14 नवंबर को प्रदेश भर में दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा और स्वच्छता अभियान के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 15 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से पूरे प्रदेश में वर्चुअली संबोधित करेंगे। 16 एवं 17 नवंबर को प्रदेश भर के अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में पार्टी के जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ 18 नवंबर को प्रदेशभर में जनजातीय गौरव चौपाल का आयोजन होगा।

एनआईईएलआईटी रोपड़ का पहला दीक्षांत समारोह

एजेंसी ⏭ रूपनगर (रोपड़)/चंडीगढ़



इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) मानित विश्वविद्यालय (एनडीयू) का पहला दीक्षांत समारोह आज पंजाब के रूपनगर (रोपड़) स्थित बड़ा फूल में इसके मुख्य परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 102 स्नातकों को स्नातकोत्तर डिग्रियां प्रदान की गईं। वर्ष 2024 में एनआईईएलआईटी को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यह पहला स्नातक बैच है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आठ स्वर्ण पदक और पांच रजत पदक प्रदान किए गए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री और विवि के प्रो-चांसलर, माननीय जितिन प्रसाद का औपचारिक संदेश एनआईईएलआईटी रोपड़ के कार्यकारी निदेशक दीपक वासन द्वारा पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी यात्रा एक नए चरण में प्रवेश कर रही है और इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में देश की क्षमताओं का विस्तार हो रहा है।

पुरी के विरोध की आशंका में शुक्ला नजरबंद, हिरासत में कई कांग्रेसी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के भाजपा से राज्यसभा के लिए नामांकन के दौरान विरोध की आशंका के चलते पुलिस-प्रशासन शनिवार को सुबह से ही सतर्क रहा। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला को उनके भोपाल स्थित कार्यालय में पुलिस बल तैनात कर अवैध रूप से नजरबंद कर दिया गया। उन्हें और उनके साथियों को कार्यालय से बाहर निकलने से रोका गया, जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस प्रशासन के बीच तीखी धक्का-मुक्की हुई। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके अलावा पुलिस ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमित खत्री समेत संगठन के कई नेताओं को हिरासत में लिया। पुलिस खत्री को ऐशबाग थाने ले गई। युकां प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार और जिला अध्यक्ष अंकित दुबे को हबीबगंज थाने ले जाया गया। मोहित सक्सेना को अयोध्या नगर थाने में बैठाया गया। कांग्रेस ने एप्स्टीन फाइल्स में नाम आने के कारण हरदीप का भोपाल आने पर विरोध का ऐलान किया था।

आरोपी पुत्र गिरफ्तार, गंभीर घायल महिला का इलाज जारी

पारिवारिक विवाद के चलते बेटे ने अपनी ही मां पर कुदाली से किया जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डायनटोली में घरेलू विवाद के चलते एक बेटे ने अपनी ही मां पर कुदाली से जानलेवा हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से महिला बेहोश हो गई। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 31 अक्टूबर 2026 की है। डायनटोली निवासी बिफती उरांव (55 वर्ष) अपने घर की लिपाई-पोताई कर रही थीं। इसी दौरान उनके 28 वर्षीय पुत्र गोविन्द बेक ने किसी घरेलू बात को लेकर विवाद शुरू



कर दिया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने जान से मारने की नीयत से घर में रखी छोटी कुदाली से अपनी मां के सिर पर दो से तीन बार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से महिला मौके पर ही लहूलुहान होकर बेहोश हो गईं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से डायल 112 के जरिए गंभीर रूप से घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़िता की शिकायत पर कुसमी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। विवेचना के दौरान एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर खून से सनी मिट्टी सहित अन्य साक्ष्य एकत्र किए। वहीं, आरोपी की निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल की गई कुदाली भी बरामद कर ली गई। कुसमी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गोविन्द बेक (28 वर्ष), निवासी रामनगर को गिरफ्तार कर 1 नवंबर को न्यायालय में पेश किया। अदालत के आदेश पर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

किशोर की बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत का मामला

नाबालिग बाइक चालक को पांच और उसके पिता को तीन साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

अगर आप भी अपने बच्चे को बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाने देते हैं, तो आपको भी जेल की सजा हो सकती है। दुर्ग में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां बिना लाइसेंस बाइक चला रहे नाबालिग ने एक्टिवा को टक्कर मार दी।

हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले की जांच कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की। कोर्ट ने बाइक चला रहे बेटे और उसके पिता को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। बाइक चालक किशोर को 5 साल की जेल और 1 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है। वहीं, उसके पिता को 3 महीने की जेल और 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

पूरा मामला स्मृतिनगर चौकी क्षेत्र का है। 4 अगस्त 2025 की रात करीब 8:30 बजे एक स्कूल के पास किशोर तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चला रहा था। इसी दौरान उसने एक्टिवा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक्टिवा चला रहे



शादान अली की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे उत्तम पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे के बाद स्मृतिनगर चौकी में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

किशोर बेटे के साथ पिता की भी जिम्मेदारी तय

जांच में सामने आया कि बाइक चला रहे नाबालिग के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। इसके बावजूद उसके पिता ने उसे बाइक चलाने के लिए दी थी। पुलिस ने हादसे के लिए बेटे के साथ पिता की जिम्मेदारी भी तय की। जांच पूरी होने के बाद दोनों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। दुर्ग जिला सत्र न्यायालय ने 31 अक्टूबर 2026 को मामले में फैसला सुनाया। कोर्ट ने किशोर को भारतीय न्याय संहिता और मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 5 साल की जेल और 1 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी। वहीं, उसके पिता को मोटरयान अधिनियम की धारा 5/180 के तहत 3 महीने की साधारण जेल और 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

चिंतन

एक बार फिर सड़क की राजनीति पर उतरे दल

देश में एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्षी दल सड़क पर सियासी जंग लड़ने उतर आए हैं। रविवार का दिन राजनीतिक सरगर्मी से भरा रहा। कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली कर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला बोला। वहीं, भाजपा ने इसके जवाब में देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाले। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मोर्चा संभाला तो हरियाणा के रोहतक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन रामलीला मैदान में रैली आयोजित कर पीड़ित परिवारों की भावनाओं की अनदेखी की है। भाजपा के मार्च में दंगा पीड़ित परिवारों और सिख समुदाय के लोगों की भागीदारी भी इसी मुद्दे को रेखांकित करने के लिए थी। वहीं, नितिन नवीन ने रोहतक में कांग्रेस पर वोट चोरी को अपनी विरासत बनाने का आरोप लगाया और राहुल गांधी को विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम करने वाला बताया। जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस पर सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को भुलाकर राजनीति करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने और जेल भेजने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भी उन्होंने तीखी टिप्पणी की। इस तरह पूरे दिन दोनों खेमों के बीच राजनीतिक तल्खी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा। विपक्ष का काम केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता के सवालों को मजबूती से उठाना और सरकार को जवाबदेह बनाना भी है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदारी केवल हंगामे, नारेबाजी और सड़क पर शक्ति प्रदर्शन से ही पूरी हो सकती है। कोई सीजेपी जैसी नई पार्टी ऐसा करे तो समझ आता है, लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस से अधिक परिपक्व राजनीतिक आचरण की अपेक्षा स्वाभाविक है। 18वीं लोकसभा में इंडिया गठबंधन के करीब 240 सांसद हैं। इतनी बड़ी संसदीय ताकत का उपयोग सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, शिक्षा और चुनावी पारदर्शिता जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक बहस के लिए होना चाहिए। संसद के बाहर प्रतीकात्मक कार्यवाही करने के बजाय विपक्ष को तथ्यों और प्रमाणों के साथ सदन में सरकार को घेरना चाहिए। लोकतंत्र का मजाक नहीं, जवाबदेही तय करना विपक्ष की असली जिम्मेदारी है। वहीं, सत्ता पक्ष भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। संसद में विपक्ष को पर्याप्त अवसर देना, उसके सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रहना सरकार का दायित्व है। संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के हित में है। विपक्ष को भी संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ धमकी भरी भाषा के बजाय निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। यह समझना होगा कि संसद देश की जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं पर चर्चा का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। सदन में कामकाज बाधित करने से जितना नुकसान विपक्ष की भूमिका को होता है, उतनी ही जवाबदेही सरकार की भी बनती है, यदि वह चर्चा और संवाद के रास्ते बंद करती है। दोनों पक्षों को अपनी राजनीतिक सुविधा से ऊपर उठकर संसदीय परंपराओं का सम्मान करना होगा।



मुद्दा
प्रमोद भार्गव

दवा कंपनियों पर लगाम की तैयारी

दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने के उपाय को उत्सुक नजर आ रहा है। न्यायालय द्वारा दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों और तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा करेगी। साथ ही निगरानी तंत्र को पुख्ता बनाने के लिए सिफारिशें भी करेगी। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा होगी। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की एक याचिका भी लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर नियंत्रण और नियमन के लिए दिशा-निर्देश तय कर दिए जाएं? क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में बड़ी असामानता है।

इसके तहत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रावधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट दो माह के भीतर आनी है।

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की एक सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने तय किया कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। इसके मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। ग्लैक्सोस्मिथलाईन, फाइजर, रैनबैक्सी, डॉ रेड्डी लैब्स और एलेमबिक जैसी नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों से जुड़ी एक विडंबना यह भी देखने में आती है कि दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपए का चूना लगाया जा रहा है। इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा



लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है। इसी संदर्भ में इस याचिका से जुड़े न्यायामूर्ति संदीप मेहता को कहना पड़ा था कि मामला एक माह पहले का ही है।

एक दवा डीलर की पत्नी का इलाज हो रहा था। कीमो में काम आने वाला इंजेक्शन 11 हजार रुपये का था। लेकिन निजी अस्पताल में 1.30 लाख रुपये में दिया जा रहा था। दवा डीलर ने अस्पताल से निवेदन किया कि इंजेक्शन बाहर से लाने दें, लेकिन मना कर दिया। इसी याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने कैंसर की 2700 रुपये की एक दवा को 27 हजार में बेचे जाने पर 'डकैती' की संज्ञा दी थी। ऐसी डकैती की कीमत आम मरीज चुका रहे हैं। फार्मा कंपनियां किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी रोड़ा अटकाने का काम करती हैं। क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं।

दरअसल इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं, इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है। लिहाजा चिकित्सक मरीज की इस लाचारी का लाभ पूरे देश में धड़ल्ले से उठा रहे हैं। एंटीबायोटिक दवाओं ने जहां अनेक संक्रामक रोगों से मानव जाति को बचाया, वहीं दुष्परिणाम स्वरूप शरीर की प्रतिरोधात्मक शक्ति को कमजोर भी किया। जिस तरह मानव शरीर विभिन्न प्राकृतिक तापमान, वायुमंडल व भौगोलिक परिस्थिति और पर्यावरण के अनुकूल अपने को ढाल लेता है,उसी तरह हमारे धरती पर अस्तित्व के समय से ही सूक्ष्मजीव और उनके विरुद्ध शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधात्मक शक्ति का भी परिवर्तित विकास होता रहा है। कुदरत का कमाल देखिए, एंटीबायोटिक दवाओं ने दोनों के बीच के संतुलन को गड़बड़ा दिया, लिहाजा एंटीबायोटिक दवाएं जब-जब सूक्ष्मजीवों पर मारक साबित हुई, तब-तब जीवाणु और वीषाणुओं ने अपने को ओर ज्यादा शक्तिशाली बना लिया। गोया, महाजीवाणु कभी नष्ट नहीं होने वाले रक्तबीजों की श्रेणी में आ गए हैं। इसलिए आज वैज्ञानिकों को कहना पड़ रहा है कि एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा पर अंकुश लगना चाहिए।

दवा कंपनियों की मुनाफे की हवस और चिकित्सकों का बढ़ता लालच, इसमें बाधा बने हुए हैं। चिकित्सक सर्दी-जुकाम और पेट के साधारण रोगों तक के लिए बड़ी मात्रा में एंटीबायोटिक दवाएं दे देते हैं। ऐलोपैथी चिकित्सा पद्धति के मुनाफाखोरों ने प्रायोजित शोधों के मार्फत आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी को अवैज्ञानिक कहकर हाशिए पर डालने का काम भी शड्यंत्रपूर्वक किया है। बावजूद सूक्ष्मजीव कायांतरण के नए-नए रूपों में सामने आना शुरू हो गए हैं, तब से एंटीबायोटिक दवाओं की सीमा रेखांकित जरूर की जाने लगी है, किंतु मुनाफे की हवस इस मर्यादा को लांघ जाने का उपक्रम करती ही रहती है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ग्राम स्वराज योजना
डॉ. अशोक कुमार जायसवाल



आत्मनिर्भर पंचायतों से विकसित भारत की ओर

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर (छत्तीसगढ़) महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना एक महत्वपूर्ण पहल है। सबकी योजना, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना को केंद्र में रखकर तैयार यह योजना ग्रामीण शासन व्यवस्था को नई दिशा देने के साथ पंचायतों को अधिक सक्षम, जवाबदेह और आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना के क्रियान्वयन को मंजूरी दी है। इसके लिए कुल 7,395.55 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें 4,869.55 करोड़ रुपये केंद्रीय अंश और 2,526.07 करोड़ रुपये राज्यांश के रूप में शामिल हैं। यह योजना विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप ग्रामीण शासन व्यवस्था में अगली पीढ़ी के सुधारों की पहल है। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्राम पंचायतों को स्थानीय जरूरतों, उपलब्ध संसाधनों और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप समग्र विकास योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाना है। इसके तहत सहभागी और साक्ष्य आधारित नियोजन को बढ़ावा देते हुए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 2.55 लाख समग्र ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में सहायता दी जाएगी।

ग्रामीण विकास के लिए मजबूत नियोजन की जरूरत: पिछले बारह वर्षों में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय सुधारों और नवाचारों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार लाने और ग्रामीण विकास के नए अवसर पैदा करने का आधार तैयार किया है। इन अवसरों का लाभ गांवों तक पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता, जनभागीदारी और बेहतर स्थानीय नियोजन आवश्यक है। 16वें वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए लगभग 4.35 लाख करोड़ रुपये की सिफारिश किए जाने के मद्देनजर पंचायतों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पंचायतें राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्ध वित्तीय संसाधनों और स्थानीय आकांक्षाओं को एकीकृत करते हुए विकास का स्पष्ट खाका तैयार करें।

ग्राम पंचायतें बनेंगी विकास की धुरी: इस योजना में ग्राम पंचायतों को स्थानीय नियोजन और विकास के नवाचारों के समन्वय का प्रमुख केंद्र बनाया गया है। पंचायतें गांवों की प्राथमिकताओं, उपलब्ध संसाधनों और विकास की चुनौतियों को ध्यान में रखकर योजनाएं तैयार कर सकेंगी। इससे गांव केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं रहेंगे, बल्कि अपने विकास की दिशा और प्राथमिकताएं तय करने वाले सक्षम स्थानीय निकाय के रूप में उभरेंगे।

वित्तीय आत्मनिर्भरता और पारदर्शिता पर जोर: किसी भी पंचायत की मजबूती केवल उसे मिलने वाले सरकारी अनुदान से तय नहीं होती, बल्कि उसकी अपनी आय अर्जित करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना पंचायतों को स्वयं के राजस्व स्रोत बढ़ाने, वित्तीय प्रबंधन सुधारने और उपलब्ध निधियों का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

योजना के तहत ऑनलाइन लेखांकन, ऑडिट और सार्वजनिक सूचना के प्रकटीकरण को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। इससे पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी, वित्तीय अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और विकास कार्यों के प्रति जवाबदेही मजबूत होगी।

विभागीय समन्वय से योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन : ग्रामीण विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक विभिन्न विभागों की योजनाओं के बीच समन्वय का अभाव है। कई बार संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद विभागीय तालमेल की कमी के कारण स्थानीय जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इस समस्या के समाधान की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों की नियोजन प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल मंच से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में विभागों के बीच आपसी सहयोग बढ़ेगा।

विकसित भारत के संकल्प में गांवों की निर्णायक भूमिका

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है, जब देश के गांव आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत रूप से मजबूत बनें। ग्रामीण विकास का आधार सक्षम पंचायतें, जागरूक नागरिक, पारदर्शी प्रशासन और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप तैयार की गई विकास योजनाएं हैं। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इन्हीं उद्देश्यों को एक साथ जोड़ने वाली अभिनव पहल है। यह योजना पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्थानीय विकास का नेतृत्व करने वाली संस्था के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगी।

वास्तव में ग्राम स्वराज का अर्थ केवल गांवों का भौतिक विकास नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों को अपने विकास के निर्णय लेने में सक्षम बनाना भी है। प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर पंचायतों, सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहभागी शासन व्यवस्था का आधार तैयार कर सकती है। गांवों को विकास की मुख्यधारा में निर्णायक भूमिका देकर ही विकसित भारत 2047 के संकल्प को वास्तविक अर्थों में साकार किया जा सकता है।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज)

क्षमा करें और भूल जाएं

संकलित
दर्शन



जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है।

गणेश विनायक जी की कथा

संकलित
प्रेरणा



एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी माँ से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घंटी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि माँगो तुम क्या मांगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर मांगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुँची तो माँ ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

अंतर्मन



आज की पाती

एकता के मंत्र पर अमल करना भी जरूरी

भारत में बहुत से महापुरुष हुए। इन महापुरुषों ने भारत को ही नहीं, बल्कि दुनिया को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए बहुत से काम किए और दुनिया के लिए प्रेरक बने। इन्हीं महापुरुषों में से एक थे सरदार वल्लभभाई पटेल, जिनका जन्मदिन एकता की भावना को बढ़ाने के रूप में भी मनाया जाता है, जोकि 31 अक्टूबर को होता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को आजाद करवाने के साथ-साथ देश की एकता को मजबूत करने में मुख्य भूमिका निभाई थी। इन्होंने किसानों को उनका हक अंग्रेजों से दिलाने के लिए काम किए थे। सरदार वल्लभ भाई पटेल को आज भी जिस मुख्य कार्य के लिए याद किया जाता है वो है देसी रियासतों का एकीकरण। आज भारत को उनके विचारों को कार्यरूप देने की जरूरत है। - *रतन साहू, बलौदा बाजार*

ट्रेंड

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन



बेहतर रेल कनेक्टिविटी की दिशा में एक और कदम, और वह भी तकनीक और नवाचार के शहर बेंगलुरु से! वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, बेंगलुरु और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी के लिए एक गेम चेंजर साबित होगी। - **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सिख नरसंहार



1 नवंबर को दिल्ली की धरती 1984 के सिख नरसंहार के निर्दोष पीड़ितों को याद करती है, जबकि उसी दिन राहुल गांधी की कांग्रेस 'लोकतंत्र बचाने' का ढोंग रच रही है। शर्मनाक! कांग्रेस के माथे पर 1984 का कलंक लगा है। इसे राहुल गांधी के 'लोकतंत्र बचाने' के नारों से नहीं धोया जा सकता। - **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

लोकतंत्र का मज़ाक



विपक्ष के नेता राहुल गांधी की राजनीति अब केवल झूठे नैरेटिव गढ़ने, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले करने तक सिमट कर रह गई है। संसद में भ्रामक दावे करने वाले कांग्रेस के 'युवराज' ने आज अपनी 'नकली संसद' में भी लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। - **धर्मेंद्र प्रधान,** सांसद, भाजपा

संजय का बेवक्त जाना



बहुत जल्दी चले गए संजय गुप्ता। उनके भीतर अभी बहुत सारा सिनेमा बाकी था, उनके सामने अभी कई साल और कई कहानियाँ थीं। सच में दिल तोड़ने वाला है... उनके परिवार को हिम्मत और शांति मिले। - **अजय देवगण,** फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

बाइनेंस से चोरी के लिए उत्तर कोरिया जिम्मेदार: एफबीआई



अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने कहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी की घटना को उत्तर कोरिया के हैकर्स ने अंजाम दिया जिसमें कुछ ही मिनट के भीतर बाइनेंस से अरबों डॉलर की डिजिटल मुद्रा चोरी कर ली गई। एफबीआई ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इस सप्ताह हुआ साइबर हमला 'ट्रेडरट्रेटर' नामक समूह की दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों से जुड़ा है। उसने कहा कि इसी समूह ने पिछले साल बायबिट पर 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर की साइबर चोरी को भी अंजाम दिया था। एफबीआई ने क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों से विभिन्न डिजिटल वॉलेट पतों से जुड़े लेनदेन रोकने का आग्रह किया है, ताकि चोरी की गई रकम को उसके स्रोत को छिपाने के लिए अवैध रूप से इधर-उधर न किया जा सके। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में पता चला है कि ट्रेडरट्रेटर चोरी की गई डिजिटल संपत्तियों को मुख्य रूप से इथेरियम नामक क्रिप्टोकरेंसी में बदल रहा है। एफबीआई को आशंका है कि हैकर अब विकेंद्रीकृत वित्त (डीफाई) मंचों और 'इंस्टेंट स्वैप सर्विसेज' के जरिये इन संपत्तियों को दूसरी क्रिप्टोकरेंसी में बदलने का प्रयास करेंगे।

ऑफ बीट

रात में अच्छी नींद कैसी होनी चाहिए?

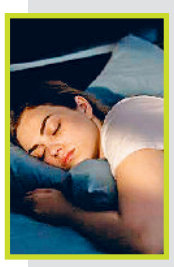

बहुत से लोग सोचते हैं कि जब वे तकिये पर सिर रखेंगे तो उन्हें गहरी और आरामदेह नींद आनी चाहिए और लगभग आठ घंटे के बाद तरोताजा महसूस करते हुए उठना चाहिए। वास्तव में, पूरी रात स्वस्थ नींद चक्रीय होती है क्योंकि आप नींद के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं और अक्सर कई बार जागते हैं। कुछ लोगों को इनमें से एक या अधिक बार जागना याद रहता है लेकिन कई लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि वे रात में कितनी बार नींद से जागे। एक वयस्क के रूप में, हमारी नींद अलग-अलग चक्रों से गुजरती है और रात के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर के लिए नींद टूटती है। प्रत्येक नींद का चक्र लगभग 90 मिनट का होता है। गहरी नींद में जाने से पहले और सपनों की दुनिया (रैपिड आई मूवमेंट-आरईएम) में खोने से पहले हम रात में हल्की नींद से शुरुआत करते हैं। यदि हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हम अपनी अधिकांश गहरी नींद रात के पहले भाग में पूरी कर लेते है और रात के दूसरे भाग में हमें सपने आने लगते हैं। वयस्क आमतौर पर रात में पांच या छह नींद के चक्रों से गुजरते हैं और प्रत्येक चरण के अंत में थोड़ी देर के लिए जागना पूरी तरह सामान्य है। इसका मतलब है कि हम रात में पांच बार जाग सकते हैं। यह बढ़ती उम्र के साथ बढ़ सकता है और हम फिर भी स्वस्थ रह सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली रही फ्लाप : पात्रा

हथकंडों से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन सकता, इसके लिए 'पी' मतलब पसीना व 'एम' मतलब मेहनत जरूरी, 40 फीसदी जगह खाली रही

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा ने तीखा हमला बोला। कुछ ने मात्र समय की बर्बादी बताया तो औरों ने इसे विपक्ष की साजिश करार दिया। इसके साथ ही भाजपा ने आज के दिन ही हुए सिख दंगों और नरसंहार का भी जिक्र किया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने रैली में भीड़ जुटाने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मैदान का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाली था। रैली में 10 लाख लोगों के पहुंचने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नजर नहीं आया। उन्हें यह पूरा आयोजन समय की बर्बादी लगा। राहुल और उनकी टीम के 10 लाख लोगों के जुटने के दावे की हकीकत मैदान में दिखाई दे रही थी।

दिल्ली में रामलीला



28 हजार कुर्सियों में 5 से 7 हजार रिक्त रहीं

पात्रा ने दावा किया कि मैदान में करीब 28 हजार कुर्सियां लगाई गई थीं, जिनमें से दोपहर 3:30 से 4 बजे के बीच लगभग 5 हजार से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं।पात्रा ने सवाल उठाया कि अगर रैली में 10 लाख लोगों के आने का दावा किया गया था, तो वे लोग कहां थे? उ दावों और मैदान की वास्तविक स्थिति में अंतर साफ दिखाई दे रहा था।

ऐसे हथकंडों से शीर्ष पद नहीं पा सकते

संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल इस तरह के हथकंडों से कोई नेता या प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री शब्द का अपने अंदाज में अर्थ समझाते हुए कहा कि 'पी' का मतलब पसीना और 'एम' का मतलब मेहनत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के लिए पसीना बहाना और मेहनत करना जरूरी है।

किसी ने राहुल को यहां खरीदारी करते देखा?

पात्रा ने कहा -क्या आपने कभी राहुलजी को चांदनी चौक में खरीदारी करते देखा है? उनका पासपोर्ट देखिए, उस पर वियतनाम की मुहर पहले से लगी हुई है और बैंकॉक, थाईलैंड की भी मुहर लगी है। कहां खरीदारी करेंगे।

यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं, देश के लोगों का है

पात्रा ने कहा कि राहुल जी, यह भारत आपके अब्बू जान का नहीं है। यह भारत देश के लोगों का है। इस लोकतंत्र में एक चाय बेचने वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है और एक सामान्य व्यक्ति भी गृह मंत्री बन सकता है। यही बात आपको परेशान करती है। यह अराजकता का तमाशा है।

दिल्ली में किया था नरसंहार: पुरी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 'दिल्ली में 2,733 लोगों की हत्या हुई थी। उस घटना को दंगा कहा जाता है, लेकिन इसके लिए सही शब्द नरसंहार है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था।



रैली मूर्खतापूर्ण और पूर्व निर्धारित नाटक रही: नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली को मूर्खतापूर्ण एवं पूर्व निर्धारित नाटक करार देते हुए कहा कि यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। यह विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र को अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। नड्डा ने राहुल गांधी का मकसद सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कना है।



एसआईआर में घुसपैठियों का नाम कटा तो राहुल रो रहे: सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शिमला में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में घुसपैठियों का नाम जो काटा गया है इसलिए राहुल गांधी रो रहे हैं। घुसपैठियों को बचाने के लिए वो ड्रामा कर रहे हैं लेकिन देश की जनता घुसपैठियों को कभी मतदाता सूची में नहीं आने देगी और हम पूरी ताकत से चुनाव आयोग और देश की जनता के साथ खड़े हैं। अगर इतना ही बांग्लादेश के लिए प्यार है, तो राहुल जी जाकर चुनाव बांग्लादेश से लड़ो।



कांग्रेस ने 'संविधान चोरी' की : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'वोट चोरी' के विपक्ष के आरोपों को लेकर रविवार को पलटवार करते हुए कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान 'संविधान चोरी' करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश का आरोप लगाया।



लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें

त्योहारी सीजन में खरीदी करें, भाजपा की अफवाह को गलत करें: प्रियंका

रामलीला मैदान में गठबंधन की 'वोट बचाओ महा-रैली' का आयोजन किया गया था, जिसमें कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित विपक्ष के कई बड़े नेता शामिल हुए। रैली से पहले चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री और सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुरोध पर प्रियंका गांधी ने कहा कि यह दिवाली, छठ और भाई दूज का त्योहारी मौसम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली आने वाले लोग रैलियों के साथ-साथ व्यापारियों की छोटी दुकानों से खरीदारी भी करें ताकि उन्हें कोई नुकसान न हो और भाजपा की अफवाहें गलत साबित हों। यह रैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण तथा 'वोट चोरी' के विरोध में बुलाई गई थी।



जमीन बची नहीं, अंगद का पैर कहां रखोगे?



रैली में सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा, 'जबसे यह तय हुआ है कि रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर उन तमाम लोगों को जिन लोगों ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है, उनके खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। अगर मैं यह कहूं कि एक करोड़ 27 लाख वोट कटे हैं, उसका गणित हम लगा दें 403 विधानसभाओं का तो हर विधानसभा में वोट कम हुए हैं। जो लोग तय कर के आए हैं कि अंगद का पैर हैं, वे जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो पैर कहां रखोगे।

ज्ञानेश से लोगों का उनसे भरोसा उठ चुका



कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि ऐसा लगता है कि जनता की आवाज गूंज उठी है। अब समय आ गया है कि ज्ञानेश कुमार जनता की इस आवाज को सुनें। अगर उनमें जरा भी नैतिक विवेक बचा है, तो उन्हें समझना चाहिए कि लोगों का उन पर से भरोसा उठ चुका है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज का विपक्ष पर तंज

राहुल+खरगे+अखिलेश+तेजस्वी+ममता = 0

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी नेताओं पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि इन नेताओं के एक साथ आने पर भी कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि ये सभी जीरो हैं। इन सभी को एड करने पर भी जीरो ही आएगा। पूर्व जज काटजू सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी टिप्पणियों के लिए काफी चर्चित रहते हैं।पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने एक्स पर लिखा, 'आज की रैली में राहुल + खरगे + अखिलेश + तेजस्वी + ममता = 0+0+0+0+0=0'। काटजू ने एक और पोस्ट में इंडिया अलायंस की रैली को लेकर उन पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि किसी ने मुझे मैसेज किया कि वह रामलीला मैदान में है। मैंने जवाब दिया, आप राम का रोल कर रहे हैं या रावण का?

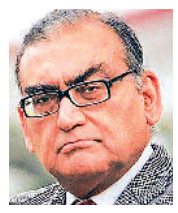

खबर संक्षेप

पंजाब में आप के 2 विधायकों का इस्तीफा

पटियाला। पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पटियाला जिले की समाना विधानसभा सीट से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।



हनी सिंह के 'भतीजे' समेत 2 की मौत

जालंधर। रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। हादसा पुलिस लाइन के पास स्थित फ्लाईओवर पर हुआ, जहां बर्थडे पार्टी से घर लौट रहे युवकों की फॉक्सवैगन कार नगर निगम की खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। कार सवार दो युवकों की जान चली गई।

शाह ने हीरक जयंती में पदक प्रदान किए

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के हीरक जयंती स्थापना समारोह और 'राष्ट्रपति निशान' अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए । लगभग 5 करोड़ से तैयार 141 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



'अर्नब' के बाद अब 'मुरासु' का कई राज्यों में खतरा बढ़ा

बेहद गंभीर तूफान आने की आशंका चलेंगी आंधी, ओडिशा में 'हाईअलर्ट'

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओडिशा सरकार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' बन गया है।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव रविवार को चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया। इसके बाद ओडिशा सरकार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में तैयारियां तेज कर दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' बन गया है। इसके तीन नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। आईएमडी ने बताया कि भारत की ओर से नामित चक्रवात 'मुरासु' के बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके तीन नवंबर की सुबह नेल्लोर और नरसापुर के बीच आंध्र प्रदेश के तट को पार करने का अनुमान है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, जबकि झोंकों के साथ यह 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

जान माल के नुकसान की आशंका

विभाग ने सुरक्षात्मक कदम उठाने की सलाह दी

मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की

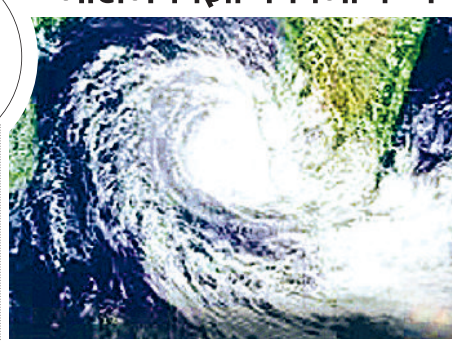

निचले इलाकों से लोगों को निकालने के निर्देश

तूफान के खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, तूफान का असर राज्य में भी पड़ सकता है। इससे पहले चक्रवात 'अर्नब' के कारण ओडिशा के गंजाम और गजपति जिलों में भारी बारिश और बाढ़ आई थी।

ओडिशा के दक्षिणी हिस्से होंगे प्रभावित

ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने दक्षिणी क्षेत्र में पहले ही हाई अलर्ट जारी कर दिया है। सरकार ने निचले इलाकों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा में दो नवंबर से बारिश शुरू होगी। तीन और चार नवंबर को बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है।

मुख्य जानकारियां

- **नाम का अर्थ:** इस तूफान का नाम 'मुरासु' भारत द्वारा सुझाया गया है, जिसका तमिल भाषा में अर्थ 'नगाड़ा' या 'ढोल' होता है।
- **हवा की रफ्तार:** तूफान के दौरान हवा की गति 100 से 110 किमी/घंटा रह सकती है, जो झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है।
- **प्रभावित क्षेत्र और बारिश का अलर्ट:** आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 2 और 3 नवंबर को आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा में भारी से बहुत भारी बारिश (कुछ जगहों पर 200 से 300 मिमी तक) का अलर्ट जारी किया गया है।
- **अन्य राज्य:** 4 नवंबर तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, और कुल कई राज्यों में मौसम प्रभावित रहेगा।
- **प्रशासनिक तैयारी:** आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है और लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सभी को आगाह किया है।

आज केरल समेत इन राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट

विभाग के अनुसार केरल, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने साउथ इंडिया के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी है।

कल आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है तूफान: मौसम विभाग



आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मौसम प्रणाली के चक्रवाती तूफान में बदलने के बाद इसका नाम 'मुरासु' रखा गया है। इसके 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। पहले अनुमान जताया गया था कि तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है और झोंके 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।

रात्रिकालीन रेल संपर्क को बढ़ावा

वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर को रवाना किया



एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु और मुंबई के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई। अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों प्रमुख महानगरों के बीच रात्रिकालीन रेल संपर्क मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि 16 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल से रवाना हुई। यह ट्रेन सोमवार सुबह 6.15 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एचडी कुमारस्वामी, राज्य मंत्री वी सोमन्ना और शोभा करंदलाजे तथा सांसद तेजस्वी सूर्या, पीसी मोहन और सी एन मंजूनाथ सहित कई मौजूद थे। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बताया कि ट्रेन की नियमित सेवाएं मुंबई से बेंगलुरु की दिशा में 2नवंबर से और वापसी 3 नवंबर से शुरू होंगी।

सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी

रेलवे ने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई के बीच ट्रेन संख्या 27652 सोमवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी और यह ट्रेन बेंगलुरु के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से शाम 7.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11.55 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचेगी। इसके मुताबिक वापसी में ट्रेन संख्या 27651 सीएसएमटी मुंबई से रात 8.10 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे एसएमवीटी बेंगलुरु पहुंचेगी। यह सेवा मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी प्रदान की: वैष्णव

वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बेंगलुरु को, जो आईटी और स्टार्टअप की राजधानी है, मुंबई से जोड़ेगी, जो देश की आर्थिक राजधानी है। मैं इसके लिए सभी सांसदों, मंत्रियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, कर्नाटक के लोगों और रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं। यह ट्रेन बेंगलुरु से रवाना होकर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और गुंतकल से गुजरेगी तथा इसके बाद फिर कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कर्नाटक में यह रायचूर, यादगीर और कलबुर्गी होते हुए महाराष्ट्र पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन महाराष्ट्र के सोलापुर, पुणे और कल्याण से गुजरते हुए मुंबई पहुंचेगी। यह ट्रेन उत्तर कर्नाटक के कई ऐसे क्षेत्रों को रेल संपर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं थी।

रामलीला मैदान की रैली के लिए देशभर से पहुंचे कार्यकर्ता, ठहरने और खाने-पीने के इंतजाम में जुटे प्रदेश संगठन

ऐसे डाला कांग्रेसियों ने डेरा, राज्य भवनों से सांसदों के आवास तक बनी अस्थायी राजनीतिक सराय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की 'चलो दिल्ली' रैली का असर राजधानी के राजनीतिक और आवासीय इलाकों में भी दिखाई दिया। देश के अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के पहुंचने के साथ दिल्ली में उनके ठहरने, खाने-पीने और रैली स्थल तक पहुंचाने की बड़ी व्यवस्था करनी पड़ी।

राज्य भवनों, सांसदों के सरकारी आवासों, होटलों और गेस्ट हाउसों के आसपास कार्यकर्ताओं की आवाजाही बढ़ गई। राजनीतिक रैली के बहाने राजधानी में कई राज्यों के संगठनात्मक नेटवर्क भी सक्रिय दिखाई दिए।

छत्तीसगढ़ से भूपेश बघेल के नेतृत्व में लामबंदी, कई राज्यों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने राजधानी में डाला डेरा



हिमाचल भवन में सबसे ज्यादा हलचल

मंडी हाउस स्थित हिमाचल भवन रविवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के जुटान का प्रमुख केंद्र बना रहा। हिमाचल प्रदेश से आए कार्यकर्ता यहां एकत्र हुए और समूहों में रामलीला मैदान के लिए रवाना हुए। हिमाचल कांग्रेस ने लगभग 15 हजार कार्यकर्ताओं को दिल्ली लाने का लक्ष्य रखा था। इसके लिए करीब 156 बसों और 500 से अधिक छोटी गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी। कार्यकर्ताओं के ठहरने के लिए हिमाचल भवन के अलावा पहाड़गंज, मुरथल और अन्य स्थानों का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सहित प्रदेश के कई नेताओं ने इंतजाम संभाला।

मप्र के सांसद का आवास बना केंद्र

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने भी दिल्ली में कार्यकर्ताओं के ठहरने और परिवहन के लिए विशेष योजना बनाई थी। प्रदेश से आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए राज्यसभा सांसद अशोक सिंह के दिल्ली स्थित सरकारी आवास को प्रमुख समन्वय केंद्र बनाया गया। यहां से कार्यकर्ताओं को एक साथ रामलीला मैदान पहुंचाने की योजना थी। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के जिलों को विशेष लक्ष्य दिया गया था। कार्यकर्ताओं की अलग पहचान के लिए विशेष रंग के पट्टे पहनाने की व्यवस्था भी की गई थी। मध्य प्रदेश भवन में कार्यकर्ताओं के ठहरने का इंतजाम किया गया था।

ठहरने, भोजन की व्यवस्था के लिए समितियां

दिल्ली कांग्रेस ने रैली के प्रबंधन के लिए 20 समितियां गठित की थीं। आवास, परिवहन, खानपान और सफाई से लेकर आयोजन स्थल की व्यवस्था तक अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। विभिन्न राज्यों से आए कार्यकर्ताओं के कारण मंडी हाउस, पहाड़गंज और मध्य दिल्ली के कई इलाकों में राजनीतिक गतिविधियां बढ़ीं। इस तरह रामलीला मैदान की रैली केवल एक दिन का राजनीतिक आयोजन नहीं रही, बल्कि उसके लिए राजधानी में कई दिनों तक संगठन, आवास और परिवहन का व्यापक नेटवर्क सक्रिय रहा।

हरियाणा के नेताओं ने संभाली कमान

हरियाणा में भी रैली को लेकर व्यापक लामबंदी की गई। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और दीपेंद्र हुड्डा सहित वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की जिम्मेदारी संभाली। दिल्ली में हुड्डा के आवास पर हरियाणा कांग्रेस के नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें सांसदों, विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों ने तैयारियों की समीक्षा की। हरियाणा कांग्रेस ने रैली में लाखों लोगों को लाने का दावा किया।

छत्तीसगढ़ से भी पहुंचे नेता और कार्यकर्ता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी रैली से पहले प्रदेश में कार्यकर्ताओं को जुटाने और चुनावी मुद्दों पर जनसमर्थन तैयार करने की मुहिम चलाई थी। उन्होंने रैली से पहले भाजपा और चुनाव आयोग पर कथित वोट चोरी को लेकर आरोप लगाए थे। छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं के लिए दिल्ली में किस सरकारी भवन या गेस्ट हाउस में कमरे आरक्षित किए गए।

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स की बिक्री में 23 फीसदी का उछाल



नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 75,426 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल के इसी महीने में कुल 61,295 वाहन बेचे थे। पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की उसकी बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 73,894 इकाई हो गई।

एचएमएसआई की कुल बिक्री में 13 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रविवार को कहा कि घरेलू बाजार और निर्यात को मिलाकर अक्टूबर में उसकी कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 7.34 लाख इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने अक्टूबर, 2025 में 6.50 लाख इकाइयां बेची थीं। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 5.98 लाख इकाई से 6.64 लाख इकाई हो गई, जबकि निर्यात 35 प्रतिशत बढ़कर 51,644 इकाई से 69,735 इकाई पर पहुंच गया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री 19 फीसदी बढ़ी



नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई। कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है।

'निष्क्रिय' कंपनियों को बाजार से हटाने काम कर रहा सेबी : पांडेय

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों को शेयर बाजार से हटाने के लिए काम कर रहा है, जो वास्तव में किसी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में शामिल नहीं हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी कंपनियों की बाजार में मौजूदगी निवेशकों के लिए संभावित खतरा बन सकती है।

पांडेय ने कहा कि शेयर बाजार में कई ऐसी कंपनियां सूचीबद्ध हैं, जिनकी कोई वास्तविक कारोबारी गतिविधि नहीं है।

इन कंपनियों के शेयरों का इस्तेमाल कुछ बाजार संचालक कीमतों में कृत्रिम तेजी लाने और बाद में शेयर बेचकर मुनाफा कमाने यानी 'पंप एंड डंप' गतिविधियों के लिए करते हैं। इससे छोटे और खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी कंपनियों को बाजार से हटाना जरूरी है।

सेबी चेयरमैन ने कहा, कृत्रिम तेजी लाने में उपयोग किया जा रहा

कुछ कंपनियां अब भी चिंता का विषय

लघु एवं मझोला उद्यम (एसएमई) कंपनियों की सूचीबद्धता व्यवस्था पर पांडेय ने कहा कि नियामक ने इस ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परामर्श पत्र के माध्यम से कई बदलाव प्रस्तावित किए हैं। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पुरानी सूचीबद्ध कंपनियों में से कुछ अब भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं

कंपनियों की कमाई की संभावनाएं, नए क्षेत्रों का विकास, मुद्रा विनिमय दरों में बदलाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें और वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल भी उनके निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

पांडेय के अनुसार, सेबी का प्रयास भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों के लिए पंजीकरण से लेकर निवेश जारी रखने तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुगम बनाना है।



जोखिम की सीमा तय करने पर होगा विचार

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के संदर्भ में पांडेय ने कहा कि नियामक आने वाले कुछ सप्ताह में एक और परामर्श पत्र जारी कर सकता है। इसमें खासतौर पर खुलासा संबंधी नियम और एक ही जगह निवेश या जोखिम की सीमा संबंधी प्रस्ताव को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया के विभिन्न बाजारों में निवेश करते हैं।

निवेशकों को फंसाए जाने का जोखिम

सोशल मीडिया और विभिन्न ऑनलाइन समूहों के माध्यम से निवेशकों को ऐसे शेयरों में फंसाए जाने का जोखिम बना रहता है। इससे निपटने के लिए सेबी कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का इस्तेमाल कर संदिग्ध खातों और गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं।

पिछले वित्त वर्ष के समान अवधि के मुकाबले 63.3 फीसदी अधिक

तीन सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों को दूसरी तिमाही में 30,106 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की तीन सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल 30,106 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 68.3 प्रतिशत अधिक है।

कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भंडारण लाभ की अहम भूमिका रही। हालांकि, पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे नुकसान और एलपीजी सब्सिडी की बढ़ती बकाया राशि ने कंपनियों की चिंता बढ़ा रखी है। तीनों कंपनियों का सितंबर तिमाही का संयुक्त मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले काफी अधिक रहा। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों को संयुक्त रूप से लगभग 18,150 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस तरह दूसरी तिमाही में कंपनियों ने जोरदार वापसी की है। खास बात यह है कि सितंबर तिमाही का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 में तीनों कंपनियों के कुल 77,281 करोड़ रुपये के लाभ का करीब 39 प्रतिशत है।

तीनों कंपनियों के प्रदर्शन में इंडियन ऑयल सबसे आगे रही। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 21,630 करोड़ रुपये का अबतक का सर्वाधिक एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के 7,610 करोड़ रुपये का करीब तीन गुना है। यह कंपनी के पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के 36,802 करोड़ रुपये के मुनाफे का लगभग 59 प्रतिशत है।

चालू वित्त वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध मुनाफा कमाया

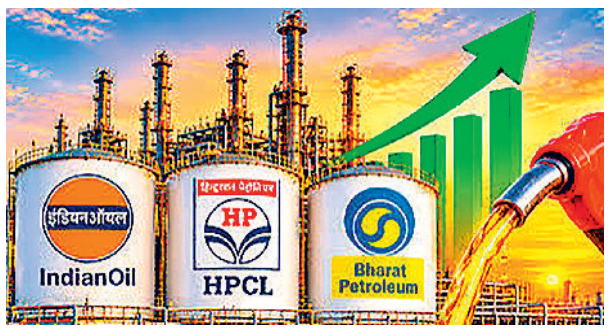

रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार से मुनाफा बढ़ा

दूसरी ओर, बीपीसीएल का एकल शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत घटकर 4,993 करोड़ रुपये और एचपीसीएल का मुनाफा नौ प्रतिशत कम होकर 3,483 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले की समान तिमाही में इन दोनों कंपनियों का मुनाफा काफी ऊंचा रहा था। कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार रहा।

सिलेंडर पर नुकसान 370 रुपए पहुंचने का अनुमान

आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने निवेशकों के साथ बातचीत में कहा कि एलपीजी पर प्रति सिलेंडर नुकसान सितंबर में 184 रुपये था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। नवंबर में इसके 309 रुपये और दिसंबर में 370 रुपये प्रति सिलेंडर तक पहुंचने का अनुमान है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बाजार के अनुरूप तय करने की व्यवस्था है, इसलिए इनकी बिक्री पर होने वाला नुकसान कंपनियों को खुद उठाना पड़ता है।

कीमतों में गिरावट से 7000 करोड़ रुपए का भंडारण लाभ

इसके अलावा, जून के मध्य से अगस्त के मध्य के बीच कच्चे तेल की कीमतों में अस्थायी गिरावट से कंपनी को करीब 7,000 करोड़ रुपये का भंडारण लाभ हुआ। हालांकि, कंपनियों की वित्तीय स्थिति का दूसरा पहलू भी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मई से स्थिर बनी हुई हैं, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम मार्च से नहीं बदले हैं।

कीमतों में बदलाव नहीं होने से उठाना पड़ रहा नुकसान

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं होने से कंपनियों को बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पिछले महीने तक कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर चार से पांच रुपये और डीजल पर 18 से 20 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था। एलपीजी के मोर्चे पर भी कंपनियों का घाटा लगातार बढ़ रहा है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव पर निवेशकों की रहेगी नजर

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से संघर्ष की आशंका बढ़ने सहित भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं पर भी बाजार के निवेशकों की नजर रहेगी।



रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह बाजार का ध्यान सितंबर तिमाही के नतीजों, प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगा। निवेशक कंपनियों के प्रदर्शन का आकलन करेंगे और यह देखेंगे कि क्या उनकी आय में लगातार वृद्धि, लाभ मार्जिन में मजबूती और मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों के नतीजों से ऋण वृद्धि, जमा जुटाने और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता का पता चलेगा, जबकि वाहन, उपभोक्ता और औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों के नतीजे घरेलू मांग की स्थिति का व्यापक आकलन करने में मदद करेंगे।

रिलायंस को बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला

कंपनी के तेल से रसायन कारोबार को वैश्विक स्तर पर ईंधन के बढ़े हुए मार्जिन का फायदा मिला, जबकि दूरसंचार कारोबार की वृद्धि ने खुदरा कारोबार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की भरपाई की। जियो प्लेटफॉर्म्स ने शुक्रवार को बताया कि सितंबर, 2026 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 13.7 प्रतिशत बढ़कर 8,389 करोड़ रुपये रहा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पीआई इंडस्ट्रीज ने पेश किया पहला स्वदेशी कीटनाशक मॉलिक्यूल पियोक्सैनिलिप्रोले

नई दिल्ली। भारतीय कृषि विज्ञान के लिए एक ऐतिहासिक मौके पर पीआई इंडस्ट्रीज ने आज पियोक्सैनिलिप्रोले पेश किया। यह भारत में खोजा गया पहला स्वदेशी कीटनाशक मॉलिक्यूल है, जिसे एक दशक से अधिक समय तक चले मौलिक शोध, लगातार निवेश और वैज्ञानिक नवाचार के जरिए विकसित किया गया है। यह उपलब्धि पीआई और भारत के फसल सुरक्षा उद्योग, दोनों के लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पियोक्सैनिलिप्रोले इस बात का सबूत है कि भारत अब नई वैज्ञानिक खोजों की शुरुआत करने और अपनी खुद की बौद्धिक संपदा रचने में तेजी से सक्षम होता जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पाँचवे दिन, 30 अक्टूबर 2026 को, सतर्कता अधिकारियों और निरीक्षकों की टीमों ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों दिल्ली जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर यात्री प्रतिक्रिया सर्वेक्षण किया ।

"बहुत जल्द उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर आने वाला है : अश्विनी वैष्णव"

नई दिल्ली। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने आज दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 को काशी रेलवे स्टेशन एवं नमो गंगा रेल सह सड़क ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा निर्माणाधीन नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म एवं अन्य यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। आज श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि "माननीय प्रधानमंत्री ने उत्तरी बुलेट कॉरिडोर को मंजूरी दे दी हैं। उत्तर प्रदेश में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर जल्द आने वाला है। ये बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली से गुवाहाटी तक तैयार होगा। यह उत्तरी कॉरिडोर के आने से दिल्ली और आगरा की बीच की दूरी महज 59 मिनट की रह जाएगी,दिल्ली से कानपुर के बीच की दूरी 1 घंटा 59 मिनट होगी,दिल्ली से लखनऊ की बीच की दूरी 2 घंटे 12 मिनट होगी,काशी से लखनऊ के बीच की दूरी 1 घंटे 21 मिनट होगी और काशी से पटना 1 घंटे में पहुंचा जा सकेगा,काशी से अगर दिल्ली की बात करें तो 3 घंटे 35 मिनट में पहुंचा जा सकेगा,वाराणसी से आगरा की अगर बात करें तो 2 घंटे 24 मिनट में पहुंचा जा सकेगा । बुलेट ट्रेन अमीरों के लिए नहीं बल्कि गरीब और मध्यम परिवार के लोगों के लिए भी है। विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि किराया बहुत होगा किराया की जहां तक बात है फ्लाइट से भी कम होगी ।"



अक्टूबर में हुआ दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली। देश का जीएसटी संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 22.9 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह अक्टूबर में पिछले चार वर्षों की सबसे तेज वृद्धि है। इसी के साथ यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी संग्रह है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में रिकॉर्ड करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था। रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, आयात से मिलने वाले जीएसटी में तेज बढ़ोतरी ने कुल संग्रह को मजबूत किया। अक्टूबर में आयात से मिलने वाला कर 42.2 फीसदी बढ़कर 72,246 करोड़ रुपये रहा, जबकि घरेलू जीएसटी संग्रह 15.8 फीसदी बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। खास बात ये है कि चालू वित्त वर्ष में यह चौथा महीना है, जब सरकार को दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी मिला है। जुलाई में संग्रह 2.11 लाख करोड़ और सितंबर में 2.04 लाख करोड़ रुपये रहा था। अक्टूबर के कुल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का योगदान 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।



पावरग्रिड ने केंद्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में जागरूकता रैली का आयोजन किया

गुरुग्राम। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत अपने केंद्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है, जिसकी थीम "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" है। यह थीम सतत विकास और राष्ट्रीय समृद्धि प्राप्त करने में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती है। इस जागरूकता रैली का नेतृत्व श्री वम्सी राम मोहन बुर्रा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावरग्रिड ने किया। इस अवसर पर डॉ. यतींद्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक), श्री नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (प्रचालन), श्री अमोल टावरी, निदेशक (वित्त), श्री अखिलेश पाठक, निदेशक (परियोजनाएं), श्री नवीन कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पंकज पांडेय, ओएसडी (प्रचालन), श्री संजय कुमार गुप्ता, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एआईसीटीई ने तकनीकी शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए चार योजनाएं शुरू कीं



नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अवसंरचना विकास एवं क्षमता निर्माण (आईडीसी) पहल के अंतर्गत चार योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य संस्थानों के शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, व्यावहारिक शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना, शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआईसीटीई पात्र संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। शुरू की गई चार योजनाओं में आइडिया लैब, सम्मेलन आयोजन अनुदान (जीओसी), परिणाम-आधारित प्रणाली के लिए आधुनिकीकरण एवं पुनर्गठन (मॉडरोब्स) तथा मार्गदर्शन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से नवाचार, व्यावहारिक शिक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास और संस्थागत मार्गदर्शन के लिए एक सशक्त व्यवस्था विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. योगेश सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "ये चारों योजनाएं देश की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आइडिया लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को नए विचार विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक समाधानों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि हम अपनी शिक्षण पद्धतियों पर नए सिरे से विचार करें, प्रयोगों को बढ़ावा दें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नवीन डबास, पुत्र स्वर्गीय श्री जय प्रकाश निवासी मकान नं. 345, बलबीर प्रधान वाली गली, वीपीओ कंझावला ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 265/2013 भा.व.सं. की धारा 279/338 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये **गिरफ्तारी** के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **नवीन डबास** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **नवीन डबास** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 265/2013 भा.व.सं. की धारा 279/338 के तहत, थाना बेगमपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नवीन डबास** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.12.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा जिंदल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
उत्तर-पश्चिम, कमरा नं. 101
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/15739/RD/2026

शब्द पहेली - 6396

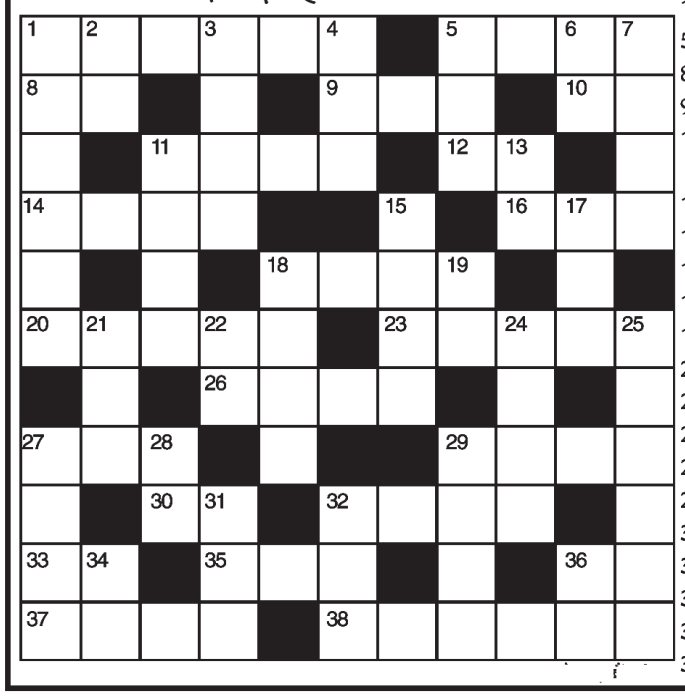

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6395 का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

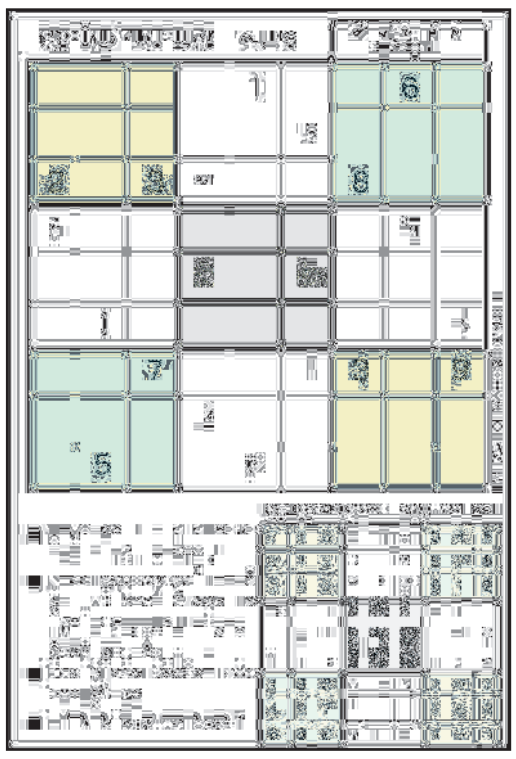

वियना ओपन : नंबर एक का ताज पहनने से पहले हारे ज्वेरेव



एजेंसी ▶▶| वियना

अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पहली बार विश्व का नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी का ताज पहनने से पहले हार का सामना करना पड़ा। ज्वेरेव एर्स्टे बैंक ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्स डी मिनौर से हारने के के कारण अपनी इस उपलब्धि को यादगार नहीं बना पाएंगे।

डी मिनौर ने निर्णायक टाईब्रेक में शुरुआती 3-0 की बढ़त बनाने के बाद 6-4, 1-6, 7-6 (4) से जीत हासिल की। इससे उनकी सत्र के आखिरी टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना बढ़ गई हैं। ज्वेरेव सोमवार को यानिक सिनर की जगह नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। यह जर्मन खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले 30वें खिलाड़ी होंगे। फाइनल में डी मिनौर का सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने दूसरे सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव को 6-4, 7-6 (2) से हराया।

स्विस इंडोर : फाइनल में वाचेरोट की लेहेका से भिड़ंत



बासेल। वैलेंटीन वाचेरोट ने अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6 (5), 6-3 से हराकर स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। मोनाको के वाचेरोट ने अपने करियर के दूसरे और 2026 में पहले फाइनल में प्रवेश किया। वह इससे पहले पिछले साल शंघाई मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्होंने खिताब जीता था। फाइनल में उनका मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। चेक गणराज्य के आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लेहेका ने जर्मनी के जान लेनार्ड स्ट्रफ को 3-6, 7-5, 6-4 से हराया। स्ट्रफ ने इससे पहले नोवाक जोकोविच को हराकर उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

टीम इंडिया ने 3-2 से जीती सीरीज

न्यूजीलैंड ने 7 विकेट से जीता आखिरी टी-20

एजेंसी ▶▶| हैमिल्टन

भारत को टिम सीफर्ट को शुरू में ही जीवनदान देना महंगा पड़ा क्योंकि इस सलामी बल्लेबाज ने इसका पूरा फायदा उठाकर 50 गेंद पर 93 रन की तूफानी पारी खेली, जिससे न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दो ओवर शेष रहते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की।

भारत पहले तीन मैच जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुका था। इस तरह से उसने श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की। सीफर्ट जब 13 रन पर खेल रहे थे तब नमन धीर ने उनका आसान कैच टपका दिया। उन्होंने इसके बाद 11 चौकों और 5 छक्कों से सजी अपनी पारी से भारतीय गेंदबाजों को पस्त किया। ग्लेन फिलिप्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 38 गेंद पर नाबाद 65 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में 3 विकेट पर 195 रन बनाकर 4 नवंबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की।

श्रेयस और ईशान ने लगाए अर्धशतक

भारत ने श्रृंखला में पहली बार टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (23 गेंद पर 50, 3 चौके, 4 छक्के) और ईशान किशन (32 गेंद पर 61, 5 चौके, 5 छक्के) के बीच 107 रन की साझेदारी की मदद से 8 विकेट पर 191 रन बनाए। भारत को अपेक्षाकृत कम स्कोर पर रोकने में एडम मिल्ने ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट लिए। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। अर्शदीप सिंह ने फिन एलन को जल्द ही चलता कर दिया। उन्हें अपने अगले ओवर में सीफर्ट का विकेट भी मिल जाता लेकिन नमन ने उन्हें जीवनदान दिया। उन्होंने इसका जश्न छक्का लगाकर मनाया। डेरिल मिचेल (16 गेंद पर 29, चार छक्के) ने प्रिंस यादव का स्वागत लगातार दो छक्के लगाकर किया जबकि सीफर्ट ने पावर प्ले के आखिरी ओवर में भुवनेश्वर पर दो चौके और दो छक्के लगाकर 20 रन बटोरे।



न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में बनाए 59 रन

न्यूजीलैंड ने इस तरह से पावर प्ले में विकेट पर 59 रन बनाए। श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल को आउट करके सीफर्ट के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी तोड़ी। सीफर्ट ने नीतीश कुमार रेड्डी पर छक्का लगाकर 34 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। नीतीश ने सीफर्ट को बोल्ड करके उन्हें अपने करियर का पहला शतक नहीं बनाने दिया लेकिन तब तक वह फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा चुके थे। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की। फिलिप्स ने अर्शदीप पर चौका लगाकर 29 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

फिलिप्स ने सीरीज में बनाए सर्वाधिक रन

फिलिप्स ने इस श्रृंखला में 341 रन बनाए, जो किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले भारतीय पारी तीन चरणों में गुजरी। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही लेकिन बीच के ओवरों में उसने तेजी से रन बनाए और डेथ ओवरों में फिर से कुछ खास नहीं कर पाए।

भारत ने न्यूजीलैंड से जीती लगातार छठी सीरीज

भारत ने हालांकि न्यूजीलैंड के सामने लगातार छठी टी20 सीरीज जीती। उसने इस टीम के सामने 2019 के बाद से इस फॉर्मेट में सीरीज नहीं गंवाई है। तब से भारत ने तीन बार घर और तीन बार बाहर कीवी टीम के सामने टी20 सीरीज जीती है। 2019 के बाद से दोनों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कुल 24 मैच हुए हैं। इनमें से 18 भारत ने जीते व चार गंवाए हैं। दो के नतीजे नहीं निकले।

ईशान ने तोड़ा रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

ईशान किशन ने टी20आई में अपने 2000 रन 69 पारियों में पूरे किए और उन्होंने रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। रोहित शर्मा ने ये उपलब्धि अपने 77वें मैच में हासिल किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने टी20आई में 2000 रन 56 पारियों में पूरे किए थे जबकि रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने रन के इस आंकड़े को 56 पारियों में छू लिया था।



खबर संक्षेप

सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों का रंगारंग उद्घाटन



डकार। सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति से सरोबार युवा ओलंपिक खेलों का रंगारंग उद्घाटन किया गया। यह पहला अवसर है जबकि अफ्रीका महाद्वीप में किसी ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सेनेगल की राजधानी डकार के पास स्थित डायम्नियाडियो ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में हजारों दर्शकों ने भाग लिया। सैकड़ों ढोल वादकों और नर्तकों ने खेलों के आदर्श वाक्य, 'अफ्रीका स्वागत करता है, डकार जश्न मनाता है' की तर्ज पर सेनेगल और अफ्रीकी संस्कृति की शानदार झलक पेश की। उद्घाटन समारोह में पश्चिम अफ्रीका का मौखिक कथावाचन, सेनेगल के गायकों के संगीत कार्यक्रम और खिलाड़ियों की परेड देखने को मिली।

फिट इंडिया साइकिलिंगः 500 से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा



अहमदाबाद। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित 'फिट इंडिया-संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 97वें सत्र में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कर्मियों सहित 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रयास के आदर्शों की भावना के अनुरूप किया गया। पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के गांधीनगर क्षेत्रीय केंद्र ने फिट इंडिया मूवमेंट और माई भारत के सहयोग से वीर सावरकर खेल परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

■ मैथ्यू बॉयल ने ठोका नाबाद शतक, फॉक्सक्रॉफ्ट ने लगाया अर्धशतक

न्यूजीलैंड ए ने की भारत ए के खिलाफ वापसी

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

मैथ्यू बॉयल के नाबाद शतक और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ए ने रविवार को भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन खराब शुरुआत से उबरते हुए 3 विकेट पर 218 रन बनाए।

बॉयल 148 गेंदों पर 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया है। फॉक्सक्रॉफ्ट 180 गेंदों पर 80 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी पारी में नौ चौके शामिल हैं। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 205 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड की टीम को वापसी दिलाई।

भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाए 346 रन

इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान ध्रुव जुरेल (105) के शतक की मदद से अपनी पहली पारी में 346 रन बनाए। इस तरह से भारत अभी न्यूजीलैंड से 128 रन आगे है। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 13 रन था। मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार ने उसे शुरुआती झटके दिए। सिराज ने कप्तान राइस मारियू (04) को आउट किया, जिन्हें जुरेल ने विकेट के पीछे कैच किया।



सबसे सफल गेंदबाज रहे मुकेश

भारतीय गेंदबाजों में मुकेश सबसे सफल रहे। उन्होंने अब तक 16 ओवरों में 44 रन देकर दो विकेट लिए हैं जबकि सिराज ने अपने 16 ओवरों में 49 रन देकर एक विकेट लिया है। वाशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को कोई विकेट नहीं मिला।इससे पहले भारत ए में सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 291 रन से आगे बढ़ाई और इसमें 55 रन जोड़े। पहले दिन 99 रन पर खेलने वाले जुरेल ने अपना शतक पूरा किया लेकिन इसके बाद वह जल्द ही आउट हो गए। उन्होंने 171 गेंदों का सामना किया और 11 चौके और तीन छक्के लगाए। आकाश दीप ने बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नामीबिया ने रचा इतिहास आयरलैंड को 5 विकेट से हराया

विंडहोक। नामीबिया ने आयरलैंड के खिलाफ रविवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वनडे सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच को 5 विकेट से जीता। इसी के साथ नामीबिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की।

ऐसा पहली बार था, जब नामीबिया ने किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ सीरीज जीती।आयरलैंड ने वनडे सीरीज का पहला मैच 55 रन से अपने नाम किया था, जिसके बाद नामीबिया ने अगले दो मैच 31 रन और 63 रन से जीते। हालांकि, आयरलैंड ने चौथा मुकाबला 130 रन से जीतकर सीरीज को रोमांचक बना दिया, जिसके बाद नामीबिया ने अंतिम मैच को अपने नाम करते हुए सीरीज जीत ली।

हांगकांग सिक्सेस 2026 : भारत की बांग्लादेश के खिलाफ रोमांचक जीत

■ अफगानिस्तान ने जीता ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब

एजेंसी ▶▶| हांगकांग



भारत ने हांगकांग सिक्सेस 2026 में अपने अभियान का समापन जीत के साथ किया जब टीम ने यहां बाउल डिवीजन के प्लेऑफ मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। भारत ने 117 रन का लक्ष्य मैच की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

अफगानिस्तान ने रोमांचक फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर पहली बार हांगकांग सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरे बांग्लादेश ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले ओवर में 24 रन बनाए। हालांकि भारतीय कप्तान कृणाल पंड्या ने अपने दो ओवर के स्पेल में तीन विकेट लेकर विपक्षी टीम की रफ्तार पर अंकुश लगाया। उन्होंने शब्बीर रहमान, एम चौधरी और मोहम्मद रिजवान को आउट किया। बांग्लादेश के कप्तान अबू हैदर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंद में नाबाद 62 रन बनाए। बांग्लादेश ने छह ओवर में 116 रन बनाए।

शशांक ने महज 15 गेंद में ठोक 50 रन

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शशांक सिंह और राहुल त्रिपाठी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। त्रिपाठी ने 12 गेंद में 32 रन बनाए, जबकि शशांक ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए महज 15 गेंद में 50 रन ठोक दिए। उनकी पारी में एक चौका और सात छक्के शामिल थे।

हाइलो ओपन

सिंधू ने जीता खिताब, केयर्सफेल्ड को 39 मिनट में दी शिकस्त



एजेंसी ▶▶| सारब्रकेन

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को डेनमार्क की विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज लाइन होजमार्क केयर्सफेल्ड को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया, जो मौजूदा सत्र का उनका दूसरा खिताब है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पांच लाख डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के 39 मिनट तक चले फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त केयर्सफेल्ड को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी। जुलाई में जापान ओपन में खिताब जीतने वाली और पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने पूरे मुकाबले में शानदार नियंत्रण और दमदार खेल का प्रदर्शन किया। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने इस जीत के साथ 9,200 रैंकिंग अंक हासिल किए और सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की अपनी दावेदारी मजबूत की।

सिंधू ने की आत्मविश्वास के साथ शुरुआत

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू का फाइनल से पहले केयर्सफेल्ड के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 6-1 था। डेनमार्क की खिलाड़ी को उनके खिलाफ एकमात्र जीत 2025 सुदीरमन कप फाइनल्स में मिली थी। सिंधू ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की लेकिन उनकी कुछ गलतियों के कारण डेनमार्क की खिलाड़ी 3-3 से बराबरी हासिल करने में सफल रही। केयर्सफेल्ड ने रैलियों को लंबा खींचने की कोशिश की लेकिन सिंधू के चतुराई भरे शॉट और नेट पर शानदार खेल ने उन्हें 8-5 की बढ़त दिला दी और भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।भारतीय खिलाड़ी ने कोर्ट के पिछले हिस्से से सटीक पुश शॉट लगाकर 14-11 की बढ़त बनाई और फिर शानदार बैकहैंड विनर के साथ स्कोर 17-12 कर दिया।

सिंधू ने रखी अपनी मजबूत स्थिति बरकरार

केयर्सफेल्ड ने वापसी करते हुए स्कोर 6-7 किया लेकिन इसके बाद वह दो शॉट बाहर मार बैठीं। सिंधू ने एक और विनर लगाकर अपनी बढ़त को 10-6 किया। सिंधू ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखते हुए स्कोर 17-11 किया जबकि डेनमार्क की खिलाड़ी को नेट पर अपने खेल को लेकर जूझना पड़ा। सिंधू ने आक्रामक रिटर्न शॉट के साथ छह चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर केयर्सफेल्ड की गलती का फायदा उठाकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया।

चेन्नई ओपन में भारतीय खिलाड़ियों के पास आखिरी मौका

वैष्णवी-सहजा-माया घरेलू कोर्ट पर दिखाएंगी दम

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

डब्ल्यूटीए के मुख्य टूर कैलेंडर से भारत की मेजबानी छिनने की आशंका के बीच सोमवार से शुरू होने वाले चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वैष्णवी अडकर, सहजा यमलापल्ली और माया राजेश्वरन रेवती के पास अपने घरेलू मैदान पर छाप छोड़ने का आखिरी मौका होगा।

इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट के एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है और वह इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे क्योंकि उन्हें पता है कि यह टूर्नामेंट देश में डब्ल्यूटीए 250 स्तर का अंतिम टूर्नामेंट है। विश्व रैंकिंग में शीर्ष 300 से बाहर चल रही इन तीनों खिलाड़ियों के लिए डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंटों में सीधे प्रवेश पाना अभी दूर की कौड़ी है। घरेलू टूर्नामेंट होने के कारण उन्हें वाइल्ड कार्ड से अपना कौशल दिखाने का मौका मिला है। उन्हें हालांकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का डटकर सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।



माया ने दिया प्रतिभा का परिचय

सत्रह वर्षीय माया विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं है। माया ने हाल ही में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट में अपना पहला पेशेवर एकल खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने फाइनल में स्पेन की सेलिया सेर्विनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराया और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने लागोस में युगल खिताब भी जीता।चेन्नई ओपन के पिछले दो टूर्नामेंट में कोई भी भारतीय खिलाड़ी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया और इस बार उनका लक्ष्य इससे आगे बढ़ना होगा।

वैष्णवी का सामना बुरेज से

वैष्णवी ब्रिटेन की जोडी बुरेज (विश्व रैंकिंग 471) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जबकि सहजा स्विट्जरलैंड की सिमोना वाल्टरट (128) का सामना करेंगी। माया का मुकाबला पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 106वें स्थान पर कातारजीना कावा से होगा। पिछले कुछ दिनों में कई खिलाड़ियों के नाम वापस लेने के बाद इस प्रतियोगिता की चमक फीकी पड़ गई है। टूर्नामेंट से हटने वालों में थाईलैंड की विश्व में 57वें नंबर की खिलाड़ी लैनलाना तारारुदी, कजाकिस्तान की विश्व में 67वें नंबर की खिलाड़ी यूलिया पुतिनत्सेवा और जर्मनी की विश्व में 70वें नंबर की खिलाड़ी तात्याना मारिया शामिल हैं।



पीएम एंडी ने कहा- पहले जो भी क्रूरता की गई है उसकी छाप अभी मिटी नहीं है

गुलामों के व्यापार को लेकर भारत समेत 56 देशों से माफी मांगेगा ब्रिटेन, लेकिन मुआवजा नहीं देगा

■ गलती का अहसास होने पर 1833 में ब्रिटेन की संसद ने गुलामी को गैरकानूनी घोषित किया
■ गुलामों के व्यापार से ब्रिटेन ने सबसे ज्यादा पैसा कमाया

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा है कि वह गुलामों के व्यापार को लेकर सभी कॉमनवेल्थ देशों से माफी मांगने को तैयार हैं लेकिन उन्होंने मुआवजा देने से साफ इनकार किया है।

एजेंसी ▶▶ लंदन



कॉमनवेल्थ समिट में शामिल होने से पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ट्रांस अटलांटिक स्वेल ट्रेड यानी गुलामों के व्यापार को लेकर वह खुले मन से माफी मांगने को तैयार हैं।हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके लिए वह कोई भी मुआवजा चुकाने के लिए तैयार नहीं हैं। द गार्डियन में लेख के माध्यम से यूके के प्रधानमंत्री ने यह बात कही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि गुलामों के व्यापार को लेकर भारत समेत 56 देशों से माफी मांगने को तैयार है लेकिन मुआवजा नहीं देगा।

लोगों के दर्द का अहसास ब्रिटेन को है

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा कि उन्हें लोगों के उस दर्द का एहसास है जो कि उन्होंने झेला है। इसका उन्हें बहुत दुख है। एंडी ने कहा कि पहले जो भी क्रूरता की गई है उसकी छाप अभी मिटी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुआवजा बांटना इसका कोई समाधान नहीं है। यह एक अत्याचार के बदले दूसरी तरह का अत्याचार ही कहा जाएगा। क्योंकि ब्रिटेन के आज के लोगों को इन घटनाओं का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इस समय ब्रिटेन के किंग चार्ल्स कैरेबियन देशों के दौरे पर निकले हैं।

मारे गए लगों को श्रद्धांजलि दी

चार्ल्स ने बहामास में भी गुलामी का जिक्र किया था और ब्रिटेन के शासनकाल में मारे गए लगों को श्रद्धांजलि दी थी। अब तक ब्रिटेन की ओर से कभी इस तरह की माफी नहीं मांगी गई। हालांकि इस मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए अब ब्रिटेन ने माफी मांगनी ही ठीक समजा। ब्रिटेन का कहना है कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि गुलामों के व्यापार से उसने पैसा कमाया लेकिन बाद में इसे बंद करने में भी उसने भूमिका निभाई। 1833 में ब्रिटेन की संसद ने गुलामी को गैरकानूनी घोषित किया था। संसद में इस तरह का प्रस्ताव पास होने के बाद भी ब्रिटेन ने दूसरे देशों पर राज करना नहीं छोड़ा और उनका शोषण करता रहा।

पीएम मोदी से मिलने और उनसे बात करेंगे पीएम एंडी बर्नहम

जल्द भारत आ सकते हैं बर्नहम

ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम भारत का दौरा करने के इच्छुक हैं और जल्द ही उनकी यात्रा हो सकती है। एक शीर्ष राजनयिक ने बृहस्पतिवार को दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी का उल्लेख करते हुए यह जानकारी दी। भारत में कार्यवाहक ब्रिटिश उच्चायुक्त बेन मेलर के मुताबिक पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान, बर्नहम ने भारत आने की अपनी इच्छा जताई थी। मेलर ने कहा, मुझे पता है कि एंडी बर्नहम भारत आने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, जब बर्नहम ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, उसके तुरंत बाद उनकी प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत हुई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सामने सीधे तौर पर यह बात रखी थी। मुझे यकीन है कि हम जल्द ही ऐसा होता हुआ देख पाएंगे।

चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से बिगड़ा मौसम

नेपाल के डोल्पा में भारी बर्फबारी के बाद 6 भारतीय पर्यटक लापता

नेटवर्क गायब होने से राहत कार्य में बाधा हेलिकॉप्टर से बचाव अभियान जारी

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल के उच्च हिमालयी क्षेत्र डोल्पा में अचानक हुए भारी हिमपात के कारण छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। लापता पर्यटकों में दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। यह सभी पर्यटक डोल्पा के धो क्षेत्र से सुप्रसिद्ध शे-फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान अत्यधिक बर्फबारी के कारण उनके नुमला पास और वागला पास के पास फंस जाने की गंभीर आशंका जताई जा रही है। पर्यटकों से कोई संपर्क नहीं होने के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव के चलते नेपाल के उच्च हिमालयी इलाकों में मौसम अचानक काफी खराब हो गया है। इसके कारण डोल्पा के ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार भारी बर्फबारी हो रही है। स्थानीय गाइडों और ग्रामीणों ने पर्यटकों को मौसम खराब होने और दर्रे पार न करने की चेतावनी दी थी, लेकिन पर्यटक आगे बढ़ गए और वापसी के दौरान बर्फबारी की चपेट में आकर संपर्क विहीन हो गए। शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के अध्यक्ष धावा सम्दुक गुरुङ के अनुसार, नुमला पास और वागला पास क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क और संचार सुविधा बिल्कुल नहीं है।


चौतरफा दिख रहा तबाही का मंजर

नेपाली सेना तैनात, हेलिकॉप्टर बढ़ाने की मांग

डोल्पा की प्रमुख जिला अधिकारी जुनु हमाल और डीएसपी अनिलराज गिरी ने बताया कि लापता भारतीय पर्यटकों की सुरक्षित निकासी के लिए नेपाल सरकार से हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही लापता पर्यटकों की तलाश के लिए नेपाली सेना की विशेष टीम को भी मैदान में उतार दिया गया है। हालांकि, खराब मौसम और घने हिमपात के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

लापता लोगों में दो महिलाएं भी शामिल

भारत के टूरिस्ट, जिनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं, के लापता होने की पुष्टि हुई है, जब वे डोल्पो बुद्ध रूरल म्युनिसिपैलिटी के वार्ड नंबर 4 और 8 से शे-फोकसुंडो झील की ओर जा रहे थे। लोकल गाइड को शक है कि टूरिस्ट हिमालयी इलाके में भारी बर्फबारी के बाद फंस गए होंगे , जो बंगाल की खाड़ी में बन रहे साइक्लोन अर्नब की वजह से हुआ है। माना जा रहा है कि लौटते समय वे बर्फ में फंस गए।

लौटते समय बर्फ में फंसे!

डोल्पा की चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर जुनू हमाल ने कन्फ़र्म किया कि टूरिस्ट धो से फ़ोकसुंडो लेक की ओर लौटते समय फँस गए थे। उन्होंने कहा, उन्हें लोकल लोगों ने खराब मौसम और पहाड़ों के हालात के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन वे अपनी यात्रा पर निकल गए। वहीं, पालिका के चेयरमैन धवा समदुक गुरुंग ने कहा, वार्ड 4 और 8 के बीच पहाड़ी दर्रों में मोबाइल फ़ोन कम्युनिकेशन उपलब्ध नहीं है, जिससे टूरिस्ट कहाँ हैं और उनकी मौजूदा हालत के बारे में जानकारी मिलना मुश्किल हो जाता है।

244 पर्यटकों की मौजूदगी है

नेटवर्क की अनुपस्थिति और लगातार गिरती बर्फ के कारण पर्यटकों की सटीक स्थिति का पता लगाना बेहद कठिन हो रहा है। जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार फिलहाल उपल्लो डोल्पा क्षेत्र में 244 पर्यटक मौजूद हैं, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

भारत हीरों की कटिंग-पॉलिशिंग का प्रमुख केंद्र

वैश्विक हीरा कारोबार में भारत बेल्जियम की साझेदारी अहम



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा है कि वैश्विक हीरा मूल्य श्रृंखला में भारत और बेल्जियम की साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के बीच दशकों से मजबूत व्यावसायिक संबंध बने हुए हैं। उन्होंने रविवार को ब्रसेल्स स्थित भारतीय दूतावास में हीरा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में यह बात कही। अग्रवाल ने कहा कि भारत हीरों की कटिंग और पॉलिशिंग का दुनिया का प्रमुख केंद्र है, जबकि बेल्जियम मूल्यवान रत्नों और हीरों के वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र है।

बैठक में फीडबैक भी लिया

बैठक में वैश्विक व्यापार के रुझानों, प्रमुख बाजारों में मांग, कारोबारी अवसरों और उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच व्यापार की संभावनाओं और समस्याओं को लेकर फीडबैक भी लिया। इससे पहले 30 अक्टूबर को भी उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ वैश्विक हीरा बाजार की स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की थी। वहीं, भारत, बेल्जियम और लक्जमबर्ग के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। संयुक्त आर्थिक आयोग की बैठक में लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, वित्तीय सेवाओं, फिनटेक, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य सेवाओं, आयुर्वेद और कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर विचार किया गया।



कपड़ा मजदूरों का हिंसक प्रदर्शन पुलिस चौकी फूंकी,गाड़ी जलाई

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर रविवार को कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों ने राजधानी ढाका समेत तीन इलाकों में प्रदर्शन किया।

इस दौरान कई जगह हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके, एक पुलिस वाहन में आग लगा दी और गाजीपुर में पुलिस चौकी को भी फूंक दिया। अशुलिया में कम से कम 30 कपड़ा फैक्ट्रियां बंद रहीं। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन 9,600 रुपए से बढ़ाकर करीब 23 हजार रुपए किया जाए।

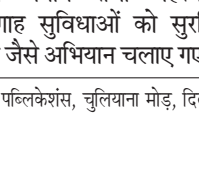

ढाका के मीरपुर-10 चौराहे पर सुबह बड़ी संख्या में मजदूर जुटे और सड़कें जाम कर दीं। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पुलिस के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया, जिसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

तनाव के चलते मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशन का गेट भी बंद करना पड़ा।

द्वीप और चुनौतीपूर्ण तटीय इलाकों में अपनी युद्धक तैयारियों और आपसी तालमेल को परखा

ऑस्ट्राहिंद 2026 का समापन

समुद्र और हवा से सैनिकों को उतारने बंदरगाहों की सुरक्षा का किया अभ्यास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्राहिंद-2026' का समापन 30 और 31 अक्टूबर को तिरुवनंतपुरम में आयोजित 36 घंटे के संयुक्त सत्यापन अभ्यास के साथ हुआ।

इस दौरान दोनों देशों के सैनिकों ने जंगल, द्वीप और चुनौतीपूर्ण तटीय इलाकों में अपनी युद्धक तैयारियों और आपसी तालमेल को परखा। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-6 के तहत आयोजित इस अभ्यास में समुद्र और हवाई मार्ग से सैनिकों को उतारने, समुद्र तट पर मोर्चा बनाने तथा महत्वपूर्ण बंदरगाह सुविधाओं को सुरक्षित करने जैसे अभियान चलाए गए।



घायल को निकालने की सीखे तरीके

घायल सैनिकों को निकालने, आपदा राहत पहुंचाने, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और आतंकवाद व उग्रवाद से निपटने का अभ्यास भी किया गया। इसमें भारतीय सेना और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के अलावा भारतीय नौसेना, वायुसेना, अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह प्राधिकरण तथा केरल अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं ने भी हिस्सा लिया। संयुक्त अभ्यास का ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के मेजर जनरल मैट बुर, भारतीय सेना की 54वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कपिल राणा और न्यूजीलैंड के रक्षा अताशे कमोडोर एजे डाउलिंग ने निरीक्षण किया। अभ्यास से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और संयुक्त सैन्य अभियानों में बेहतर समन्वय को मजबूती मिली।